समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसंबर २०२३ • वर्ष ७४ • अंक १२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

८९वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

प्रधान अतिथि

श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य
राज्य मंत्री, वित्त (स्वतंत्र प्रभार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (प.बं.सरकार)

उद्घाटनकर्ता

श्री राधे श्याम गोयनका
सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति

सम्माननीय अतिथि

पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता
संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति

सभापतित्व

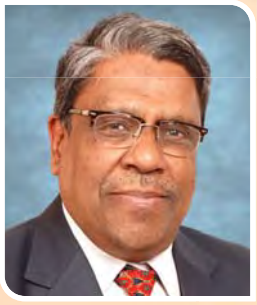

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

विशिष्ट अतिथि

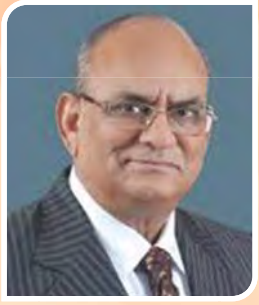

श्री ईश्वर चंद अग्रवाल
सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति

स्वागताध्यक्ष

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

With Best Compliments From:

M/S. DEEPAK STEEL & POWER LTD.

BARBIL, ODISHA

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

GENU PATH LABS | ACCURACY GUARANTEED

NABL ACCREDITED LABORATORY MC-3205

powered by

SastaSundar GROUP

— 200+ Quality Checks —

Free Home Collection | Accurate Reports | Best Offers & Affordable Prices | Online Reports

Pathology • Radiology

RAJARHAT | NEW TOWN | HOWRAH

LAKE PLACE | KANKURGACHI | BARASAT

GENU PATH LABS, RAJARHAT

Innovation Tower, Premises No. 16-315, Plot No. DH6/32, Action Area -1D, New Town, Rajarhat, Kolkata - 700156, West Bengal, India

CALL: 080 6950 6950

Central Board of
Secondary Education

BIRLA PUBLIC SCHOOL

KISHANGARH-AJMER (RAJ.)

(A Birla Eduation, Pilani Institution)

Milestone 82 , Jaipur-Ajmer Highway (NH-8), Kishangarh, Ajmer -305801

Scan for
BPSK Activities

Scan for
Online Registration

Ranked as

#01

CO-ED Boarding
School in Rajasthan

- English medium co-educational premier residential school for boys and girls.
- Efficient, qualified and trained faculty at par with the best in the country.
- Well-equipped science labs and a state of the art Design & Technology lab.
- Superb sports facilities with specialized Coaches for all sports.
- Excellent pastoral care with separate A/C hostels for boys and girls.

ADMMISSION OPEN

FOR GRADE V-IX & XI
2024-25

www.bisk.edu.in

Contact : +91 92510 28311/301
Email : admission@bisk.edu.in

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700017
टेलीफोनः (033) 4004 4089, ईमेलः aimf1935@gmail.com
वेवसाइटः www.marwarisammelan.in

89वाँ स्थापना दिवस समारोह

(सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम)

दिनांक : सोमवार, 25 दिसंबर 2023 • सुबह 10 बजे

स्थान : जी. डी. बिड़ला सभागार, बालीगंज, कोलकाता

प्रधान अतिथि	:	**श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य** राज्य मंत्री, वित्त (स्वतंत्र प्रभार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (पश्चिम बंगाल सरकार)
उद्घाटनकर्ता	:	**श्री राधे श्याम गोयनका** सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति
सम्मानित अतिथि	:	**पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता** संस्थापक एवं अध्यक्ष भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति
विशिष्ट अतिथि	:	**श्री ईश्वर चंद अग्रवाल** सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति
समारोह का सभापतित्व	:	**श्री शिव कुमार लोहिया** राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
सम्मान	:	**मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-2022** (रामनिवास आशारानी लाखोटिया) 27 देशों और भारत के 23 राज्यों में फैले 15 लाख से अधिक दिव्यांगों का पुनर्वास करने वाले **डॉ. देवेंद्र राज मेहता** को।

इस अवसर पर बाड़मेर के सुप्रसिद्ध राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में लोक संगीत और नृत्य प्रदर्शन कला शैली के साथ प्रस्तुत करेंगे। इन कलाकारों ने भारत ही नहीं, अपितु वैश्विक (जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूस, हॉलैंड) मंचों पर अपने कला का प्रदर्शन किया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अब तक के सिरमौर

स्व. ईश्वर दास जालान
सम्मेलन के प्राण-पुरुष

स्व. रामदेव चोखानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९३५-१९३८

स्व. पदमपत सिंघानिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९३८-१९४०

स्व. बद्री प्रसाद गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४०-१९४१

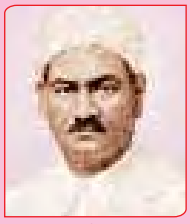

स्व. आनन्दीलाल पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४१-१९४३

स्व. रामगोपाल मोहता
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४३-१९४७

स्व. बृजलाल बियानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४७-१९५४

स्व. गोविन्द दास मालपानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९५४-१९६२

स्व. गजाधर सोमानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९६२-१९६६

स्व. रामेश्वरलाल टांटिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९६६-१९७४

स्व. भंवरलाल सिंघी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९७४-१९७९

स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९७९-१९८२

स्व. नन्दकिशोर जालान
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८२-१९८६, १९९३-२००१

स्व. हरिशंकर सिंघानिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८६-१९८९

स्व. रामकृष्ण सरावगी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८९-१९८९

स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी
कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८९-१९९३

स्व. मोहनलाल तुलस्यान
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००१-२००६

श्री सीताराम शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००६-२००८

श्री नन्दलाल रूँगटा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००८-२०११

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०११-२०१३

श्री रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१३-२०१५

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१५-२०१८

श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१८-२०२०

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०२०-२०२३

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०२३-२०२५

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH.

Dated 14-12-2023

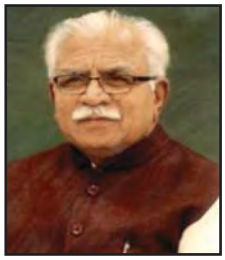

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 89वां स्थापना दिवस समारोह 25 दिसम्बर, 2023 को कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर "समाज विकास" पत्रिका का विशेषांक भी प्रकाशित किया जाएगा।

भारत एक बहु सांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न प्रातों, धर्मों एवं जातियों के लोग जात–पात एवं क्षेत्रवाद की संकीर्ण भावनाओं के ऊपर उठकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

मारवाड़ी समाज के लोग पूरे देश में अपने व्यापार व कारोबार के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी भाषा व संस्कृति को आज तक संजोए रखा है।

आशा है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 89वां स्थापना दिवस समारोह मारवाड़ी समाज के लोगों को आपस में मिलने और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार सांझा करने का अवसर प्रदान करेगा।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

मनोहर लाल

(मनोहर लाल)

"**म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति**" : आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के
८९वें स्थापना दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शुभकामनाएँ!

राज कुमार केडिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
(प्रभारी : झारखंड, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़)
राँची, झारखंड

फर्म :
मेसर्स - तिरूपति सेल्स इंटरप्राइजेज
मेसर्स - मंगलम टायर्स (प्रा.) लि.
मेसर्स - अम्बिका सिमेंट कं. (प्रा.) लि.
मेसर्स - मंगलम फीड्स एंड फुड्स (प्रा.) लि.
राँची – ८३४००१, झारखंड
मोबाईल : ९४७००१६२२००
ईमेल : rkkedia23@gmail.com

८९वें स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई संदेश

नन्दलाल रूँगटा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

रूँगटा भवन
चाईबासा – ८३३२०१ (झारखण्ड)

दिनांकः 09.12.2023

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने विगत ८८ वर्षों में मारवाड़ी समाज की एकता, समरसता एवं उत्थान के लिए सशक्त प्रयास किया है और काफी हद तक इसके अच्छे परिणाम भी मिले हैं। समाज में व्याप्त बहुत से कुरीतियाँ समाप्त हुई। परंतु इसके साथ ही नई कुरीतियाँ जैसे समाजिक कार्यक्रमों में मदिरापान का चलन, दिखावा एवं आपस में विश्वसनियता की कमी इत्यादि आज भी हमें चुनौतियाँ दे रही हैं।

आज अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन १८ राज्यों, सैकड़ों शाखाओं एवं हजारों सदस्यों के माध्यम से पूरे भारतवर्ष में कार्यशील है और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। 'समाज विकास' का निरंतर एवं समय पर प्रकाशन हो रहा है जो पठनीय एवं ज्ञानवर्धक है। वर्तमान में मारवाड़ी सम्मेलन के मुख्य कार्यालय में डिजिटलीकरण होने से सदस्यों के साथ बेहतर संपर्क हो रहा है एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की जानकारी उन्हें समय पर मिल पा रही है। इसका श्रेय श्री शिव कुमार जी लोहिया (अध्यक्ष), श्री कैलाशपति जी तोदी (महामंत्री) एवं अन्य पदाधिकारियों को जाता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वाँ स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखाओं के पदाधिकारियों और सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ!

नन्दलाल रूँगटा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

With Best Compliments From :

Wishing all the success & Heartiest Greetings for 89th Foundation day of AIMF :

Dr. OM Prakash Khandelwal (Phd)
IP. Prantiya President
Purbottar Pradeshiya Marwari Sammelan
Past National Vice President, AIMF
National Executive Committee Member, AIMF

M/S. GAUHATI TEA WAREHOUSING PVT. LTD.
3rd Floor, House No – 183, Shreeji Tower
G.S. Road Chirstianbasti,
Guwahati-781005, Assam
Mobile : 9435045425
Email : Khandelwalomprakash1946@gmail.com

RUPA & COMPANY LTD.
P. R. Agarwala
Chairman

दिनांक: 8.12.2023

सेवामें
श्री शिव कुमारजी लोहिया (राष्ट्रीय अध्यक्ष)
अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाऊस
41 सेक्सपियर सरणी
कोलकाता - 700017

महोदय,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन द्वारा 89वां स्थापना दिवस बहुत उत्साह से मनाया जाएगा तथा इस अवसर पर 'समाज विकास' संग्रहणीय विशेषांक प्रकाशित किया जाएगा।

मैं उक्त समारोह के सफल आयोजन एवं विशेषांक के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सधन्यवाद।

भवदीय
(प्रहलाद राय अग्रवाल)

Metro Tower,1, Ho Chi Minh Sarani, Kolkata 700 071, India
Phone: +91 33 4057 3100, Fax: +91 33 2288 1362
E-mail: pra@rupa.co.in, Website: www.rupa.co.in
An ISO 9001:2008 Certified Company

With Best Compliments From :

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ !

Sri Rajendra Prasad Agarwala
18A, Mayfair Road
Kolkata - 700019
Mobile : 9903038644
Email : rpa18a@gmail.com

संतोष सराफ
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

दिनांकः 4.12.2023

बड़े प्रसन्नता की बात है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का **८९वाँ स्थापना दिवस**, प्रतिवर्ष की भांति इसका पालन **२५ दिसंबर २०२३** को किया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रांत और शाखा पदाधिकारी सराहनीय कार्य कर रहे हैं। चाहे स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल की बात हो या व्यापार सहयोग की बात हो, सम्मेलन एक नई ऊँचाई की ओर अग्रसर है।

मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकलापों में वृद्धि हुई है। एक ओर जहाँ सम्मेलन ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, समाज-सुधार एवं उच्च शिक्षा छात्रवृत्त जैसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है; वहीं दूसरी ओर सम्मेलन ने समाज-सेवा के कार्यों को भी आगे बढ़ाया है।

मैं, सम्मेलन की पत्रिका **'समाज विकास'** के पठनीय एवं संग्रहणीय विशेषांक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ एवं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में सम्मेलन आपके नेतृत्व में और मजबूती के साथ समाज-सुधार एवं सामाजिक कार्यों में एक नया कीर्तिमान हासिल करेगा।

८९वें स्थापना दिवस की सफलता के लिए आपकी टीम को मेरी अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएँ!

शुभाकांक्षी

संतोष सराफ

संतोष सराफ

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन ने संगठन, समाज सुधार, सर्वजन हिताय, परोपकार, मानव सेवा, एवं राष्ट्रोत्थान के कार्य सफलतापूर्वक संपादित किए हैं और अनवरत करता भी रहेगा। हमें रूढ़िवादिता को छोड़ना और संस्कारों को मजबूती से थामना होगा। कुरीतियों के दमन के लिए भी संस्कारों का बचाव जरूरी है। भूतकाल की गौरवपूर्ण एवं मजबूत नींव पर वर्तमान के सद्कर्मों के स्तंभों के सहारे ही सुनहरे भविष्य के भवन का निर्माण हो सकता है। आज मारवाड़ी समाज जीवन की हर विधा में बुलंदी के झंडे गाड़ रहा है, अपनी गौरवशाली पहचान बनाये रखने के लिए, संस्कारों की नाव और समय की धार के बीच संतुलन बनाना ही होगा।

शुभाकांक्षी

गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

संक्षिप्त परिचय

पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता

संस्थापक एवं अध्यक्ष : भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति

– डॉ. देवेंद्र राज मेहता

समिति के बारे में : भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना डॉ. देवेंद्र राज मेहता ने १९७५ में की। यह दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग, कैलीपर्स आदि लगाने के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है, जो उन्हें कृत्रिम अंग (जयपुर फुट) सहित कैलिपर्स, बैसाखी, चलने में सहायक उपकरण पूरी तरह से नि:शुल्क प्रदान करती है। समिति का मुख्य उद्देश्य शारीरिक रूप से अक्षम लोगों, विशेष रूप से संसाधन-विहीन लोगों का शारीरिक और सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास है, ताकि वे सम्मान का जीवन जी सकें और समाज के उत्पादक सदस्य बन सकें। यह समिति शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए सहायक उपकरणों के विकास और सुधार के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान भी करती है और ऐसे उत्पादों के निर्माण से संबंधित ज्ञान और विशेषज्ञता के प्रसार के लिए कार्यशालाओं और सेमिनारों का भी आयोजन करती है।

डॉ. देवेंद्र राज मेहता : श्री देवेंद्र राज मेहता राजस्थान विश्वविद्यालय से कला और कानून में स्नातक हैं। आपने रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, लंदन, यूके और एमआईटी स्लोअन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से अध्ययन किया है। श्री मेहता भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्व अध्यक्ष हैं और भारतीय रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर के पद पर भी रहे हैं। श्री मेहता भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान **'पद्म भूषण'** पुरस्कार से सम्मानित, एक पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं मुख्य संरक्षक हैं। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की स्थापना वर्ष १९७५ में जयपुर में की गई थी। समिति ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से **'जयपुर फुट'** बनाया, जिसे 'टाइम पत्रिका' द्वारा वर्ष २००९ में दुनिया के ५० सर्वश्रेष्ठ आविष्कारों में से एक घोषित किया गया था। श्री मेहता अमेरिका स्थित एमआईटी स्लोअन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के यूरोप/एशिया बोर्ड के निदेशक भी हैं। श्री मेहता को संयुक्त राज्य अमेरिका के सांता बारबरा में आयोजित एक समारोह में हाउ इंटरनेशनल की ओर से **'लाइफटाइम ह्यूमेनिटी अवॉर्ड'** से सम्मानित किया जा चुका है। इसी कार्यक्रम में डॉक्यूमेंट्री फिल्म **'फ्लोरेंसिया-एन एक्सीडेंटल स्टोरी'** भी प्रस्तुत की गई, जिसमें बारूदी सुरंग विस्फोट में अपना पैर खोने वाली मोजाम्बिक महिला फ्लोरेंसिया की कहानी है जो 'जयपुर फुट' लगवाकर फिर से चलने लगीं। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, विकलांगों को कृत्रिम अंग और अन्य शारीरिक सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान करती है। इनका प्रसिद्ध उत्पाद **'जयपुर फुट'** है। आज डॉ. मेहता के नेतृत्व में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति २७ देशों और भारत के २३ राज्यों में फैले १५ लाख से अधिक लोगों को कवर करने वाले विकलांगों के पुनर्वास के लिए दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया है। श्री मेहता को नवंबर २००७ में सिलिकॉन वैली में नवाचार और मानवता के लिए **'टेक संग्रहालय पुरस्कार'** मिला। इन्हें **इंडियन फॉर कलेक्टिव एक्शन अवार्ड**, सामाजिक उद्यम के लिए **सीएनबीसी पुरस्कार, सतपाल मित्तल पुरस्कार, राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार-२०१२** (यह पुरस्कार, जिसमें एक प्रशस्ति पत्र और पाँच लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है, सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और सद्भावना को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।) एवं २०१३ में आपको राजस्थान सरकार द्वारा **'राजस्थान रत्न'** से सम्मानित किया गया।

With Best Compliments From :

PRECISION TECHNIK PVT. LTD.

for 89th foundation day of All India Marwari Federation

Address :

DB-126, Sector-1, Saltlake City
Kolkata-700 064

Business Activities :

Generation of Solar Power Energy and EPC Contractor

Person in Contact :

Rajesh Kumar Sonthalia, CEO
Contact No. 98310 77130
Email ID : ptp1995@gmail.com

समाज विकास

◆ दिसंबर २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक १२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **८९वाँ स्थापना दिवस समारोह का विवरण**	७
● **मारवाड़ी सम्मेलन के अब तक के सिरमौर**	८
● **सन्देश**	९-१६
● **संक्षिप्त परिचय : पद्म भूषण डॉ. देवेन्द्र राज मेहता**	१७
● **सम्पादकीय** : यह तटस्थ रहने का समय नहीं है	२१-२२
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** सम्मेलन का अमृत काल	२३
● **रपट :**	
मारवाड़ी व्यापार सहयोग प्रथम एवं द्वितीय बैठक	३३-३५
संगोष्ठी – 'बात का चालणां'	३७
● **सम्मेलन समाचार** : राष्ट्रीय महामंत्री का जमशेदपुर दौरा	३९
● **राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का विवरण**	४३
● **आलेख : डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, डॉ. दिनेश कुमार जैन, भानीराम सुरेका**	४५-५१
● **राष्ट्रीय महामंत्री का प्रतिवेदन : कैलाशपति तोदी**	६१-६४
● **आलेख :**	
दान या सौदा – **ईश्वर चंद अगरवाला**	८१
सफलता के लिए मेहनत के साथ विवेक-बुद्धि भी आवश्यक – **शिव रतन फोगला**	८३
मारवाड़ी सम्मेलन की शक्ति – **विनोद कुमार लोहिया**	८५
ऊँचा लोगां री ऊँची बतळावण – **बंशीधर शर्मा**	८७
राजस्थानी की पहली कहानी – **डॉ. नीरज दइया**	८८
व्यंग्य-ई खातर हां इक्कीस – **पवन पहाड़िया**	९७
महत्वाकांक्षी होना बेहतर होना है – **राजेश सोंथलिया**	९८
मायड़भासा खातर घणी चिंत्याळी बात – **चेतन स्वामी**	१०७
● **प्रादेशिक समाचार** – उत्कल, पूर्वोत्तर, झारखंड	९९
● **सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के उद्‌गार**	१०१-१०७
● शाखा समाचार : चूड़ी तोड़ने की परंपरा पर लगे रोक: **मधुसूदन सीकरिया**	१०८
● सम्मेलन - एक विहंगम परिचय	१०९-१११

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७, **फोन** : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
◆ email: aimf1935@gmail.com ◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

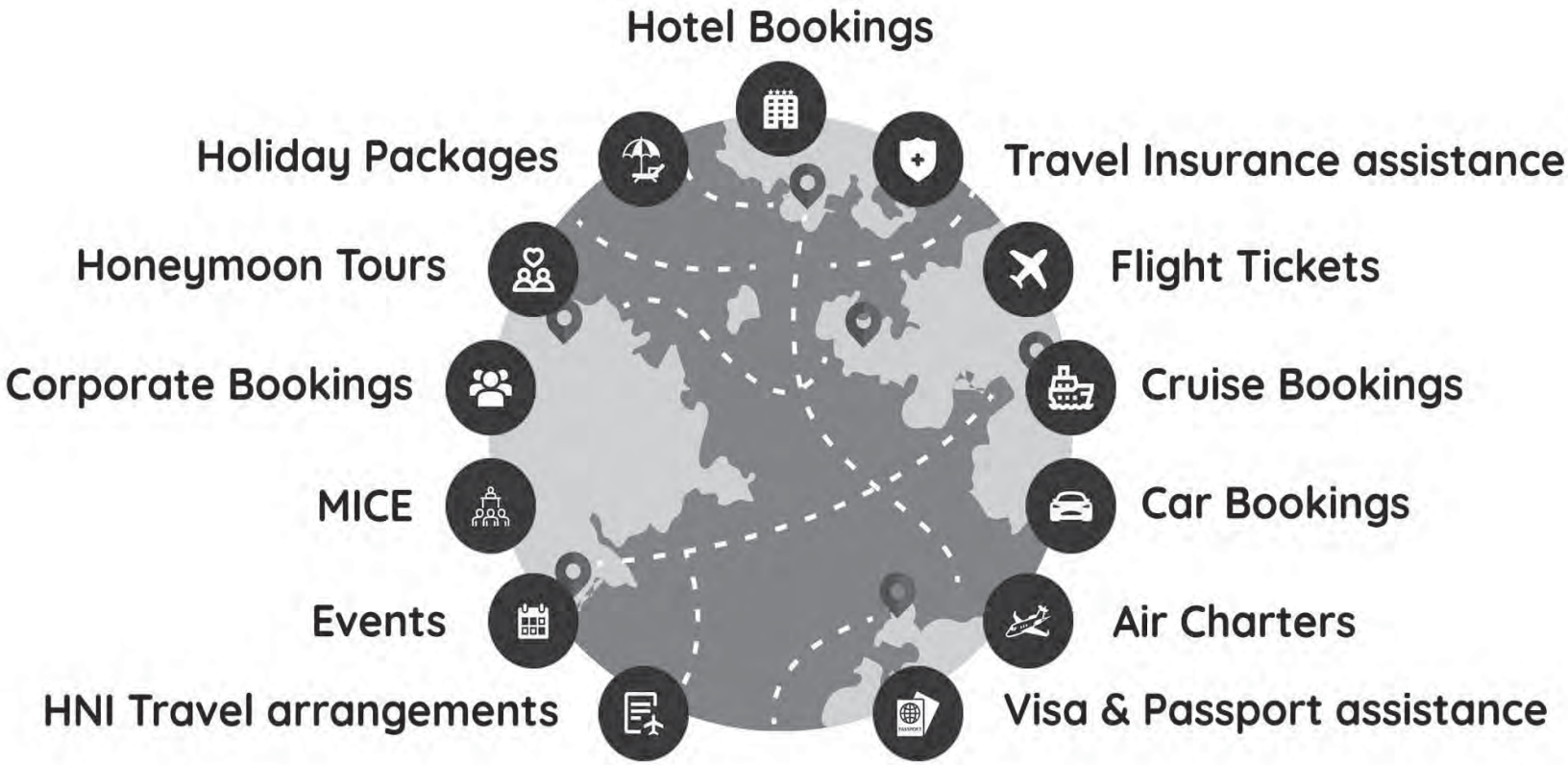

CAREWELL TRAVELS
ESTD 1994

CAREWELL TRAVELS & TOUR PVT. LTD.
CARE BEYOND COMPARE

"Sethia House", 5th Floor, P-23/24, Radha Bazar Street, Kolkata - 700001
Branches : Mumbai & Guwahati
+91-33-2230 3716 info@carewelltravels.com www.CarewellTravels.com

यह तटस्थ रहने का समय नहीं है

मारवाड़ी समाज कुछ वर्षों पहले तक तुलनात्मक दृष्टि से एक मर्यादित समाज की गिनती में आता था। विगत कुछ वर्षों से क्या कुछ हो गया जो समाज में जिससे भी चर्चा करें, वह यह कहते सुना जाता है कि समाज में खासकर लगभग विगत पाँच वर्षों में सामाजिक मापदंडों में बहुमुखी अवनति घटित हुई है। संभवतः शनैः शनैः हम अपने संस्कार-संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं; यह उसी का प्रतिफल है। लगभग प्रत्येक घर में बडे-बुजुर्ग यह कहते सुने जाते हैं कि – हमारी कोई भी नहीं सुनता। यह स्पष्ट है कि पिछले तीस-चालीस वर्षों में हम अपने बच्चों का अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में दाखिला करवाना शुरू किया। फलस्वरूप जाने-अनजाने बच्चे अपने संस्कार-संस्कृति से दूर होते चले गए। अपनी भाषा, संस्कृति, खान-पान, लोक-व्यवहार, लोकलाज, आचार-विचार सब कुछ पर पाश्चात्य सोच हावी हो गया। हम यह भूल गए कि जब हम स्वयं ही इन बातों से दूर हो रहे हैं तो हमारे बच्चे किस प्रकार इन्हें आत्मसात कर पाएँगे, क्योंकि इन बातों को प्रवचन या ज्ञान के द्वारा नहीं, आचरण के द्वारा ही संप्रेषित कर सकते हैं।

हमारी सोच एवं जीवन-शैली धार्मिक, आध्यात्मिक एवं नैसर्गिक मर्यादाओं का कुंलाचे भरता हुआ उल्लंघन कर रहा है। इस कुंलाचे भरते हुए घोड़े में लगाम लगाने के लिए नकेल नदारद है। आज समाज ऐसे विसगंतियों के सम्मुखीन है, जिसकी कभी कल्पना ही नहीं की गई होगी। इसका सूत्रपात बड़े शहरों में हुआ – सर्वप्रथम धनाढ्य वर्ग में। इसके अंतर्गत फिजूलखर्ची, आडंबर, दिखावा, अहं तुष्टि करने के लिए हम छोटे-बड़े बहाने खोजते रहते हैं। घर में नवजात शिशु के जन्म का अवसर हो, स्वयं के विवाह का सालगिरह हो या विवाह आदि का अवसर हो, उन पर अंधाधुंध खर्च किया जाता है। इन अवसरों पर डेस्टीनेशन आयोजन सामान्य बात हो चली है। इन समारोह में मद्यपान का जो व्यवहार होता, उसका प्रतिफल सोच से परे है। मजे की बात यह है कि यह सब खुलेआम हो रहा है। दोस्त रिश्तेदारों को इकट्ठा कर देश-विदेश के रमणीय स्थानों पर सात सितारा होटलों में नए-नए करतब के साथ उत्सव मनाने की लिए होड़ लगी हुई है। महानगरों में स्पर्धा-प्रतिस्पर्धा का वातावरण समाज को रसातल की ओर ढकेल रहा है। विवाह, सगाई में पारंपरिक परिधान छोड़कर अर्धनग्न डिजाइनर कपड़ों में सजधज कर स्वयं को महिमा मंडित कर रहे हैं।

अपने समाज में प्रारंभ से ही विवाह दो परिवारों के बीच हुआ करता था। दोनों परिवार आपस में एक सूत्र में जुड़ते थे। यूरोप में भी १८वीं शताब्दी के अंत तक बचपन में ही सगाई कर दी जाती थी। अब विवाह दो लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। विवाह मे रोमांस का व्यापक प्रवेश हो गया है। एक-दूसरे के प्रति आकर्षण इतना हावी हो गया है कि अनुष्ठानों को निरर्थक मान लिया जाता है। इन अनुष्ठानों में भड़काऊ फिल्मी गानों के ताल पर नाचकर शोरगुल के मध्य होने वाले दंपति लैला-मजनू के तर्ज पर एक-दूसरे की गलबहियों में फूहड़ प्रदर्शन करके, मूकदर्शक बने नाते-रिश्तेदारों की तालियाँ बटोरते रहते हैं। विवाह के पहले ही युगल प्री-वेडिंग सूट के लिए देश-विदेश के रमणीय स्थानों की खाक छानते रहते हैं। लाचार परिवार वाले इनके साथ रहकर सबकुछ अपनी आँखों के सामने होते हुए देखते रहते हैं।

धनाढ्य वर्ग द्वारा प्रारंभ किए गए इस भौंडे प्रदर्शन के गिरफ्त में अब मध्यम एवं निम्न वर्ग परिवार भी आने लगे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर नाते-रिश्तेदारों की निमंत्रण में अनदेखी कर दी जाती है। सब कुछ में अपनापन नदारद है। इन अवसरों पर सब तरफ के नाते-रिश्तेदार इकट्ठे होते तो पहले सब आपस में मिलजुल कर समारोहों का आनंद लेते। अब होटलों में अपने-अपने कमरों में समय बिताते हुए एक-दूसरे से कटे रहते हैं। एक-दूसरे से संपर्क रखना तो दूर, परिचय करना भी अनावश्यक समझा जाता है। नैसर्गिक आनंद एवं प्रसन्नता की जगह कृत्रिम साधनों से सुख प्राप्त होने के तरह-तरह के प्रयास किए जाते हैं। इवेंट मैनेजमेंट नए-नए तरीकों को ईजाद कर दर्शकों को लुभाने का प्रयास करते रहते हैं। मद्यपान का सिलसिला इन आयोजनों में अबाध रूप से चलता रहता है। इस प्रकार पहले जो आशीर्वाद समारोह हुआ करते थे उसमें अब आशीर्वाद का कोई स्थान नहीं रहता। विवाह के आयोजनों में विवाह छोड़कर सबकुछ होता है।

कौतुहल की बात है कि समाज आज मौन है। एक कहावत याद आती है, जो कि रोमन सम्राट नीरो के बारे में मशहूर है – जब रोम जल रहा था तो नीरो सुख और चैन की बंशी बजा रहा था। समाज में सन्नाटा पसरा हुआ है। ऐसा लगता है कि बिना किसी युद्ध के ही हम युद्ध हार गए हैं। इस विषय मे चिंता व्यक्त करने वालों की कहीं कोई कमी नहीं है। पर वे सब हथियार डाल के बैठे हैं। कहा जा रहा है कि कुछ नहीं किया जा सकता – इन हालात का इन शब्दों में बयान किया जा सकता है –

थके से, बुझे से फूलों के चेहरे
मधुर ताजगी सूखती जा रही है।

समाज की ऊष्मा ठंडी पड़ गई है। स्वार्थ का अंधा अनुसरण करते हुए महात्वाकांक्षा की अंधी दौड में माँ-बाप अब 'अवांछित सामान' एवं इनके द्वारा दिए गए 'नैतिक मूल्य एवं संस्कार' अब 'अवांछित ज्ञान' हो गए हैं।

शायद इसी प्रकार के हालात गत शताब्दी के चौथे-पाँचवें दशक में भी रहे होंगे जब पर्दाप्रथा, बाल-विवाह का

विरोध एवं नारी शिक्षा एवं विधवा-विवाह के समर्थन में समाज ने बिगुल बजाया था। उस यात्रा में सम्मेलन की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उस समय भी सनातनी लोगों ने कहा था कि सैकड़ों वर्षों की परंपरा कैसे बदल सकते हैं। पर जब समाज ने कमर कसी एवं एक जाग्रत प्रयास से सब दकियानूसी परंपराएँ छिन्न-भिन्न हो गई तब उन्हीं लोगों ने कहा – आँधी को कौन रोक सकता है। कुछ महिनों पहले ही एक परिवार के सुसंस्कृत मुखिया से बात हो रही थी। उन्होंने ४३ वर्ष पहले अपने विवाह के समय घटित वाकया मुझे सुनाया। उन्होंने बताया कि मेरे विवाह के समय श्री राम कुमार भुवालका एवं समाज के अन्य जागरूक वरिष्ठ सदस्य आकर मेरे स्वसुर जी, जो कि स्वयं भी एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, निवेदन किया आयोजन में जो झाड़-फानूस लगाया गया है उसे हटवाएँ एवं समारोह सादगीपूर्ण करें। परिवार वालों ने इन बातों को स्वीकार करते हुए विवाह समारोह सादगीपूर्ण परिवेश में संपन्न किया। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि समाज में जागरूकता के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। व्यक्तिगत रूप से चर्चा करने पर सभी वर्तमान परिस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हैं। पर बिल्ली के गले में घंटी बाँधने को कोई तैयार नहीं। हाल ही में एक समाचार-पत्र में भी इस प्रकार की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। समस्या की चर्चा हो रही है, पर निदान का रास्ता कोई नहीं सुझा पा रहा है।

अंधाधुंध धन-वैभव का प्रदर्शन एवं मद्यपान का बढ़ता निष्कटंक प्रचलन समाज को अपने दुष्प्रभाव के गर्त में डाल रहा है। कुछ लोग इसे विकास या प्रगतिशील की संज्ञा दे सकते हैं, पर मेरा कहना है –

मैं बेपनाह अंधेरे को सुबह कैसे कह दूँ,
मैं इन नजारों का अंधा तमाशबीन नहीं।

यह तो सर्वविदित है कि जो हम देते हैं वही लौटकर वापिस हमें मिलता है। जो हम करते हैं उसी का प्रतिफल हमें मिलता है। अतएव यह निस्संदेह है कि आज जो कुछ हो रहा है, उस विषय में पाश्चात्य संस्कृति में छाये अंधेरे से हम सबक ले सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख सुविधा होते हुए भी वहाँ व्यक्ति मानसिक अवसाद एवं तनाव से ग्रस्त है। उन्हें हमारे परंपरागत संस्कृति में आकर ही शांति मिल रही है। उनसे पूछने पर उत्तर मिलता है कि वर्षों हमने भोगों में शांति खोजने की कोशिश की, लेकिन वह शांति हमें भारत के संस्कृति का अनुसरण करने पर मिलती है। उनका कहना है कि हमने यह सीख लिया की खुशियाँ बटोरने में नहीं, बाँटने में है।

इन सब बातों से यह प्रश्न उठता है कि क्या हम इतिहास दोहरा रहे हैं। क्या भोगवाद के चरम का अतिक्रमण किए बिना हम ढलान पर नहीं आएँगे। इस विषय में मंथन की आवश्यकता है। गत गुवाहाटी अधिवेशन में सम्मेलन ने प्रस्ताव पारित करके उन विषयों पर समाज का ध्यान आकृष्ट किया है। व्यक्तिगत रूप से स्वयं मैं एवं समग्र रूप से सम्मेलन अधिवेशन के इन प्रस्तावों का व्यापक प्रचार करने में लगा है। इस विषय को एक अभियान का स्वरूप देने की आवश्यकता है। यह तभी संभव होगा जब इसके प्रति हम संकल्पित हों। किसी भी अभियान की सफलता के लिए सर्वप्रथम उस संबंध में पूरे समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता होती है। खासकर किस प्रकार से इन बातों को युवा पीढ़ी के गले उतारा जाय, यह एक बहुत ही मूल्यवान प्रश्न है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्तमान परिस्थिति में यह एक चुनौती है।

इस संबंध में समाज के सक्षम व्यक्तियों को अपनी सेवाएँ अर्पित करने के लिए आगे आना होगा। यह एक चिंतनीय स्थिति है कि समाज में ऐसे लोगों का अभाव है, जिनकी बात समाज मानता हो। साथ ही समर्पित कार्यकर्ताओं के द्वारा यह संदेश चतुर्दिक फैलाने की आवश्यकता है कि जो हो रहा है वह व्यक्तिगत रूप से, परिवार के लिए, समाज के लिए एवं पूरे राष्ट्र के लिए हानिकारक है। कवि के शब्दों में कहूँ तो कहूँगा **"सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, सारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।"** यह संदेश फैलाने की भी आवश्यकता है। सादगी की अपनी सुंदरता है। सादगी कोई तालीम नहीं जो किताब से हासिल हो। यह वो किरदार है जो हमारे संस्कार से झलकता है। हाल ही में फिल्म अभिनेता राज हूडा ने मेघालय में जाकर अपना विवाह सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न किया। इस समारोह की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। उसी प्रकार जब कोई सादगीपूर्ण विवाह संपन्न हो, समाज को उसका संज्ञान लेकर आभार प्रकट करना चाहिए एवं आयोजकों की अभ्यर्थना करनी चाहिए। इस प्रकार के समारोहों का पूरा प्रचार होना चाहिए। साथ ही आज डिजिटल युग चल रहा है। इस संबंध में सकारात्मक संदेश देते हुए नाना प्रकार के विडियो बनाकर उनका प्रचार किया जाना चाहिए।

मैं, सभी समाज-बंधुओं से निवेदन करना चाहूँगा कि इस गंभीर विषय पर अपना मंतव्य एवं सुझाव दें। कृपया इस बात का ध्यान रखें हम समस्या के विषय में चर्चा न करके उनके समाधानों की चर्चा करें। मार्ग दुरूह है मगर, हमें याद रखना चाहिए कि यात्रा जितनी भी लंबी एवं दुरूह हो, सभी शुरुआत कदम बढ़ाने से ही होती है। इस संदर्भ में मुझे एक कथा याद आ रही है जब भगवान राम लंका पर चढ़ाई करने के लिए सेतू बना रहे थे तो उस समय जब सभी भक्त नाना प्रकार से सेतू निर्माण में व्यस्त थे, भगवान श्री राम ने देखा कि एक गिलहरी भी बार-बार आती है और फिर आकर धरती पर लोट-पोट कर फिर वापिस चली जाती है। कौतूहल वश उन्होंने पूछा कि तुम यहाँ क्या कर रही हो। उसने कहा कि मैं लोट-पोट होकर धरती के कण अपने शरीर में लगाकर उसे आगे जाकर जल में फिर लोट-पोट होकर मिला आती हूँ। रामचंद्र जी ने पूछा पर इससे क्या होगा, उसने जवाब दिया कि जब सेतू बनाने वालों का नाम लिखा जाएगा तो उसमें मेरा नाम भी शामिल होगा।

यह तय है कि यह समय तटस्थ रहने का नहीं है। समाज की विसंगतियों के विरुद्ध बिगुल बजाने का है क्योंकि –

समरशेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध,
तो तटस्थ है, समय लिखेगा उनके भी अपराध।

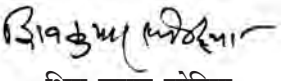

शिव कुमार लोहिया

सम्मेलन का अमृत काल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में हुई थी, जब राजस्थान प्रांत का गठन भी नहीं हुआ था। उसके गठन के पहले कोलकाता में कुछ संस्थाएँ थीं, जो समाज-बंधुओं का सीमित प्रतिनिधित्व करती थीं। पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ में मारवाड़ी चैंबर ऑफ कॉमर्स की सभा में मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना की घोषणा कोलकाता के पहले ही हो चुकी थी।

दीर्घ ८८ वर्ष पहले हमारे पूर्वजों ने पूरे देश में समग्र समाज को एक सूत्र मे पिरोने का सपना देखा था। यह उनकी दूरदर्शिता का प्रतिफल है। अपने प्रथम वक्तव्य में संस्थापक अध्यक्ष श्री रामदेव चोखानी ने सम्मेलन के जिन उद्देश्यों का जिक्र किया था उनमें से प्रमुख हैं :–

१. यह संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन हो।
२. जाति में नवजीवन का संचार करें।
३. कार्यकर्ता में उल्लास, सजीवता, कर्मोद्यम का भाव भरें।
४. उसमें समाज की विभिन्न शाखा संबद्ध हो।
५. जाति हित के साथ-साथ राष्ट्रीय हित पर विचार करते हुए कार्यक्रम स्थिर करें।

८८ वर्षों के जीवन काल में सम्मेलन ने नाना परिस्थितियों से गुजरते हुए अपनी सार्थकता एवं उपादेयता बनाए रखी है। सम्मेलन का गौरवमय इतिहास पूरे समाज के लिए आकाशदीप का काम करता है। सम्मेलन ने समाज की सोच में व्यापकता एवं गहराई का समावेश किया है। समाज को सदैव परिमार्जित एवं परिष्कृत कर संपुष्ट एवं प्रासंगिक रखा है।

सम्मेलन की सबसे मजबूत शक्ति रही उसका उद्देश्य एवं उसके कार्यकर्ता। इसी कारण सम्मेलन का संस्थाओं में एक विशिष्ट स्थान है। इस प्रकार की संस्थाएँ धनबल से अधिक तपबल, कर्मबल एवं संकल्प शक्ति से पुष्पित-पल्लवित होते हैं। सम्मेलन एवं समाज के लिए गर्व की बात है कि उसके सोच एवं प्रयास से अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन जैसे दो वरिष्ठ संस्थाओं का उदय हुआ एवं आज समाज की अप्रतिम सेवा में संलग्न है।

सम्मेलन का असली स्वरूप सरसरी तौर से एक नजर में समझना कठिन है। सम्मेलन एक हिमशैल की तरह है। यह जितना ऊपर से दिखता है उससे दस गुना अधिक पानी के अंदर अदृश्य रहता है। सम्मेलन की असली शक्ति शाखाओं, प्रमंडलों एवं प्रांतों में है। जगह-जगह में सम्मेलन से जुड़े समाज-बंधुओं का उत्साह, लगन, निष्ठा एवं शक्ति का आभास होने पर सम्मेलन की शक्ति का अंदाजा लगाया जा सकता। पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण देश में अलग-अलग क्षेत्रों में बसे हुए समाज-बंधुओं को एक सूत्र में पिरोकर सम्मेलन समाज की अद्वितीय सेवा कर रहा है। ऐसी संस्था के साथ जुड़कर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूँ। अक्सर यह प्रश्न सुनने को मिलता – सम्मेलन हमें क्या देता है? ऊपरी तौर पर देखें तो उस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक प्रतीत होगा। लेकिन, अगर हमलोग गहराई में जाएँगे, सम्मेलन से थोड़ा अधिक जुड़ेंगे तब हमें पता चलेगा कि इसकी तो बात ही निराली है। शायद उसी स्थिति को वच्चन जी ने अपने शब्दों में बयान किया है – जितना हो जो रसिक, उसे है उतनी रसमय मधुशाला।

यह हर्ष का विषय है कि समाज में चेतना एवं सक्रियता बढ़ी है। साथ-साथ नई-नई विसंगतियाँ भी मुँह बाये खड़ी हैं, जो कि चिंतनीय है। इस विषय में सम्मेलन में निरंतर विचार-विमर्श चल रहा है।

एक अन्य महत्वपूर्ण मसले की ओर मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा वह है समाज में विभिन्न घटकों को एक सूत्र में जोड़ना। प्रारंभ से ही हमारे पूर्वजों का यही ध्येय एवं प्रयास रहा है। कुछ हद तक सफलता मिली है, पर अभी बहुत कुछ बाकी है। इस आवश्यकता के महत्व को ध्यान में रखते हुए ही इस सत्र का नारा '**आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज**' रखा गया है। इस संदर्भ में यह वास्तविकता ध्यान देने योग्य है कि समाज के बाहर सभी हमारे विभिन्न घटकों को मारवाड़ी के रूप में जानते हैं। जो भी भेद है यह हमारा अंदरूनी है। उसको जितनी जल्दी समाप्त कर दिया जाय श्रेयस्कर होगा।

बंधुओं, किसी भी संस्था का ८८ वर्षों तक अहर्निश समाज की सेवा में सक्रिय रूप से संलग्न रहना अत्यंत ही गौरव एवं संतोष की बात है। उसके लिए मैं, हमारे सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं असंख्य कार्यकर्ताओं को नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने खून-पसीने से इसे सींचा है। सम्मेलन का यह अमृतकाल है। शनैः शनैः हम शताब्दी की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि शताब्दी तक इसकी यात्रा उपलब्धियों भरी होगी।

गत अगस्त माह में सिक्किम प्रांतीय इकाई का गठन हुआ एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया के नेतृत्व में शपथ ग्रहण संपन्न हुआ।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस सत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं व्यापार सहयोग के क्षेत्र में नए-नए पदक्षेप लिए गए हैं। इस क्षेत्र में समाज के प्रवीण-जन सम्मेलन से जुड़ रहे हैं एवं सम्मेलन की गतिविधियों को द्रुत कर रहे हैं।

स्थापना दिवस के अवसर पर मैं, सम्मेलन से जुड़े हुए सभी समाज-बंधुओं को एवं पूरे समाज को अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

शिव कुमार लोहिया

ENGINEERING THE FUTURE

VOILA AUTO WITHERING

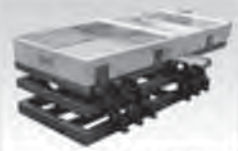
WITHERED LEAF FEEDER

WEIGH FEEDER

ROTORVANE

CTC MACHINE

CTC SEGMENTS

CONTINUOUS FERMENTING MACHINE

VIBRATORY FLUID BED DRYER

VIBRO SCREEN SORTER

HELIX AUTO MILLING MACHINE

TORNADO AUTO CHASING MACHINE

CNC MACHINE

SOLAR MODULE MOUNTING STRUCTURE

Wide range of Tea Processing Machinery & Equipment's; Voila Auto Withering, Withered Leaf Feeder, Weigh Feeder, Rotorvane, CTC Machine, CTC Segments, Continuous Fermenting Machine, Vibratory Fluid Bed Dryer, Vibro Screen Sorter, Helix Auto Milling Machine, Tornado Auto Chasing Machine, CNC Machine, **Solar Module Mounting Structures** etc. We are an efficient Turnkey Solution Provider.

Supplier to All renowned Companies across the Globe i.e. McLeod Russel, Amalgamated Plantation, Tata Tea, Goodricke, Apeejay, Andrew Yule, KDHP Ltd., A.V Thomas Group of Companies, KTDA, James Finlay, Unilever, Eastern Produce, Williamson Tea, Sterling & Wilson, Adani, Vikram Solar & ACME Cleantech etc.

Most experienced Technical & Commercial team

Vikram
the Best is yet to come

Regular EEPC Award Winner and Star Performer.

VIKRAM INDIA LIMITED

HEAD OFFICE
Tobacco House, 1, Old Court House Corner, **Kolkata** - 700001, India
Telephone: +91 33 22307629, **Fax**: +91 33 22484881
Email: sales@vikramindia.in, kolkata@vikramindia.in

FACTORY ADDRESS
Vill: Jala Dhulagori, **P.O.**: Dhulagori, **P.S.**: Sankrail, **Howrah** - 711302, India
Phone: 9830811833

OFFICES IN INDIA
Tinsukia, Siliguri, Coonoor

LIASON OFFICES ABROAD
Dhaka, Colombo, Nairobi

VIKRAM
vision in action

www.vikramindia.in

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

WEALTH ENHANCERS

Your Trusted Partner

TRUST =
AUM CAPITAL

Be a part of our Family

AND GROW WITH US AS OUR **PARTNER**

- No Risk
- Partner for your own Location
- Continuous Support
- Not much Cost involved

200+ TEAM

New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata | Ranchi | Bangalore | Chennai | Ahmedabad

www.aumcap.com

FOR FURTHER QUERIES REACH US AT
aumcares@aumcap.com

/ AumCap

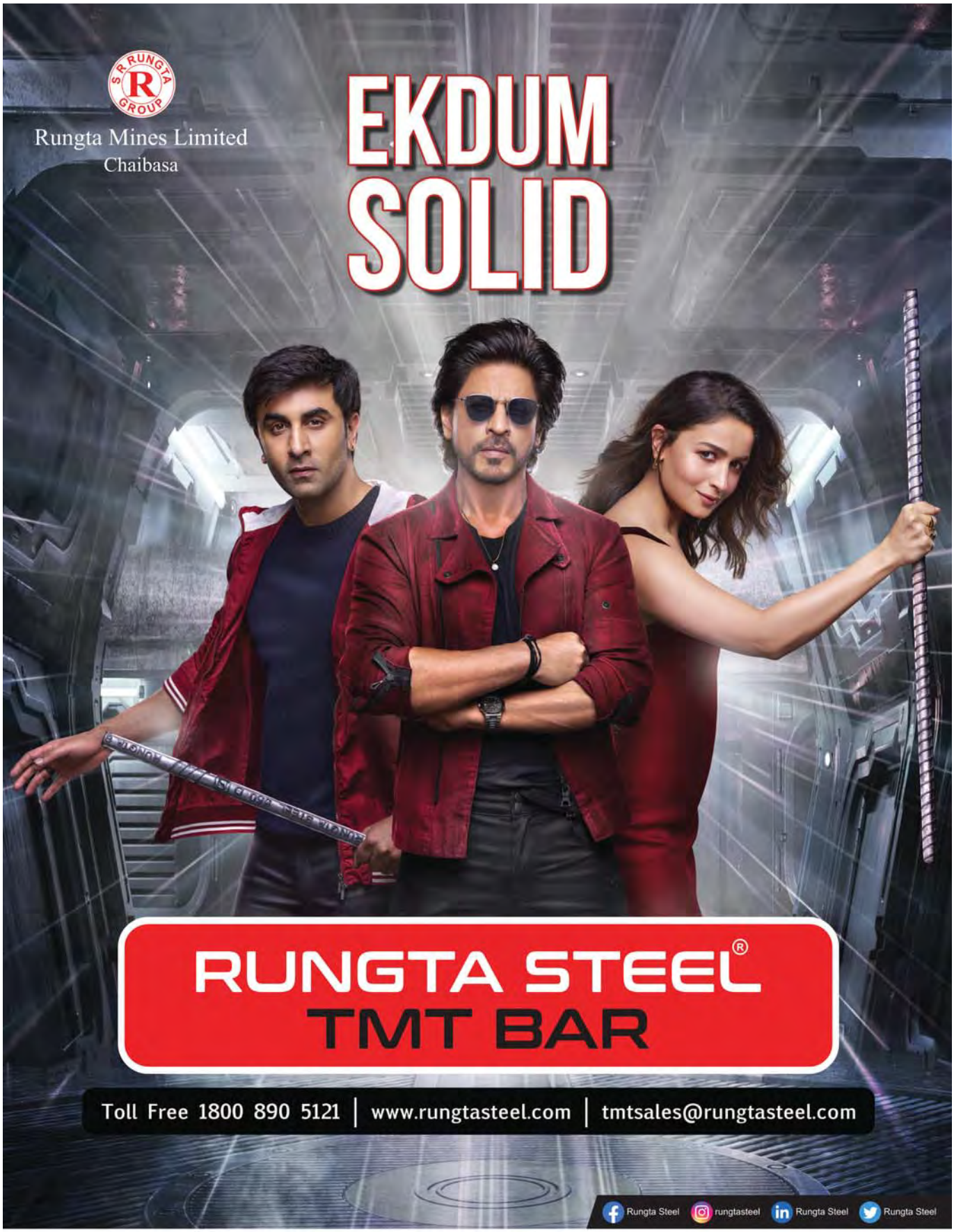

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

फोन : (033) 4004 4089 स्थापित : 1935 E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)

4बी, डकबैक हाउस, 4 तल्ला, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता–700 017
फोन : 033–4004 4089, e-mail : aimf1935@gmail.com

देश के वरिष्ठ राष्ट्रनायकों की उत्साहवर्द्धक उपस्थिति

मारवाड़ी सम्मेलन के इतिहास की उपलब्धियों में तब कई और पृष्ठ जुड़ते हैं जब सम्मेलन के रजत जयंती, स्वर्ण जयंती, हीरक जयंती, कौस्तुभ जयंती तथा स्थापना दिवस तथा अन्य समारोहों में ऐसे राष्ट्र तथा राजनायकों की उपस्थिति होती है, जो देश के सर्वश्रेष्ठ लोगों की श्रेणी में आते हैं। इनमें शामिल है पश्चिम बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचन्द्र राय, तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द (बतौर बिहार राज्यपाल), वर्तमान महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु (बतौर झारखंड राज्यपाल), उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ (बतौर प. बंगाल राज्यपाल), लोकसभा के स्पीकर श्री ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह। समय-समय पर इन सबकी उत्साहवर्द्धक उपस्थिति ने उर्जा का नया संचार करने के साथ-साथ सम्मेलन की प्रासंगिकता तथा उपयोगिता को सिद्ध किया है।

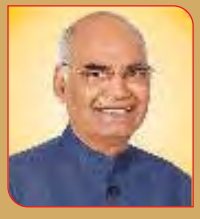

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
Butter Bake
Kaju Bake
BAKERSBIX
Milk Made
Kream cake
ROMANZO
YUMMY
HIT&RUN
LEMON MAZAA
SUGAR FREE
Marie Plus
2in1
dream LITE
TOP
Snack It!
Jadoo
www.anmolindustries.com | Follow us on:

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि बेंगलुरु द्वारा दीपावली के अवसर पर स्नेह मिलन!
यह स्नेह मिलन महिला सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती माया अग्रवाल द्वारा प्रायोजित किया गया था।

व्यापार इसलिए भी जरूरी है कि इससे नौकरियों का सृजन होता है – श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में २४ नवंबर को **'मारवाड़ी व्यापार सहयोग'** प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में शुभारंभ हुआ। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि मारवाड़ी का व्यापार मुख्य परिचय रहा है। समाज की नई पीढ़ी का रुझान नौकरी की ओर बढ़ने के कारण व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' की आवश्यकता को ध्यान में रखकर इस प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। व्यापार इसलिए भी जरूरी है कि इससे नौकरियों का सृजन होता है। आगामी सत्रों में हम समाज के सुप्रसिद्ध उद्योगपति, व्यवसायी के साथ उनके नेतृत्व कौशल और नवीन समस्या-समाधान विचारों को साझा करेंगे। इन मेंटरशिप सत्रों का उद्देश्य हमारे सदस्यों को सशक्त बनाना और उनके व्यावसायिक कौशल को बढ़ाना है। उन्होंने आगे बैठक के मुख्य अतिथि श्री जुगल किशोर जाजोदिया का परिचय देते हुए कहा कि श्री जाजोदिया जी एक सुप्रसिद्ध एवं सफल व्यवसायी के साथ ही साथ सरल तथा सहृदय व्यक्तित्व हैं।

'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' के संयोजक श्री कनक जैन ने सम्मेलन के इस नए पहल के शुभारंभ की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मारवाड़ी व्यापार सहयोग हमारे मजबूत संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देने की योजना को ध्यान में रखकर तैयार किया गया एक मंच है। इस आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य हमारे मारवाड़ी समाज के बीच व्यापक व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देना है। हमारा मानना है कि एक साथ आकर हम एक मजबूत, अधिक जीवंत नेटवर्क बना सकते हैं, जिससे हमारे व्यवसायों और समाज को समग्र रूप से लाभ होगा।

पहले सत्र के मुख्य अतिथि श्री जुगल किशोर जाजोदिया ने उपस्थित लोगों से अपने व्यावसायिक जीवन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने व्यापार में सफलता के लिए ईमानदारी, विश्वास और समय को महत्वपूर्ण साधन बताया।

उपस्थित सभी लोगों ने परिचर्चा में अपने व्यापार की जानकारी साझा की और उपस्थित दूसरे सदस्यों के व्यापार में सहयोग में यथा संभव सहयोग की भावना व्यक्त की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' बैठक का सफल संचालन किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन जी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज की बैठक में हमें अनेक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुए हैं जो हमारे व्यवसायिक सफलता हासिल करने में सहायक होंगे।

मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता सहित सर्वश्री भगवान दास अग्रवाल, संपत मल बरमेचा, श्याम भुदोलिया, श्रीगोपाल अग्रवाल, संदीप कुमार सेकसरिया, बिनोद बियानी, पवन जैन, शिव रतन फोगला, रघुनाथ झुनझुनवाला, बसंत गद्यान, दीपक अग्रवाल, प्रदीप जीवराजका, श्याम अग्रवाल व अन्य लाभार्थी उपस्थित थे।

With Best Compliments From :

Rajasthan Vidya Mandir

A CISCE, New Delhi affiliated School for Girl's with well equipped laboratories providing Science, Commerce & Humanities Course from Lower KG to Class XII & It is the 1st English Medium Girl's School in North Kolkata.

Founder Secretary Atmaram Kajaria managed & run by Rajasthan Chhatra Niwas Trust, 36, Baranashi Ghosh Street, Kolkata-700007.

Special classes for Bhagwat Gita are also counducted in the School.

RAJASTHAN VIDYA MANDIR

36, Baranashi Ghosh Street

Kolkata-700 007

Phone : 033-7963 8314

आदान-प्रदान चलता रहेगा तो समाज की उन्नति होगी – श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में ८ दिसंबर को 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' प्रकोष्ठ की दूसरी बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में हुई। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि बिना चाबी का कोई ताला नहीं और बिना समाधान के कोई समस्या नहीं। नई समस्याएँ आने पर पुरानी समस्याएँ खत्म हो जाती हैं। आदान-प्रदान चलता रहेगा तो समाज की उन्नति होगी। आगे श्री लोहिया ने उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' प्रकोष्ठ का आप सभी ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें और लाभ उठाएँ।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमलोगों को व्यवसाय/पेशा के नए रूपों को स्वीकार करना चाहिए और उसमें प्रशिक्षण लेकर उसे करना चाहिए। काम कोई छोटा-बड़ा नहीं होता है, इस मानसिकता के साथ हमें हर काम करना चाहिए। हम वफादारी और ईमानदारी के गुण को बनाकर ही किसी कार्य में सफल हो सकते हैं।

'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' के संयोजक श्री कनक जैन ने सम्मेलन के इस पहल की आवश्यकता पर बात करते हुए कहा कि मारवाड़ी व्यापार सहयोग हमारे संबंध और सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है। पहले हमें यह सोचना चाहिए कि हम क्या दे सकते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है। हम मनोस्थिति बदल लें तो परिस्थितियाँ बदल जाती हैं।

बैठक के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री अमित कुमार सरावगी का सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। श्री कनक जैन ने श्री अमित सरावगी का परिचय करवाते हुए उनके व्यावसायिक जीवन के अनुभवों एवं व्यवसाय में आए चढ़ाव-उतारों से संबंधित प्रश्न किए, जिस पर श्री सरावगी ने खुलकर उपस्थित लोगों से अपने व्यावसायिक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि जब भी समय खराब आए तो सबसे ज्यादा काम हमें अपने ऊपर करना चाहिए। व्यापार हमें सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं करना चाहिए। व्यवसाय में उन्नति के लिए समय सापेक्ष परिवर्तन जरूरी है। व्यापार में सफलता के लिए हमें अपने उत्पाद की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए, अपनी गलतियों को स्वीकार करके, उसमें सुधार लाकर हम व्यवसायिक लंबी यात्रा करने में सक्षम हो सकते हैं।

उपस्थित सभी लोगों ने परिचर्चा में अपने व्यापार की जानकारी साझा की और उपस्थित दूसरे सदस्यों के व्यापार में सहयोग में यथा संभव सहयोग की भावना व्यक्त की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' बैठक का सफल संचालन किया।

श्री भगवान दास अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज की बैठक में हमें अनेक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुए हैं जो हमारे व्यावसायिक सफलता का पथ प्रदर्शन करेंगे।

मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका सहित सर्वश्री रघुनाथ झुनझुनवाला, नवीन खेमका, जीतेंद्र शर्मा, शिवम कुमार बजाज, गोविंद गोयनका, सुशील अग्रवाल, हेमंत जैन, संपतमल बरमेचा, श्याम अग्रवाल, नरेंद्र सिंह शेखावत, कृष्णम अग्रवाल, प्रकाश कोठारी, अभिषेक कोठारी, पुलकित कोठारी, अमित कुमार अग्रवाल, नेहा सिंघानिया कोडिया व अन्य लाभार्थी उपस्थित थे।

TATA MOTORS
Connecting Aspirations
DRIVE IN THE NEW YEAR WITH YOUR DREAM CAR
BOOK NOW TO GET DREAM OFFERS
ENJOY BENEFITS UP TO
100000/*
BUY BEFORE PRICE HIKE IN JANUARY'24
PRIORITY DELIVERY*
100% ON ROAD FINANCE*
BEST EXCHANGE OFFERS OF OLD CAR*
SPECIAL BENEFITS FOR CORPORATE EMPLOYEES*
NOW WITH
3years | 100 000km
WARRANTY
TATA MOTORS ASSURED
*Lower EMI on new car on exchange
*Fair resale price of your existing car
Trust of ownership transfer to safe hands
Quick and free evaluation at your convenience
RISING AUTO WHEELS
RANCHI- NEAR PISKA MORE
+91-91555 90505, 91539 96267,
9153996266, 9153996249
KHALARI- KD ROAD
+91-9153996279
KHUNTI- MAIN ROAD
+91-9153996279
BUNDU- NH33, NEAR SURYA
MANDIR - +919297920873
FOR ANY EXCHANGE - +91-9204959973

लोक साहित्य एवं संस्कृति मन में उजास भरने का काम करते हैं : श्री लोहिया
बात हमें रस देती है, वह हमें आनंदित, उल्लसित करती है : डॉ. बाबूलाल शर्मा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में राजस्थानी संस्कृति एवं भाषा को लेकर समाज में प्रचलित एवं पीढ़ियों से सुनी जा रही बातों पर 'बात का चालणां' विषय पर संगोष्ठी सह वार्ता का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने किया। सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री जुगल किशोर जाजोदिया ने दुपट्टा पहनाकर एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने शाल भेंट कर डॉ. बाबूलाल शर्मा का सम्मान किया। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित समाज-बंधुओं का अभिवादन करते हुए कहा कि आज हमारी संस्कार, संस्कृति, आचार-विचार, भाषा धीरे-धीरे सब बदलती जा रही है और हमें इसका आभास भी नहीं हो रहा है। हम मोहरों की थैली को छोड़कर कंकड़ की थैली इकट्ठा करने में लगे हैं। पहले हम रेगिस्तान में रहते थे, हमारे पास संसाधनों की कमी थी पर लोक साहित्य एवं संस्कृति से हम बहुत संपन्न थे। लोक साहित्य एवं संस्कृति मन में उजास भरने का काम करते हैं, मन में उजास होने से ही जीवन उत्सव बनता है। श्री लोहिया ने डॉ. बाबूलाल शर्मा का परिचय देते हुए उनके रचना संसार से उपस्थित श्रोताओं को परिचित कराया। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रिका 'वैचारिकी' के संपादक, प्रधान वक्ता डॉ. बाबूलाल शर्मा ने संगोष्ठी में अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि लोकगीत, लोकगाथा, कविता, कहानी, रीति-रिवाज सब बात से ही निकली है। जिज्ञासा बहुत बड़ी बात पैदा करती है, जितने भी आविष्कार हुए हैं वह जिज्ञासा से ही हुए हैं। साहित्य में नौ रस का उल्लेख है, इसके अलावा एक रस बतरस है। बात का रस हम सड़क पर चलते-चलते भी ले लेते हैं। राजस्थानी साहित्य में बात एक विधा है। राजस्थानी में बात साहित्य है। राम चरित, कृष्ण चरित सब हमारे बात में हैं। डॉ. शर्मा ने कई उदाहरणों से 'बात के चलने' को स्पष्ट किया। बात हमें रस देती है और जब हम बात का रस लेने लगते हैं तो वह हमें आनंदित, उल्लसित करती है। डॉ. शर्मा ने उपस्थित श्रोताओं के जिज्ञासाओं को शांत किया।

सम्मेलन के फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती बिनीता अग्रवाल का सम्मान किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान, सर्वश्री शिव रतन अग्रवाल (फोगला), शंकर लाल कारिवाल, गोविंद गोयनका, जुगल किशोर अगरवाला, शिव कुमार बागला, सुरेश अगरवाल, जय किशन झवर, बिनोद टेकरीवाल, नवीन कुमार खेमका, हरि प्रसाद बाजोरिया, श्रीमती नीता मुरारका, अरविंद मुरारका, डॉ. बी. पी. साह, अमर नाथ चौधरी, राधा किशन सफर, पीयूष कयाल, रघुनाथ झुनझुनवाला, बैजनाथ सराफ, महेंद्र अगरवाल, सुशील भावसिंगका, श्रीमती शांता बिरला, बिमल कुमार बिरला, श्रीमती कंचन ड्रोलिया, नंदलाल सिंघानिया, बृज मोहन धूत, राज शर्मा, श्रीमती चांदनी शर्मा आदि मौजूद रहे।

KONCRETE
Konark Aerated Concrete
TM
AAC BLOCKS
BUILDING
HO ANDAR SE
STRONG
IS : 2185 : 1984
CM/L 5100032464
OUR PRODUCT SPECIALITIES
Light Weight
Thermal Insulation
Fire Resistance
Sound Insulation
Strength
Energy Efficiency
Design Flexibility
Environment Friendly
Cost Saving
KONCRETE AAC - THE IDEAL SOLUTION FOR MODERN CONSTRUCTION.
Technology collaboration :
HESS
AAC SYSTEMS
BUILDING GREEN SKYLINES
For Trade Enquiry - UAL Industries Ltd., Phone: 033-4011 5100/36 | 9836344416 / 9433014161
Corporate Office: UAL Industries Ltd., Konark Mani Uday, 16 Mayfair Road, Kolkata - 700 019

राष्ट्रीय महामंत्री का जमशेदपुर दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी के ३ दिसंबर २०२३ को जमशेदपुर दौरे पर पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच ने संयुक्त रूप से अग्रसेन भवन, साकची में पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल ने स्वागत भाषण देते हुए जिला में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर सदस्य के रिकार्ड्स का डिजिटलीकरण किया जा चुका है और सारे नए एवं पुराने सदस्यों को जल्द से जल्द हम सदस्यता प्रमाण-पत्र और संस्था का पहचान पत्र उपलब्ध कराएँगे। श्री तोदी ने आगे उपस्थित सदस्यों को सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा के लिए जरूरतमंद बच्चों को सहायता, सम्मेलन के एप्प के प्ले स्टोर पर उपलब्धता की सूचना दी। आगे उन्होंने मारवाड़ी सम्मेलन, महिला सम्मेलन एवं युवा मंच को साथ मिलकर सामाजिक कार्य करने की बात कही। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के भवन निर्माण हेतु मदद के अनुरोध को राष्ट्रीय कार्यसमिति में रखने का आश्वासन दिया। इस मौके पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री ओम रिंगसिया, पूर्व अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक भालोटिया, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री उमेश शाह, जिला सम्मेलन के संरक्षक श्री अरुण बाकरेवाल एवं श्री संतोष अग्रवाल एवं प्रांतीय महिला सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती मंजू खंडेलवाल, युवा मंच के प्रांतीय महामंत्री श्री सार्थक अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

साकची एवं जुगसलाई शाखा द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री का स्वागत, सम्मान

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी के जमशेदपुर प्रवास के दौरान ३ दिसंबर की शाम में सम्मेलन की साकची, जुगसलाई शाखा पदाधिकारियों एवं महालक्ष्मी मंदिर सदस्यों ने महालक्ष्मी मंदिर, साकची में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने सदस्यों, पदाधिकारियों के साथ सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

Telephone:+91-33-40044089 Website: marwarisammelan.in E-mail:aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700017
4B, Duckback House (4th Floor) 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700017

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

- १९३५ में अखिल भारतीय स्तर पर स्थापित प्रवासी मारवाड़ियों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था।
- सदस्यता : राजस्थान, हरियाणा, मालवा एवं उनके निकटवर्ती भू-भागों के रहन-सहन, भाषा एवं संस्कृति वाले सभी व्यक्ति जो स्वयं अथवा उनके पूर्वज देश या विदेश के किसी भाग में बसे हों – सम्मेलन के सदस्य हो सकते हैं।
- ब्रिटिश शासन द्वारा प्रवासी मारवाड़ियों को मतदान के अधिकार से वंचित किए जाने पर हुई थी संस्था की स्थापना।
- इसके खिलाफ हुए आंदोलन से प्रवासी मारवाड़ियों को मिला था मतदान का अधिकार।
- बाद में सम्मेलन ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ शुरु किया आंदोलन।
- दहेज-प्रथा, घूँघट-प्रथा का किया विरोध, विधवा-विवाह, लड़कियों की उच्च शिक्षा के पक्ष में सामाजिक चेतना जगाई।
- खत्म हुई घूँघट-प्रथा, होने लगे विधवा-विवाह, लड़कियों को दी जाने लगी उच्च शिक्षा तथा दहेज-प्रथा पर लगा अंकुश।
- समय परिवर्तन के साथ समाज में पनपी नई बुराइयों एवं कुरीतियों के खिलाफ शुरु की वैचारिक लड़ाई।
- प्रवासियों की सामाजिक सुरक्षा हेतु पूर्वोत्तर, ओडिशा सहित अन्य जगहों पर संगठित होकर किया आंदोलन, पाई सफलता।

कार्य एवं उद्देश्य

- समाज का सर्वांगीण विकास करना।
- बिना धार्मिक या जातिगत भेदभाव के अभावग्रस्त एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के आर्थिक, शैक्षणिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विकास हेतु प्रयत्न।
- उच्च शिक्षा के लिए समाज के बच्चों को आर्थिक अनुदान (संचित धन के ब्याज से)।
- सामाजिक रूढ़ियों एवं कुरीतियों के उन्मूलन के तहत विवाह समारोह में मद्यपान, बारात में परिवार की महिलाओं द्वारा सड़कों पर नृत्य, बढ़ते तलाक, घटता बुजुर्गों का सम्मान, टूटते परिवार, दिखावा व आडंबर, महँगे शादी कार्ड, फिजूलखर्ची जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों एवं ज्वलंत समस्याओं पर विचार गोष्ठियों के माध्यम से समाज में जागृति लाने का प्रयास।
- समाज में राजनीतिक चेतना जागृत करने हेतु कार्यकर्ता सम्मेलन, गोष्ठियों का आयोजन।
- आपसी विवादों के निपटारे के लिए पंचायतें बनाना।
- कोलकाता में मारवाड़ी सम्मेलन भवन का निर्माण।
- सामाजिक एकजुटता के तहत समाज की सभी संस्थाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास।
- समाज के शिक्षित बच्चों को नौकरी दिलाने के लिए रोजगार सहायता।
- समाज के बच्चों के विवाह सुनिश्चित करवाने के लिए वैवाहिक डाटा बैंक।
- मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास, प्रचार-प्रसार हेतु बहुविध प्रयास।
- होली-दिवाली, सम्मेलन स्थापना दिवस आदि विभिन्न अवसरों पर आयोजन कर आपसी मेल-मिलाप को बढ़ाना।
- पूरे देश में १८ प्रादेशिक शाखाओं (पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, पूर्वोत्तर, दिल्ली, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, केरल, सिक्किम) एवं इन राज्यों की शाखाओं के माध्यम से समाज-सुधार, समाज-सशक्तिकरण एवं सेवा कार्य।
- सम्मेलन के मासिक मुखपत्र 'समाज विकास' का प्रकाशन।
- बच्चों में संस्कार-संस्कृति-चेतना जागृति करने हेतु गोष्ठियाँ।
- प्रांतों द्वारा शिक्षा कोष के माध्यम से समाज के बच्चों को आर्थिक सहायता।
- समाजसेवा, मारवाड़ी भाषा के विकास व प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले साहित्यकारों तथा मारवाड़ी व्यक्तित्व का सम्मान।
- संगठित समाज, सशक्त आवाज के तहत प्रत्येक मारवाड़ी घर से कम से कम एक सदस्य बनाने की दिशा में प्रयास।
- समाज के लोगों को मतदान करने तथा राजनीति में सक्रिय बनाने के लिए जागरूकता एवं प्रोत्साहन।
- प्रांतों व शाखाओं द्वारा समाज के मेधावी बच्चों का सम्मान।
- प्राकृतिक आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों की सहायता।
- सामाजिक सुरक्षा के तहत समाज की आवाज को केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ प्रशासनिक हलकों तक पहुँचाना।
- अन्य ऐसे कार्य, जो समाज व देश की उन्नति तथा प्रगति में सहायक हों।

आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज

अतीत के झरोखे से...

हीरक जयन्ती समारोह - तत्कालीन महामहिम
राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा

महामहिम राष्ट्रपति श्री ज्ञानी जैल सिंह के साथ
सम्मेलन के पदाधिकारीगण

कौस्तुभ जयन्ती समारोह - तत्कालीन महामहिम
राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभादेवी सिंह पाटील

तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से मिला
सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल

तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से मिला सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल

With Best Compliments From :

M/s. Rhythm Fashions Private Limited

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

पदाधिकारीगण

श्री शिव कुमार लोहिया	राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	डॉ. सुभाष अग्रवाल	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कर्नाटक
श्री दिनेश कुमार जैन	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कोलकाता	श्री कैलाशपति तोदी	राष्ट्रीय महामंत्री	हावड़ा
श्री रंजीत कुमार जालान	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	उत्तराखंड	श्री पवन कुमार जालान	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री मधुसूदन सीकरिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	असम	श्री संजय गोयनका	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	बिहार	श्री महेश जालान	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	पटना
श्री राज कुमार केडिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	झारखंड	श्री केदार नाथ गुप्ता	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	कोलकाता

पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री नंदलाल रूंगटा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री राम अवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री प्रह्लाद राय अग्रवाला (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री संतोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया (राँची), निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतन लाल साह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भानी राम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सदस्यगण

श्री अखिलेश जैन (कोलकाता)
श्री अमित सारावगी (कोलकाता)
श्री आनंद कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री अरुण चुड़ीवाल (कोलकाता)
श्री अरुण कुमार सुरेका (कोलकाता)
श्री अशोक धानुका (असम)
श्री आत्माराम सोनथालिया (कोलकाता)
श्री भगवानदास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विजय कुमार केडिया (ओड़िसा)
श्री बिमल कुमार केजरीवाल (कोलकाता)
श्री विनय सरावगी (झारखंड)
श्री विनोद तोदी (बिहार)
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया (कोलकाता)
श्री दीपक पारिक (झारखंड)
श्री जुगल किशोर सर्राफ (कोलकाता)
श्री जुगल किशोर जाजोदिया (कोलकाता)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (मध्य प्रदेश)
श्री कंजबिहारी सोभासारिया (कोलकाता)
श्री मान्ना लाल बैद (दिल्ली)
श्री मनोज कुमार जैन (ओडिशा)
श्री नंद किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री नरेंद्र तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश खांडेलवाल (असम)
श्री पवन कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री पवन सुरेका (बिहार)
श्री पवन टिबरेवाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)
श्री रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रमेश कुमार बूबना (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री श्याम सुंदर धानुका (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार कामानी (ओडिशा)
श्री विवेक गुप्ता (कोलकाता)

स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री अजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अशोक जालान (ओडिशा)
श्री बनवारीलाल शर्मा सति (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री दिलीप कुमार चौधरी (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (ओडिशा)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री जितेंद्र गुप्ता (ओडिशा)
श्री कैलाश चंद्र लोहिया (असम)
श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्रीमती ममता बिनानी (कोलकाता)
श्री मनीश सराफ (बिहार)
श्री नंद लाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री निर्मल सराफ (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश गट्टानी (असम)
श्री राज कुमार मिश्रा (दिल्ली)
श्री राजेंद्र कुमार खंडेलवाल (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री रमेश चांद जी. वंग (महाराष्ट्र)
श्री शिव रतन फोगला (कोलकाता)
श्री सिताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्रीमती सुशमा अग्रवाल (बिहार)
श्री विजय कुमार लोहिया (तामिलनाडु)

पदेन सदस्य

श्री चांदमल अग्रवाल (आंध्र प्रदेश)
श्री पोडेश्धर पुरोहित (आंध्र प्रदेश)
श्री जुगल किशोर अग्रवाल (बिहार)
श्री सद्दानंद अग्रवाल (बिहार)
श्री पुरुषोत्तम जमुनालाल सिंघानिया (छत्तिसगड़)
श्री अमर बनसल (छत्तिसगड़)
श्री लक्ष्मीपत भुतोरिया (दिल्ली)
श्री सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)
श्री गोकुल चांद बाजाज (गुजराट)
श्री राहुल अग्रवाल (गुजराट)
श्री बसंत कुमार मित्ताल (झारखंड)
श्री रवि शंकर शर्मा (झारखंड)
डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक)
श्री शिव कुमार टेकरीवाल (कर्नाटक)
श्री विजय कुमार सांकलेचा (मध्य प्रदेश)
श्री श्याम सुंदर महेश्धरी (मध्य प्रदेश)
श्री राज कुमार पुरोहित (महाराष्ट्र)
श्री निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र)
श्री कैलाश चांद काबड़ा (पुर्वोत्तर)
श्री विनोद कुमार लोहिया (पुर्वोत्तर)
श्री विजय कुमार गोयल (तामिलनाडु)
श्री मुरारी लाल सोंथालिया (तामिलनाडु)
श्री रमेश कुमार बंग (तेलांगाना)
श्री रामप्रकाश भांडारी (तेलांगाना)
श्री गोविंद अग्रवाल (उत्कल)
श्री जयदयाल अग्रवाल (उत्कल)
श्री श्रीगोपाल तुलस्यान (उत्तर प्रदेश)
श्री तिकाम चांद सेठिया (उत्तर प्रदेश)
श्री संतोष खैतान (उत्तराखंड)
श्री संजय जाजोदिया (उत्तराखंड)
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल (केराला)
श्री भवेश चंडक (केराला)
श्री रमेश पेरीवाल (सिकिम)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सिकिम)
श्रीमती नीरा बठवाल (राँची)
श्रीमती रूपा अग्रवाल (राँची)
श्री सुरेंद्र भट्टर (राजस्थान)
श्री सुंदर प्रकाश (ओडिशा)

With Best Compliments From :

M/S. OM DISTRIBUTORS

KEY PARTS DISTRIBUTORS
OF
MADHEY PRADESH & CHHATTISGARH

Head Office :

M. M. Chobey Ward, Jabalpur Road, Katni (M.P.)

Phone : 07622-220527, 8720010341

Branch Office :

Ganj Mandi Road, Pandri Raipur (Chhattisgarh)

Mobile : 9926909565

हमारी बहुएँ : बेटियों से प्यारी

– डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

विवाह बड़ी सादगी से आनंदपूर्वक हो जाता है। प्यारी बहू राधिका और बेटा हनीमून और देवस्थल से आ जाते हैं। दोनों खुश हैं। सेठ जी और सेठानी सुबह की चाय के लिए बैठे हैं। दोनों अखबार पढ़ रहे हैं। बहू राधिका आती है। माँ-बाप के चरण स्पर्श करती है।

सेठानी - बहू राधिका आओ। शिव जी और अपने इष्ट का स्मरण एवं प्रार्थना करके नाश्ता कर लो। बेटा आकर बैठ जाता है, चाय नाश्ता के लिए।

सेठ जी – बेटा, राधिका को किसी भी चीज की जरूरत हो तो उसे ला देना। बहू से कहना अपना घर समझे। बेटा, अब व्यापार भी धीरे-धीरे तुम सम्भालो। निर्देश भी दो। मैं तुमको समझा दिया करूँगा, उसी तरह तुम निर्देश देना। सभी से मीठा बोलना। मधुर स्वभाव रखना। किसी की गलती हो तो उसको समझा देना। सभी क्षेत्रों में ज्ञान हासिल करना। जैसे कानून, एकाउंट्स, फाईनेंस, लेबर मैनेजमेंट, उत्पादन की तकनीकी, मशीनों के विषयों में सभी बातों को समझना। तभी कहाँ, क्या कठिनाई है, समझ सकोगे और उसको संभाल सकोगे। बेटा – हाँ बाबू जी – आपके आदेशानुसार सब करूँगा।

बहू राधिका – पूजा करके आ जाती है। पूजा का प्रसाद सभी को देती है।

सेठानी – आओ बैठो! चाय नाश्ता साथ में ले लो। बाबू जी व्यापार की और दुनिया की बातें करेंगे। सुनने से काफी ज्ञान होता है समय पर काम आता है। मैं भी काफी कुछ सिख गई हूँ।

सेठ जी – तुमलोग सामने बैठते हो तो बहुत अच्छा लगता है। अंग्रेजी में एक कहावत है जो परिवार साथ में प्रार्थना करता है और नाश्ता, भोजन साथ-साथ करता है बहुत आनंद से रहता है। बेटी राधिका, तुम्हारा यह अपना घर है। आदर देते हुए स्वतंत्र रहना। अब हमलोग तुम्हारे माता-पिता हैं। संकोच मत करना। हमलोगों की कोई बात अच्छी नहीं लगे तो बतला देना। हम अपने को सुधारेंगे। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, निस्वार्थ भाव से कर्म किए जा, मैं फल देता रहूँगा। तुम अपने किसी भी इच्छा का दमन मत करना। जब भी इच्छा हो तो माँ-बाप से मिलने चली जाना।

बहू राधिका – हाँ, बाबू जी मैं बहुत खुश हूँ। माँ भी मुझे बहुत-बहुत प्यार से रखती हैं।

सेठ जी – आओ बच्चों। हरि ओम! बेटा वर्तमान व्यापार को अच्छी तरह से संभालते हुए, व्यापार को बढ़ाना है। सादगी से रहना है। आडंबर नहीं करना है। ऐसा कोई गलत काम नहीं करना, ईमानदारी से व्यापार करना। माँ लक्ष्मी जब धन देती हैं तो उसका सदुपयोग करते रहना चाहिए। जहाँ तक संभव है, वहाँ तक भलाई करनी चाहिए। कर्म और मन से सबका भला सोचने और करने से भगवान नारायण और माँ लक्ष्मी खुश होती हैं। प्रह्लाद ध्रुव की कहानी हमेशा याद रखना। एक कहावत है, "नेकी कर दरिया में डाल" यानी भलाई करके भूल जाना। बेटी राधिका तुम भी ध्यान रखना। तुम्हारे पीहर में सब कुशल-मंगल है। यदि तुम्हारी इच्छा हो तो ४-५ घंटे ऑफिस जा सकती हो। मेरी भी मदद कर सकती हो। तुम शिक्षा के क्षेत्र में भी कुछ कर सकती हो।

राधिका – हाँ बाबू जी, मैं सोचती हूँ।

सेठ जी – ठीक है बेटा राधिका। कुछ काम करते रहोगी तो मन लगा रहेगा। बेकार की बातों में समय नहीं बरबाद होगा। खाली दिमाग शैतान का घर होता है। स्वास्थ्य पर ध्यान देना। व्यायाम, योगा और सुबह-शाम टहलना जरूरी है। रात में पार्टी में देरी तक मत रहना। अपने समय से चले आना। नारायण समय से चला आता था। अब शायद शादीशुदा दोस्तों के आग्रह को टाल नहीं पाता। मुझे विश्वास है कि नारायण बेटा में कोई गलत आदत नहीं है। फिर भी तुम ध्यान रखना। नारी तो प्रेरणा का स्रोत होती है. गलत लोगों का संगत बिलकुल नहीं करना। दोस्त कहेगा एक पैग में कुछ नहीं होता, नशा भी नहीं आता है। परंतु लक्ष्मण-रेखा लाँघने से तकलीफ आती है। अपने मर्यादा में रहने पर ही जीवन का आनंद आता है। परमपिता खुश होते है। माँ-बाप तो खुश रहते ही हैं। तुम हिमालय की तरह अटल रहना। नारायण को सभी तरह का सहयोग देना। बातों का भी सम्मान करना। अपना स्वाभिमान रखते हुए दासी नहीं बनना है। उसे अपने हाथ से भी काम करने देना। नहीं तो आदत खराब हो जाएगी। कभी अकेले रहना होगा तो काफी कष्ट होगा, बुढ़ापे में तो विशेषकर। पूरा परिवार रोज नाश्ते पर तो जरूर मिलता है। डिनर भी साथ में करने की कोशिश करना। मानवता की सेवा भी करते रहना।

नाटक का उद्देश्य – सादगी से जीवन व्यतीत करने की यात्रा पर आनंद से चलते रहना है। खुश रहना खुशी बाँटना, मानवता के कल्याण की भावना रखना।

बहू को प्रेम ही प्रेम देना। बेटा-बेटी से बढ़कर बहू को खुश रखना। परिवार का कल्याण और खुशी बहू की खुशी पर ही है। जिस घर में बहू खुश है उस घर में माँ लक्ष्मी का निवास है। लक्ष्मी जी भगवान नारायण के साथ रहती हैं। खुशी से रहो, खुश रखो। जीवन का यही उद्देश्य है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017
समाज से सादर निवेदन
वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।
निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

SWASTIK SUPPLY CO.

HEALTHMART

OUR SERVICES

- SCIENTIFIC
- LABORATORY
- AGRICULTURE
- INSTRUMENTS
- CHEMICAL
- GLASSWARE
- FURNITURE
- MEDICAL AND SURGICAL PRODUCTS

CONTACT US:

SANTOSH SARAWGI
PUNEET SARAWGI
YASH SARAWGI

+91 62002218755
+91 9204850004

swastik.ranchi@yahoo.co.in

SHREE RAM GARDENS, OPP. RELIANCE MART, KANKE ROAD, RANCHI - 834008, JHARKHAND

आलेख

सामाजिक शुचिता के अनुपालन की अपेक्षा

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

अपने बलिदानों के लिए प्रख्यात भूमि, जिसकी रक्त रंजित रज ललाट पर लगाने का मन करता है, जहाँ का इतिहास सैकड़ों बलिदानों से भरा पड़ा है, वहां का भूमि पुत्र अगर अपनी जननी जन्मभूमि को छोड़कर प्रवास में जाता है, तो निश्चय ही कोई मजबूरी उसे ऐसा करने के लिए विवश करती है। यह गाथा है राजस्थान की जहाँ के भूमि पुत्रों को अभाव के प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में धनोपार्जन हेतु प्रवासी बनना पड़ा। यह यात्रा शुरू होती है आज से करीब दो सौ-ढाई सौ वर्ष पहले, शुरू-शुरू में तो परिवार को घर पर ही छोड़कर, युवा वर्ग रोजी-रोटी के जुगाड़ एवं कुछ नया करने हेतु अदम्य उत्साह के साथ बाहर निकला-अभाव को अवसर में बदलने के लिए सुनहरे भविष्य की तलाश में।

देश के पूर्वांचल की तरफ शुरू में ज्यादा लोग गए और धीरे-धीरे पूर्वांचल की शस्य श्यामला धरती और हरियाली से आच्छादित पूरा वातावरण मन को मोहे बिना नहीं रह सका। मन यहाँ ऐसा रमा की धीरे-धीरे परिवार को भी यहीं ले आए। शुरू में असम एवं कोलकाता प्रवास का मुख्य केंद्र था। जब परिवार को छोड़कर आए थे, उस वक्त जो पहले से यहाँ आए और स्थापित हो गए थे, उन अनेक सफल प्रवासी बंधुओं की गद्दियाँ कोलकाता में हो गई थीं। लोग उन गद्दियों में ही रात में सोते एवं दिनभर कोई काम करते थे और वहाँ भोजन के लिए बासा (भोजन गृह) होते थे, जहाँ भोजन का इंतजाम रहता था। मारवाड़ी बासे आज भी अपनी शुद्धता और पवित्रता के लिए जाने जाते हैं। बाहर का कोई व्यक्ति अगर किसी स्थान पर आता है तो भोजन के लिए वह मारवाड़ी बासा की खोज करता है। बंगाल, बिहार, उड़ीसा तथा पूर्वोत्तर, जहाँ जिसका संजोग बना, गाँव में चारों तरफ मारवाड़ी अपने काम धंधे के सिलसिले में बस गए।

वर्षा ऋतु का सुहाना वातावरण मन को भा गया। राजस्थान की प्रतिकूल जलवायु तथा पाताल में जाता जमीनी जलस्तर, नमकीन खारा पानी, गर्मी में बदन को जला देने वाली गर्मी तो ठंड में बदन को गला देने वाली ठंड, इनसे छुटकारा तो मिला पर अपनी माटी की याद रह-रह कर आती है। वहाँ आदमी फुर्सत में था, बात बतलावन थी, सुख-दुख के साथी थे, मन को प्रसन्न करने वाला खान-पान था। वहाँ आदमी थोड़े में भी संतुष्ट था, मस्त था और आज यहाँ बहुत कुछ होकर भी हरदम कमी का ही आभास होता है। आज वह आनंद और सुख हमारे प्रवास में नहीं है जो अपनी माटी में हमें उपलब्ध था।

प्रवास में आकर यहीं के होकर रह गए। यहीं पर शादी विवाह सब होने लगे। घर मकान भी यहीं बन गए और अपनी मातृभूमि को एक प्रकार से भुला बिसरा बैठे। जात जडूला रस्म ही बस जाने का बहाना रह गया। कई परिवार तो यह सब कार्य भी यहीं पर कर लेते हैं। उनको तो देश छोड़े हुए सैकड़ों साल हो गए। उनको तो पता ही नहीं है कि देश में उनका कोई है भी या नहीं। उनकी हेली है कि नहीं। उनकी हेली की क्या स्थिति है, पता नहीं। कभी जाते ही नहीं, उनका तो सब कुछ पूर्वांचल ही हो गया।

जब समाज के कई लोग प्रवास में रहने लगे तो अपनी एकता, सांस्कृतिक विरासत एवं अपनी मूल पहचान बनाए रखने के लिए एक संगठन की आवश्यकता अनुभव होने लगी और इस प्रयोजन हेतु १९३५ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का गठन कोलकाता में किया गया। सम्मेलन आज पूरे राष्ट्र में समाज की प्रतिनिधि संस्था है, जो अपने स्थापना काल से ही समाज-सुधार, समाज-विकास एवं सामाजिक-सरसता के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आजादी के बाद देश के अन्य हिस्सों में भी मारवाड़ी समाज फैल गया। मारवाड़ी समाज राजस्थान से निकलकर देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर तरक्की भी बहुत की। जहाँ से चले आर्थिक संपन्नता का अभाव था, पानी का अभाव था, ऋतु प्रतिकूल थी इसलिए नए स्थान में आकर अपनी मेहनत और लगन से खूब तरक्की की। संजोग से वातावरण भी मन को मुदित करने वाला मिला। जब आदमी कष्ट में होता है तो उपयुक्त परिस्थितियाँ मिलने पर खूब मन लगाकर प्रयास करता है। अपने समाज ने ईमानदारी, कठिन परिश्रम एवं व्यवहार कुशलता से सफलता के कई कीर्तिमान स्थापित किए, परंतु अब अपना समाज भी आरामतल्बी होता जा रहा है।

पैसा है या नहीं, पर दिखावा बहुत हो गया है। उपयोगिता के ऊपर मनन नहीं है। अच्छाई और बुराई का अंतर नहीं कर पा रहा है। पैसा खर्च करने को तैयार है। पश्चिमी भौतिक सभ्यता का असर बहुत आ गया है।

सम्मेलन के प्रयास से, शिक्षा के प्रभाव से एवं समय काल के अनुसार रूढ़िवादी सोच एवं परंपरागत कुप्रथाएँ आज समाप्त हो गई हैं। पर भौतिकता की चकाचौंध, साधनों की प्रचुरता एवं संस्कारों से भी मुक्ती की वजह से नई-नई विसंगतियाँ सामने आ रही हैं। जो बहुत भयावह है।

मैं यहाँ केवल वैवाहिक समारोहों में बढ़ रही नई बुराइयों की तरफ़ आप सबका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, जिससे आप सभी परिचित भी है, मेरी प्रार्थना है कि इस पर चिंतन करें

विवाह संस्कार एक धार्मिक आयोजन है। इससे कुल देवता एवं अन्य सभी देवी-देवताओं की आराधना होती है। ऐसे आयोजन में मदिरापान के लिए भी काउंटर खोला जा रहा है। क्या यह धर्मसंगत है। शादी के पूर्व पंडित जी से शुभ मुहूर्त निकलवाया जाता है, पर अधिकांश में पालन नहीं होता। प्री-वेडिंग सूट का प्रचलन बहुत ही शर्मिंदगी भरा है। आप सभी इससे परिचित हैं। अत: मैं विस्तार में नहीं जाना चाहता। सड़कों पर महिलाओं, पुरुषों का विवाह के समय नाचना अपनी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। विवाह के समय नए-नए रिवाज शुरू हो गए हैं। हर कार्यक्रम में ड्रेस-कोड निश्चित रहता है। सभी से निश्चित ड्रेस-कोड में आने की अपेक्षा की जाने लगी है। सभी का सामर्थ्य एक सा नहीं होता। अपने समधि, भाई-बंधू कोई अमीर होता है कोई गरीब। हर आदमी कैसे ड्रेस-कोड के खर्चे को बर्दाश्त करेगा। यह सोच इन ड्रेस-कोड को लागू करने वालों को नहीं होती, यह तो गरीब भाई-बंधु एवं समधि तथा मित्रों से किनारा करना है।

विवाह में संगीत संध्या में भाग लेने के लिए नृत्य सिखाने हेतु कोरियोग्राफर आते हैं और जो प्राय: पुरुष रहते हैं और सिखने वाली परिवार की महिलाएँ। महिलाओं के शरीर को अनावश्यक होने पर भी स्पर्श करना क्या संदेश दे रहा है। हम अपनी संस्कृति को एकदम बिसार चुके हैं। इस पर तो एकदम पाबंदी लगनी चाहिए।

मेहंदी मंडवाना एक मांगलिक कार्य है। सभी धार्मिक एवं हर्षोल्लास के अवसरों पर इसे मंडवाने का रिवाज है। पहले परिवार की महिलाएँ आपस में ही प्रसन्नता से मेहंदी मांड लेती थीं। फिर यह कार्य परिवार से बाहर की महिलाओं द्वारा करवाया जाने लगा। परंतु आज स्थिति विकट बनने लगी है। स्त्रियों को भी पुरुष मेहंदी मांडते हैं। यह सर्वथा अनुचित है, इस पर अविलंब विराम लगना चाहिए।

ऐसी ही कुछ नई विसंगतियाँ पनप रही हैं, इन सब बातों पर मनन करने की आवश्यकता है। इनके निराकरण के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। हम कहाँ से चले थे, कहाँ चले जा रहे हैं और कहाँ पहुँचेंगे। नादानी नासमझी अपने समाज को ले डूबेंगी। अभी भी समय है चेत जाने का। संगठन दिशा-निर्देश दे और समाज बंधु तदनुसार अनुपालन करें, तभी सुधार संभव है। सम्मेलन के संकल्पों का सामाजिक अनुपालन अनिवार्य होना चाहिए। मुझे आशा है समाज के प्रबुद्ध-जन, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग इस पर गंभीरता से मनन करके समाज के व्यापक हित में अपने पारंपरिक मूल्यों एवं संस्कारों के अनुरूप निर्णय लेगा।

विशाल रूप यह सम्मेलन का, सामूहिक मेहनत का फल है,
निस्वार्थ भाव से लगे रहें तो, फिर सबका ही मंगल है।
फूलों के संग उग आती है, खरपतवार समय के साथ,
दूर करें हम अशुचिता को, संस्कारों को रखें याद।

जय भारत, जय समाज।

सत्र २०२३-२५ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२३-२५ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र के नारा 'आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

रोजगार सहायता में नामांकन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर रोजगार सहायता का पेज जुड़ गया है, जरूरतमंद समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि अपना बायोडाटा प्रविष्ट कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर '**पोस्ट योर सीवी**' का संक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर '**क्रिएट न्यू रिज्यूमे एंट्री**' का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपना पूर्ण विवरण प्रविष्ट कर '**सबमिट**' पर क्लिक करने से आप हमारे **रोजगार सहायता** प्रकल्प में नामांकित हो जाएंगे। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

मारवाड़ी और उद्यमिता

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भ.मा.स.

परंपरागत रूप से मारवाड़ी समाज उद्योग-व्यापार से जुड़ा रहा है। सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी से ही मारवाड़ी अपनी उद्यमिता (एंत्रेप्रेन्यूरशिप) के लिए जाने जाते रहे हैं। आज तो लोग इन्हें एक-दूसरे का पर्याय तक कहते हैं। हमारे पूर्वजों ने पूरे भारत में और विश्व के अनेक कोनों में अपने विशिष्ट गुणों से उद्योग-व्यापार में उत्कृष्ट सफलता का परचम लहराया। हमारी युवा पीढ़ी भी शिक्षित, सक्षम और सुयोग्य है, तथापि हाल के वर्षों में उद्योग-व्यापार के प्रति हमारे युवकों का रूझान पहले की अपेक्षा कम हुआ है, जो एक चिंतनीय विषय है।

यहाँ मैं उपर्युक्त 'विशिष्ट गुणो' में से कुछ की चर्चा करना चाहूँगा जो व्यापारिक जगत में, पिछली लगभग पाँच शताब्दियों में, मारवाड़ी समाज की सफलता की मूल आधारशिलाओं पर प्रकाश डालेंगे और साथ ही साथ समाज के युवा पाठकों के लिए प्रकाश स्तंभ सी भूमिका निभाएँगे।

परिश्रम : मारवाड़ी जहाँ कहीं व्यापार में लगे, वहाँ अपने काम में अपने आपको पूर्णतया समर्पित कर दिया। प्रवास में परिवार तो साथ था नहीं, देश (मारवाड़) में था, इसलिए कोई पारिवारिक जिम्मेवारी नहीं। काम के घंटों की तो बात ही क्या करें, पुराने लोग बताते हैं कि छूट्टी साप्ताहिक न होकर मात्र अमावस्या की होती थी।

मितव्ययिता एवं मौद्रिक अनुशासन : मारवाड़ियों की व्यवसायिक सफलता के कारणों में अपने संसाधनों का मितव्ययितापूर्वक और अनुशासित रूप से प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे अपने हर निर्णय में संसाधनों के अधिकाधिक बचत और व्यम-प्रबंधन पर विशेष ध्यान रखते थे। इस मानसिकता के मूल में संभवत: यह बात थी कि उनका उद्भव स्थल रेगिस्तान था, जहाँ स्वाभाविक रूप से संसाधनों की कमी होती है। उनकी मितव्ययिता ने यह सुनिश्चित किया कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनका अंत-परिणाम (बॉटम लाईन) सकारात्मक रहा।

जोखिम-प्रबंधन : मारवाड़ियों ने व्यापार में नियंत्रित आक्रामकता का दृष्टिकोण अपनाया और जोखिम उठाने की भी प्रवृति रखी, लेकिन ऐसा उन्होंने एक विशेष विधिपूर्वक किया। उन्होंने घाटे की संभावना का आंकलन कर, सुनियोजित जोखिम उठाये। साथ ही, अपने निवेश विविध उपक्रमों में किए (डू नॉट पुट ऑल योर एग्स इन वन बास्केट), जिससे किसी एक उपक्रम में हानि का उनके पूरे व्यापार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

दीर्घकालिक सोच – दूरदर्शिता : व्यापार में मारवाड़ियों का परिप्रेक्ष्य वंशानुगत था और वे अपने व्यवसाय को विरासत के रूप में अपनी भावी पीढ़ियों को हस्तांतरित करने की मंशा रखते थे। वे अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के प्रति भी इसी प्रकार के भाव रखते थे। मारवाड़ी व्यवस्था में मुनीम को आज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) की तरह सम्मान दिया जाता था। तात्कालिक लाभ तक सीमित न रह, सतत विकास (सस्टेनेबल ग्रोथ) की उनकी अवधारणा थी जिसके लिए उन्होंने स्थिरता, नवाचार (इनोवेशन), दीर्घजीवी उत्पादों और दीर्घावधि प्रणालियों को प्राथमिकता दी।

प्रसार-तंत्र एवं संबंध : मारवाड़ियों ने, अपने समुदाय और उसके इतर भी, प्रसार-तंत्र (नेटवर्किंग) तथा संबंधों में मजबूती बनाने पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने समझ लिया था कि सहयोग और भागीदारी से अवसरों, संसाधनों तथा प्रासंगिक जानकारी के द्वार खुलते हैं। उन्होंने समुचित संपर्क बनाए जिससे उन्हें आवश्यक एवं लाभप्रद व्यवसायिक माहौल बनाकर अपना व्यापार जमाने में मदद मिली।

अनुकूलन (एडाप्टबिलिटी) : बाजार की बदलती परिस्थितियों/गतिविज्ञान (चेंजिंग मार्केट डाइनैमिक्स) के प्रति मारवाड़ी सजग रहे। नई स्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढालने एवं नई तकनीकों या कार्यप्रणालियों को अपनाने में उन्होंने तत्परता दिखाई। निष्क्रियता या गतिहीनता से बचकर उन्होंने सदैव प्रासंगिक एवं प्रतियोगी बने रहने का प्रयास किया।

लचीलापन एवं अध्यवसाय : मारवाड़ियों ने चुनौतियों और असफलताओं से पार पाने की अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने बाधाओं के समक्ष लचीलापन दिखाया, अपनी असफताओं से शिक्षा ली और अपनी राह आगे बढ़ते गए। कठिनाइयों से हार मानना तो उनकी प्रकृति में था ही नहीं, व्यापार में रुकावटें आने पर भी वे दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य का पीछा करते रहे।

सामुदायिक समर्थन : मारवाड़ियों ने सामुदायिक समर्थन और परस्पर सहयोग की एक मिसाल कायम की। उन्होंने अपने समाज के लोगों का मार्गदर्शन तथा सहयोग किया, संसाधन एवं जानकारियाँ साझा की। 'एकता में बल है' की भावना के साथ उन्होंने कठिन समय में परस्पर सुरक्षा-कवच की भूमिका निभाई।

साख पर बल : व्यापार में 'साख बनाने' को मारवाड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण समझते थे और इस पर किसी भी हालत में आंच नहीं आने देते थे। हमारे यहाँ 'गुडविल' शब्द आने से बहुत पहले से 'साख' या 'नाम' जैसे शब्दों का न सिर्फ प्रचलन था, बल्कि इसे सम्मान की पराकाष्ठा समझा जाता था।

समरसता और प्रशासन का सहयोग : मारवाड़ी जहाँ रहते थे, वहाँ के लोगों के साथ घुल-मिल कर रहते थे। स्थानीय लोगों को अपने व्यापार और उद्योगों से लाभान्वित करने का प्रयास करते थे, वहाँ के सेवा कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेते थे और स्थानीय रीति-रिवाजों का पालन करते थे। जरूरत पड़ने पर वे राजा की भी आर्थिक मदद करते थे, इसी कारण कई मारवाड़ियों को नगर-सेठ की उपाधि दी जाती थी। ऐसे भी कई उदाहरण हैं कि मारवाड़ियों ने अपने प्रवास के राज्यहित में अपने व्यापार और संपत्ति की बलि दे दी।

इनके अतिरिक्त सुव्यवस्थित बही-खाते, ब्याज-गणना की अद्भुत व्यवस्था, पड़ता व्यवस्था, बदला व्यवस्था, हुंडी व्यवस्था, गद्दियों की व्यवस्था और उनका अनुशासन, संयुक्त परिवारों का प्रबंधन तथा बुजुर्गों और युवाओं के बीच कार्य-विभाजन, जीवनपर्यंत/स्थायी कार्यकारिणी, धार्मिक-सामाजिक-शैक्षणिक क्षेत्रों में अप्रतिम सेवाकार्य, शांतिपूर्ण ढंग से दमन/विरोध का प्रतिकार, पर्यावरण-चेतना, आदि, मारवाड़ियों के व्यापार-प्रबंधन एवं जीवनशैली की अनेकों विशिष्टताएँ हैं, जिनका समावेश इस संक्षिप्त आलेख में संभव नहीं।

हमारे अग्र पीढ़ियों ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अपने अथक परिश्रम, अध्यवसाय और व्यापार-कुशलता से अर्जित कर जो गौरव प्रद विरासत हमें सौंपी है, उसे संजोकर रखना और उसे आगे बढ़ाना न केवल हमारा कर्तव्य है, अपितु वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में, हमारे अस्तित्व-संरक्षण के लिए अपरिहार्य है। इसलिए यह परमावश्यक है कि हम अपने युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को इस संबंध में उत्प्रेरित करें – उन्हें उद्यमी बनाएँ! उनकी धमनियों में भी उद्यमियों का रक्त प्रवाहित है और वे निश्चित रूप से हमारे बुजुर्गों द्वारा स्थापित कीर्ति-पताका को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगे!

आलेख

सम्मेलन के बढ़ते कदम

– राज कुमार केडिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.
राँची, झारखंड

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने स्थापना काल से ही समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास रत रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे माननीय अध्यक्ष द्वारा इस संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में समाज की सेवा करने का सुअवसर दिया गया है। मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं अपनी अधिकतम योग्यता के अनुरूप दायित्व निर्वहन का हर सम्भव प्रयास कर रहा हूँ।

मेरे उत्तरदायित्व में तीन प्रांतों का प्रभार है :

क) झारखण्ड, ख) छत्तीसगढ़, ग) मध्यप्रदेश

झारखण्ड राज्य अपने स्थापना काल से ही काफी सक्रिय है। अभी भी यहां कई जगह नि:शुल्क या बहुत कम दर पर लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुझे गर्व है कि इस वर्ष झारखंड में सबसे ज्यादा नये सदस्य बनाये गये है।

पिछले महीने मध्यप्रदेश के कटनी शहर में नयी शाखा का गठन किया गया। मैं और राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेशजी जालान इस अवसर पर वहां उपस्थित थे। सदस्यों में अपार उत्साह था। वहाँ के पदाधिकारियों ने और भी नई शाखाएँ खोलने का हमें आश्वासन दिया है। नई शाखाएँ खुलेंगी तो स्वाभाविक है कि सदस्य संख्या भी बढ़ेगी।

जनवरी २०२४ के प्रथम सप्ताह में मेरा रायपुर (छत्तीसगढ़) का दौरा है। वहां पर भी नयी शाखाएं खोलने और नये सदस्य बनाने के लिये वहाँ के पदाधिकारियों को मैं प्रेरित करूँगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि संस्था है। पहले सम्मेलन मुख्यत: पूर्वांचल तक ही सीमित था पर पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण के सभी राज्यों एवं सिक्किम प्रांत में सम्मेलन की नई इकाइयों का गठन हो चुका है। अब देश में प्राय: सब जगह सम्मेलन की इकाइयां स्थापित हैं। जिन राज्यों में कतिपय कारणों से अभी हम नहीं पहुँच पाये हैं, वहाँ हमारा प्रयास जारी है। मुझे विश्वास है इसमें हम अवश्य सफल होंगे।

अपना समाज पहले केवल व्यापार तक ही सीमित था। अब हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज होने लगी है। प्रशासनिक सेवा में पहले हम बहुत पिछड़े हुये थे। अभी हर वर्ष दस प्रतिशत प्रार्थी अपने समाज से उतीर्ण होते हैं। हमें इस प्रयास को निरंतर आगे बढ़ाना है।

समाज में दिखावा और पाखंड बढ़ रहा है। नई-नई कुरीतियाँ भी पनप रही है। इससे समाज की बदनामी भी होती है और पैसों की होली भी होती है। सम्मेलन निराकरण के लिये सक्रिय है पर सम्मेलन की बात समाज के सभी सदस्यों तक नहीं पहुँच पाती है। इसकी शाखाओं एवं सदस्यों की संख्या के विस्तार की आवश्यकता है।

सदस्याओं के निराकरण के लिये सतत चिंतन व मनन जरूरी है।

२५ दिसंबर २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। यह हमारे लिए प्रेरणा दिवस भी है। आप सभी स्वस्थ एवं निरोगी रहें। हमारा समाज दिनों दिन उन्नति करता रहे। यही कामना है।

सावधान !

इन दिनों भिन्न-भिन्न तरीकों से रुपये ठगने का गलत धन्धा चल रहा है। उदाहरणस्वरूप आपके पास किसी का फोन आ सकता है, जिसमें आपके किसी परिचित का नाम और फोटो फोन करने वाले के स्थान पर हो सकता है। अपने को उस परिचित का पारिवारिक सदस्य बताकर मुसीबत में होने की वजह से पैसे मांग सकता है, या अन्य किसी तरीके से ठगने का प्रयास कर सकता है, कृपया किसी के चक्कर में न पड़ें तथा सावधान रहें। इसी तरह के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। कृपया सचेत रहें।

– अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

पश्चिम बंगाल के सदस्यों से अनुरोध

आमरी हॉस्पिटल्स (कोलकाता के तीन हॉस्पिटल्स एवं भुवनेश्वर के एक हॉस्पिटल) एवं ए.एम. मेडीकल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल के सभी सदस्यों के लिए विविध स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए साझेदारी की है, इस सुविधा के तहत सभी डे-केयर सर्जरी पर 15% की छूट एवं अन्य सर्जरी रियायती दरों पर होगी। इसके लिए आमरी हॉस्पिटल्स सम्मेलन के सदस्यों को एक 'प्रिविलेज कार्ड' दे रहा है। इसका लाभ पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा प्रांत के सम्मेलन सदस्य ले सकते हैं।

नोट : पश्चिम बंगाल के सदस्यों से निवेदन है कि अपना **'प्रिविलेज कार्ड'** सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से संग्रह कर लें।

आलेख

सर्वमान्य आचार-संहिता की जरूरत

– भानीराम सुरेका
निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस मनाने की तैयारी जोरों पर है। गुलाम भारत में बनी यह राष्ट्रीय संस्था आजाद भारत के अमृत महोत्सव का गवाह बन चुकी है एवं आगे का सफर जारी है।

किसी संस्था के दीर्घजीवी होने के मूल में उसकी नीति, सिद्धांत और जन-गण में उसकी उपादेयता का बड़ा अहम रोल होता है। सम्मेलन बहुत अधिक सक्रिय नहीं होते हुए भी प्रासंगिक हो तो अपनी शाश्वत अवधारणाओं एवं वैचारिक विमर्शों के बूते।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना काल से ही इसके नेतृत्व में ऐसे लोग रहे जिनका सामाजिक आधार व्यापक था, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ थी एवं समाज कल्याण का भाव सर्वोपरि था। उनका ध्येय समाज की कीमत पर अपना हित साधना नहीं था, बल्कि अपना तन-मन-धन देकर समाज का कल्याण करना था। वे सर्वधर्म समभाव एवं सामूहिकता के हिमायती थे। यही वजह था कि समाज उनका अनुसरण करता था। वैचारिक रूप से एक ऐसे समाज के पक्ष धर थे जिसमें आर्थिक असमानता होते हुए भी सबको जीने का समानाधिकार देना जरूरी था।

प्रवासी मारवाड़ी समाज द्वारा उस समय बनाए गए सामाजिक प्रतिष्ठानों को देखिए तो स्वतः ज्ञात हो जाएगा कि क्यों मारवाड़ी समाज सभी अन्य समाजों से अधिक सम्माननीय एवं सर्व स्वीकृत था। समय के साथ सब कुछ बदला है। लोगों का जीवन स्तर, पारिवारिकता, सामाजिकता एवं आय-व्यय की प्रवृत्ति भी। 'चट मंगनी पट ब्याह' की तरह सोचने भर से अमीर बनने का नुस्खा लोकप्रिय हो रहा है।

आज की हकीकत यह है कि पूरी दुनिया में सामाजिक संरचना तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार की अवधारणा को खत्म कर एकल या न्यूक्लियर फैमिली को महिमा मंडित करने की होड़ लगी है। सफलता अब सामूहिक नहीं व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में मान्य है। जिस परिवार और समाज के सहारे लोग सफलता की चोटी पर पहुँचते हैं उसका कहीं जिक्र तक करना गवारा नहीं करते। इस बिडंबनापूर्ण परिवर्तन ने सामाजिक संरचना को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आज मारवाड़ी समाज की युवा पीढ़ी दिशाहीन है। सफलता में उसकी पीठ थपथपाने वाले संकट को भांपते ही उससे किनारा कर ले रहे हैं। असहाय होकर आत्महत्या की घटनाएँ इसी की गवाही दे रही हैं। धन कमाने के जरियों पर भी गंभीर मंथन की जरूरत है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव एवं डिजिटल व्यापार की बढ़ती लोकप्रियता में कोई लाख कमा रहा है तो कोई लाख गंवा रहा है। नैतिकता और सामाजिक आचार-संहिता के अभाव में कहीं कोई सुनवाई नहीं है। 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

महिलाओं को लेकर भी चर्चा लाजिमी है क्योंकि वह आधी आबादी की प्रतिनिधि है। कई मायने में वह समाज की बनती - बिगड़ती छवि के लिए जिम्मेवार भी। शिक्षा और पेशागत दक्षता में महिलाओं ने पुरुषों की बराबरी कर ली है या उससे बेहतर साबित हो रही हैं पर सामाजिक उत्थान एवं संरचनात्मक बदलाव में उसकी भूमिका नकारात्मक है।

यह सच है कि मारवाड़ी वैश्विक सोच के समाजों में अग्रणी है, लेकिन शाश्वत सोच की संकीर्णता ने उसकी महत्ता पर कालिख पोतने का काम किया है। अर्जन के साथ विसर्जन का संतुलन रखकर भी उसे वह सम्मान प्राप्त नहीं है जिसका यह समाज हकदार है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय नेतृत्व को इस दिशा में गंभीरता से सोचने, इसके निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है ताकि विकृति की बलि चढ़ रहा समाज अपनी संस्कृति के प्रति संवेदनशील बने। सुखद समाचार यह है कि सम्मेलन के राष्ट्रीय नेतृत्व में युवाओं को आगे आने का अवसर दिया जा रहा है। जरूरत देश के विभिन्न प्रांतों में मारवाड़ी युवाओं को दिशा-निर्देश देकर उनकी प्रतिभा और उर्जा के समुचित उपयोग की है।

मुझे आशा है कि सम्मेलन का राष्ट्रीय नेतृत्व वैश्विक परिवर्तनों के समानांतर मारवाड़ी समाज को प्रतियोगी बनाने के उपायों पर एक संतुलित, सर्वमान्य और सार्वजनिक दिशा-निर्देश जारी करेगा जिसका अनुपालन सबके लिए बाध्यतामूलक होगा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, प्रखंडीय नेतृत्व को स्थापना दिवस की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ!

आप बदलें और बदले दृश्य सारा।
फिर फिदा होगा हमीं पर विश्व सारा।।

With Best Compliments From :

CONSUMER TRIBE™

Legal Services

Solve Your Consumer Grievances With us

Your Consumer Shield in the legal field
Book Your Free Consultation Today

Contact us : +91 983 149 9343

@consumertribe

AGI Group of Companies :

AGRAWAL GRAPHITE INDUSTRIES
MINES OWNERS & PRODUCERS OF NATURAL FLAKE GRAPHITE AND POWDERS

AGRAWAL GRAPHITE & CARBON PRODUCTS PRIVATE LIMITED
MANUFACTURERS OF CALCINED PETROLEUM COKE

AG SOLAR URJA UDYOG

SRIRAM PLANTATION & NURSERY

REGISTERED OFFICE
"SHANTIKUNJ", FARM ROAD
SAMBALPUR - 768002
ODISHA

PHONE- 0663-2400828, 2043251, 2403651
E-MAIL- pratyush_agi@hotmail.com
agcppl@hotmail.com
info@agsolarurja.com / agsolarurja@hotmail.com
www.agsolarurja.com

QUALITY IS OUR MOTTO

Sri Prabhas Chandra Agrawal , Sri Pramod Kumar Agrawal
Sri Pratyush Agrawal , Sri Pranjal Agrawal , Sri Ayush Agrawal

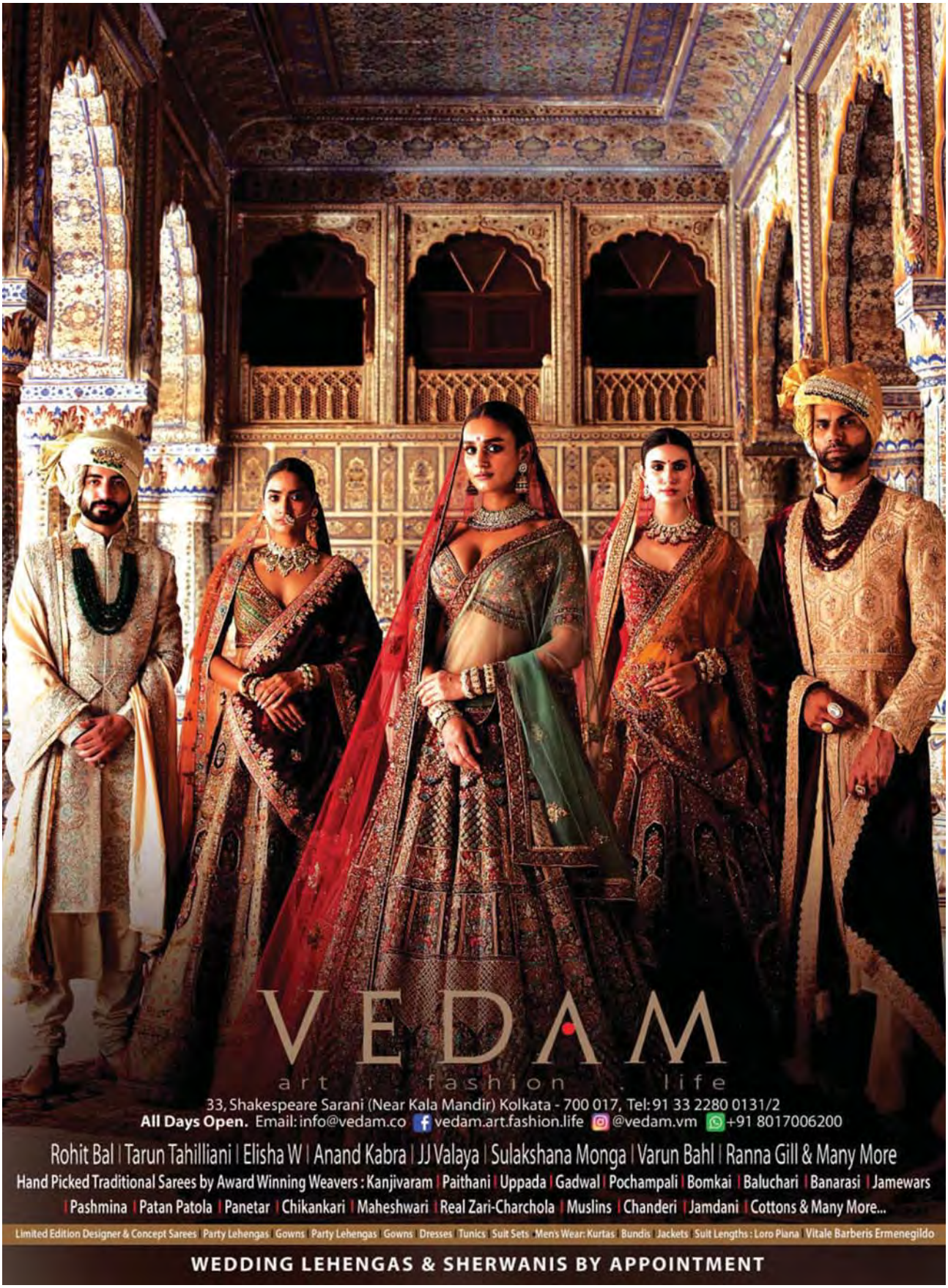

VEDAM
art . fashion . life
33, Shakespeare Sarani (Near Kala Mandir) Kolkata - 700 017, Tel: 91 33 2280 0131/2
All Days Open. Email: info@vedam.co vedam.art.fashion.life @vedam.vm +91 8017006200
Rohit Bal | Tarun Tahilliani | Elisha W | Anand Kabra | JJ Valaya | Sulakshana Monga | Varun Bahl | Ranna Gill & Many More
Hand Picked Traditional Sarees by Award Winning Weavers : Kanjivaram | Paithani | Uppada | Gadwal | Pochampali | Bomkai | Baluchari | Banarasi | Jamewars | Pashmina | Patan Patola | Panetar | Chikankari | Maheshwari | Real Zari-Charchola | Muslins | Chanderi | Jamdani | Cottons & Many More...
Limited Edition Designer & Concept Sarees | Party Lehengas | Gowns | Party Lehengas | Gowns | Dresses | Tunics | Suit Sets | Men's Wear: Kurtas | Bundis | Jackets | Suit Lengths : Loro Piana | Vitale Barberis Ermenegildo
WEDDING LEHENGAS & SHERWANIS BY APPOINTMENT

ग्राहकः देवो भव

Premsons Motor

NEW CAR SHOWROOMS

ARENA KANKE ROAD, RANCHI	-	Ph. 9308111111
ARENA BARIATU ROAD, RANCHI	-	Ph. 9308212121
NEXA MAIN ROAD, RANCHI	-	Ph. 9608800400
NEXA BARIATU ROAD, RANCHI	-	Ph. 9555047047
NEXA HAZARIBAGH CENTRAL	-	Ph. 9832383838
NEXA DEOGHAR CENTRAL	-	Ph. 9262991212
ARENA DALTONGANJ	-	Ph. 9304807309
ARENA GUMLA	-	Ph. 9304807323

RURAL OUTLETS

KHUNTI	-	Ph. 9304807329
SIMDEGA	-	Ph. 9304807323
GARHWA	-	Ph. 9386895721
ORMANJHI	-	Ph. 9304807329
LATEHAR	-	Ph. 9304807323
NAGAR UNTARI	-	P 9304807309

13 WORKSHOP ACROSS JHARKHAND

(Centralized Service Number 9098400400)

LOWER CHUTIA NAMKUM INDUSTRIAL ESTATE
TUPUDANA INDUSTRIAL HATIA
KOKAR INDUSTRIAL AREA
KANKE ROAD
BARIATU ROAD
HAZARIBAGH
DEOGHAR
DALTONGANJ
GARHWA
NAGAR UTARI
GUMLA
KHUNTI
SIMDEGA

TRUE VALUE (Pre-Owned Cars)

(We buy & sell cars of all brands & makes)

KANKE ROAD, RANCHI	-	Ph. 6209299910
BIRSA CHOWK, RANCHI	-	Ph. 7677177704
KOKAR CHOWK, RANCHI	-	Ph. 6203750004
PUNDAG, RANCHI	-	Ph. 9262899010
DALTONGANJ	-	Ph. 9031058123
HAZARIBAGH	-	Ph. 6203563788

PREMFORD by

Bridgeford & Premsons Skyline LLP

(Our Real Estate Joint Venture)

Premsons Earthmovers (Authorised JCB Dealership)

(A unit of Premsons Motor udyog Pvt. Ltd.

RANCHI	-	Ph. 6287242422
JAMSHEDPUR	-	Ph. 6287242425
KODERMA	-	Ph. 6287242454
DALTONGANJ	-	Ph. 6287242464
HAZARIBAGH	-	Ph. 6287242461

JCB

Premsons Energy

(A unit Of Premsons Motor Udyog Pvt. Ltd.)

RANCHI	-	Ph. 6287099823
JAMSHEDPUR	-	Ph. 9153983141

(Authorised Ather Dealership)

ATHER

A PREMSONS GROUP **CSR INITIATIVE**

BRANDED GENERIC MEDICINES

(GENERIC MEDICINE CHARITY SHOPS)

UPTO **85% DISCOUNT**

Ph. 7677807777

www.dawaidost.co.in

TATA STEEL
WeAlsoMakeTomorrow
TATA TISCON
JOY OF BUILDING
समझदार
बनें।
बेहतर
चुनें।
TATA TISCON
बेहतर ताक़त
550MPa ग्रेड स्टील
बेहतर लचक
उच्चतम UTS/YS अनुपात
बेहतर बचत
रीबार का कम इस्तेमाल
TATA
TISCON 550SD
CALL 1800 108 8282

wonder images

ISO 9001:2015 & 45001-2018 Certified Company

Wonder images PVT. LTD.

Wonder Images is an ISO 9001:2015 & 45001-2018 certified company with focus on printing for indoor and outdoor advertising, Signage & Store Branding with daily printing capacity of 100,000 sq.ft. Having HP XLJET 1500 for Back-to-Back print VUTEK 3360, GS3250LX PRO UV Hybrid Machine FUJI-UV 1600R & LATEX 700/335 including CNC Router / Laser

Back-lit-flex • Front-lit-flex • Building Wrap • One Way Vision • Self Adhesive Vinyl Vehicle / Fleet Graphics • Full setup of FABRIC Boxes • Floor And Wall Graphics Mesh, Tyvek, Yupo • Reflective Signage • Frosted Vinyl • Translite • Canvas Direct Print on ACP, Acrylic, Glass, WPC, Plywood and many other hard Surfaces.

Eastern India's **Largest** Indoor - Outdoor Printers.

inhouse production of Signage **ACP & ACRYLIC**

Fully automated **Signage** Installation process.

Billboard sites & **Unconventional** media space.

Contact Us:

Amit: 09830425990
Email: amit@wondergroup.in

टॉपलिंक हुंडई

TOPLINK HYUNDAI

टपलिंक ह्युन्डाई

TOPLINK HYUNDAI

Hyundai Platinum Club Dealer

• Best Dealer CTB Sales at DDC • Best Dealer KPI Award (East Zone)

Think Hyundai

Wide range of options Available at Toplink Hyundai with EV facility.

OUR PRESENCE

SALAP	-	NH - 6 Bombay Road, Domjur, JL-52 (Near Reliance Tower), Howrah - 711409
FORESHORE ROAD	-	109, Foreshore Road, Howrah - 711102
FORESHORE ROAD SERVICE	-	99, Foreshore Road, Near Shibpur Launch Ghat, Howrah - 711102
BAGNAN	-	Vill : Khadinan, P.O. - Bagnan (Near Library More),Howrah - 711303

90070 13603

Only Platinum Club Dealership in Greater Kolkata

• Best Dealer CTB Sales at DDC • Best Dealer KPI Award (East Zone)

HYUNDAI

SALAP — Sales : 9693131123 | Service : 6204800401

BAGNAN — Sales : 8100727076 | Service : 8100727077

FORESHORE RD. — Sales : 9230999742 | Service : 9230999735

HYUNDAI PROMISE (Pre-Owned Car) — Salap & Foreshore Rd. : 8102926944 / 92309 14875

Special Price Offer*
CSD and GeM
8102926927

THE SINGHANIA GROUP
we connect you with happiness

Visit Us : www.thesinghaniagroup.com

With Best Compliments from :

M/s. R. V. Products Pvt. Ltd.

(Manufacturer of Railway Switches & Crossing, Channel Sleepers)

Regd. Office:

`NICCO HOUSE`, (3rd Floor)
2, Hare Street
Kolkata – 700 001
Tel : 033 – 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 – 2248 1877
Email : sales@jekay.com, rvrail@jekay.com
Website: www.jekay.com

Factory :

Plot No. 2 & 1,
Ring Road No. -2
Gondwara Indsutrial Area
Raipur – 493 221, (C.G.)
Tel : 0771 - 4039905

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

महामंत्री का प्रतिवेदन

– कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सम्मानीय राज्यमंत्री, वित्त (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य, मुख्य अतिथि डॉ. देवेंद्र राज मेहता, उद्घाटनकर्ता श्री राधेश्याम गोयनका, विशिष्ट अतिथि श्री ईश्वर चंद्र अग्रवाल, चेयरमैन स्वागत समिति श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, सम्मानित अतिथिगण, सम्मेलन के पदाधिकारी/सदस्यगण, उपस्थित देवियों एवं सज्जनों!

१) गत १३-१४ मई २०२३ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का **२७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन** गुवाहाटी, असम, एम. एस. रोड स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य और गुवाहाटी शाखा के सौजन्य में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया। दूसरे सत्र में 'संस्कार हमारी विरासत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका जी की अनुपस्थिति में मैंने सम्मेलन सत्र २०२०-२३ का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्री, माननीय अशोक सिंहल की उपस्थिति से मंच गौरवान्वित हुआ। श्री अशोक सिंहल की उपस्थिति में सम्मेलन का 'भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार' रांची के प्रवीण समाजसेवी श्री पदम चंद जैन को तिलक, माला, श्रीफल, शाल, पगड़ी, मानपत्र, चेक राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा प्रदान करते हुए अभिनंदन किया गया। श्री अशोक सिंहल ने राष्ट्रीय सम्मेलन की निर्देशिका एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय सम्मेलन द्वारा २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में प्रकाशित स्मारिका 'मंथन' का विमोचन किया। नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया को पदभार हस्तांतरित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने पुष्पहार पहनाकर दायित्व सौंपा तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद को ग्रहण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने अपने उद्बोधन के बाद राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में मेरे मनोनयन की घोषणा करते हुए मुझे मंचाशीन करवाया।

२) ३० मई २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने नए सत्र २०२३-२५ के निम्नवत **राष्ट्रीय पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा** की :

उपाध्यक्षगण - श्री दिनेश जैन (कोलकाता), श्री राजकुमार केडिया (बिहार), श्री निर्मल झुनझुनवाला (बिहार), श्री रंजीत जालान (उत्तराखंड), श्री मधुसूदन सीकरिया (पूर्वोत्तर) एवं डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक)।

संयुक्त महामंत्री - श्री पवन जालान (कोलकाता) एवं श्री संजय गोयनका (कोलकाता)।

संगठन मंत्री - श्री महेश जालान (बिहार)।

कोषाध्यक्ष - श्री केदारनाथ गुप्ता (कोलकाता)।

३) २२ मई २०२३ को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सर्व-सम्मति से श्री रमाकांत सर्राफ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। श्री सीताराम अग्रवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री शिवकुमार टेकड़ीवाल को महामंत्री (सत्र २०२३-२५) के लिए नियुक्त किया गया।

४) ४ जून २०२३ को सुबह ११ बजे जूम पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के **नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की प्रथम बैठक** सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। इस बैठक में समाज-सुधार के दो प्रस्तावों सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई।

५) ७ जून २०२३ को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने **पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस** को सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा में आर्थिक अनुदान, रोजगार दिलवाने, मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास हेतु बहुविध प्रयास, आपदा में बचाव एवं राहत कार्य, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हितार्थ किए जा रहे प्रयासों और कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। महामहिम के साथ भेंटवार्ता में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान शामिल थे।

६) २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर सिक्किम प्रांत में सम्मेलन की इकाई के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ करने की सूचना दी गई। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा जी के विशेष प्रयास से सिक्किम प्रांत में सम्मेलन की इकाई के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। १२ जून २०२३ को सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान ने गंगटोक का दौरा किया। श्री पवन जालान की उपस्थिति में एक सभा आयोजित हुई, जिसमें श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल जी को संस्थापक अध्यक्ष चुना गया। सर्वसम्मति से श्री सुरेश कुमार अग्रवाल जी को महामंत्री एवं श्री ओम प्रकाश थिरानी जी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

७) १९-२० जून २०२३ को ओड़िसा प्रांत की कटक शाखा द्वारा **रथयात्रा पर पुरी में आयोजित २ दिवसीय सेवा शिविर** में भाग लेने हेतु कटक शाखा पदाधिकारियों के विशेष निमंत्रण पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी पहुँचकर भाग लिया।

८) २९ जून २०२३ (गुरुवार) को शाम ७ बजे जूम पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी के अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों को प्रांतीय अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से आगे बढ़ाने की अपील की गई।

९) ४ अप्रैल २०२३ को केंद्रीय सम्मेलन के संविधान की धारा ८(३) के अनुसार पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के लंबित चुनाव करवाने हेतु एक तदर्थ समिति गठित की गई थी। इस तदर्थ

समिति का अधिकतम तीन माह का कार्यकाल ३ जुलाई २०२३ को पूर्ण हो गया। अतः यह तदर्थ समिति संवैधानिक रूप से स्वतः भंग हो गई है।

१०) ०९ जुलाई २०२३ को सम्मेलन की 'अखिल भारतीय समिति' की बैठक का आयोजन हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता में आयोजित किया गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने डिजिटलीकरण पर हो रहे कार्यों एवं भविष्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी, राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ प्रत्येक महीने बैठक करने की अपनी इच्छा जताई, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुजुर्गों की सेवा और पर्यावरण पर किए जा रहे पहल, अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय के लिए 'समरसता समिति' के गठन आदि के बारे में विस्तार से विवरण दिया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के गठन और सम्मेलन के बैंक खातों एवं नए सेविंग अकाउंट खोलने और संचालन हेतु आवश्यक कदम उठाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

११) ०९ जुलाई २०२३ को 'अखिल भारतीय समिति' की बैठक के बाद राष्ट्रीय कार्यालय में 'आज की बोधशाला' नाम से एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ श्री प्रमोद मालू ने सोशल मीडिया से जुड़े महत्वपूर्ण कौशल से सम्मेलन के सदस्यों को प्रशिक्षित किया। तत्पश्चात प्रख्यात ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर श्री अनिल जाजोदिया ने प्रशिक्षण दिया।

१२) २० जुलाई २०२३ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत गैरकानूनी, अनैतिक और असंवैधानिक चुनाव प्रक्रिया में सहायक रहे श्री किशन कुमार किल्ला, श्री पंकज कुमार केडिया तथा श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया को सम्मेलन की राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तर की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। इन्होंने सम्मेलन के संविधान के प्रावधानों का खुलेआम उल्लंघन किया था।

१३) २६ जुलाई २०२३ को अखिल भारतीय समिति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिले अधिकार के अनुसार श्री शिव कुमार लोहिया ने वर्तमान सत्र हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया और २६ जुलाई २०२३ को नए मनोनीत सदस्यों को मनोनयन पत्र भेजा गया।

१४) ०१ अगस्त २०२३ को **'संबलपुर दिवस'** के अवसर पर उत्कल प्रांतीय अध्यक्ष के आमंत्रण पर राष्ट्रीय महामंत्री, मैंने एक दिवसीय दौरा किया तथा संगठन सहित सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

१५) ८ अगस्त २०२३ को मैंने पश्चिम बंग प्रादेशिक शाखाओं का दौरा किया। दुर्गापुर पश्चिम शाखा एवं बांकुड़ा शाखा के सदस्यों ने रोष एवं दुख प्रकट करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों से तीन निष्कासित सदस्यों द्वारा पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से जो अवैध गतिविधियें प्रसारित/प्रचारित की जा रही हैं वह विधि विरुद्ध व अशिष्ट है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यवाही का दुर्गापुर पश्चिम शाखा एवं बांकुड़ा शाखा ने पुरजोर समर्थन किया। दौरे के दौरान मेरे साथ राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान एवं श्री विश्वनाथ भुवालका भी उपस्थित थे।

१६) १२ अगस्त २०२३ को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं मैंने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री राजेश बिंदल के कोलकाता आगमन पर पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी और दुपट्टा पहनाकर उनका अभिवादन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने न्यायमूर्ति श्री बिंदल के साथ सामाजिक विषयों पर चर्चा की एवं उन्हें बताया कि सत्र २०२३-२५ के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का नारा है 'आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज"। न्यायमूर्ति श्री बिंदल ने सम्मेलन की गतिविधियों में रुचि दिखाई एवं सराहना की।

१७) १३ अगस्त २०२३ को असम के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया के कोलकाता आगमन पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दुपट्टा पहनाकर उनका अभिवादन किया। महामहिम राज्यपाल महोदय ने श्री लोहिया एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों खासकर सम्मेलन एवं समाज से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल के साथ भेंटवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री मैं, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान एवं श्री संजय गोयनका और श्री अरुण मल्लावत शामिल थे।

१८) १५ अगस्त २०२३ को राष्ट्र के ७७वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कोलकाता स्थित केंद्रीय कार्यालय भवन के परिसर में झंडोत्तोलन किया।

१९) १७ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने श्री गोपी राम धुवालिया के चेयरमैनशिप में नई तदर्थ समिति का गठन पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नए अध्यक्ष का चुनाव एवं अधिवेशन करवाने के लिए किया। नई तदर्थ समिति के संयोजक श्री संजय भरतिया, सदस्यगण में श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री राजीव खंडेलवाल, श्री प्रदीप कुमार सितानी, श्री पवन कुमार बंसल, श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान हैं।

२०) १९ अगस्त २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन के सिक्किम प्रांत का विधिवत गठन हुआ। गंगटोक में आयोजित समारोह में प्रांत के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल एवं पदाधिकारियों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

२१) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया द्वारा वर्तमान सत्र हेतु विभिन्न उपसमितियों का गठन किया गया जिनका विवरण निम्न है –

उपसमिति	चेयरमैन	उपसमिति	चेयरमैन
१. सलाहकार उपसमिति	श्री सीताराम शर्मा	२. भवन निर्माण उपसमिति सलाहकार उपसमिति सलाहकार उपसमिति	श्री संतोष सरीफ
३. संविधान उपसमिति	श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	४. विधिक उपसमिति	श्री प्रदीप जीवराजका
५. वित्तीय उपसमिति	श्री आत्माराम सोंथलिया	६. सूचना तकनीकी एवं वेबसाइट उपसमिति	श्री अजय कुमार अग्रवाल
७. उच्चशिक्षा उपसमिति	श्री हरि प्रसाद कानोडिया	८. समाज-सुधार, समरसता उपसमिति	श्री पवन कुमार गोयनका
९. संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति	श्री संदीप गर्ग	१०. रोजगार सहायता उपसमिति	श्री दिनेश कुमार जैन
११. महापंचायत उपसमिति	श्री राम अवतार पोद्दार	१२. मायड़ भाषा उपसमिति	श्री रतन लाल साह
१३. राजनीतिक चेतना	श्री नंदलाल सिंघानिया	१४. समाज विकास उपसमिति	श्री शिव कुमार लोहिया
१५. स्वास्थ्य उपसमिति	श्री अनिल कुमार मल्लावत	१६. पुरस्कार चयन उपसमिति	श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
१७. सेमिनार उपसमिति	श्री नरेन्द्र कुमार तुलस्यान	१८. निर्देशिका सह जनसंपर्क उपसमिति	श्री संजय हरलालका
१९. अनुशासन उपसमिति	श्री आत्माराम सोंथलिया		

२२) २६ अगस्त २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पटना स्थित माँ वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा संचालित पटना में

खुले बिहार के पहले गैर वाणिज्यिक माँ ब्लड सेंटर का दौरा किया।

२३) २६ अगस्त २०२३ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, मैं एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान का पाटलिपुत्र के श्री गुरु गोविंद सिंह की जन्म स्थली सिखों के दसवें गुरु तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के गुरुद्वारा में भव्य स्वागत, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री जगजोत सिंह एवं पटना सिटी शाखा पदाधिकारी एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। गुरुद्वारा कमेटी ने सभी को सरोफा भेंटकर सम्मानित किया।

२४) २७ अगस्त २०२३ को पटना स्थित राधादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री बालाजी नेत्रालय में दो अत्याधुनिक आँख जाँच मशीन का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं बिहार मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

२५) २७ अगस्त २०२३ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य एवं पटना सिटी शाखा के सौजन्य में बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सभागार, पटना में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सत्र २०२३-२५ की प्रथम बैठक हुई।

२६) २७ अगस्त २०२३ को सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से एस. वी. एस. मारवाड़ी अस्पताल (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें (१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का ८० प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष २० प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

२७) ३० अगस्त २०२३ को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीरा बथवाल एवं अन्य बहनों द्वारा भेजी गई राखी राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने बँधवाकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया।

२८) १६ सितंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री अनिल कुमार मल्लावत ने की।

२९) ०७ सितंबर २०२३ को आमरी हॉस्पिटल्स (कोलकाता के तीन हॉस्पिटल्स एवं भुवनेश्वर के एक हॉस्पिटल) एवं ए.एम. मेडीकल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर सभी सदस्यों के लिए विविध स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए साझेदारी की है, इस सुविधा के तहत सभी डे-केयर सर्जरी पर १५ प्रतिशत की छूट एवं अन्य सर्जरी रियायती दरों पर देगा। इसके लिए आमरी हॉस्पिटल्स सम्मेलन के सदस्यों को एक 'प्रिविलेज कार्ड' दे रहा है। इसका लाभ पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा प्रांत के सम्मेलन सदस्य ले सकते हैं।

३०) १६ सितंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **'स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली'** विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। इस मौके पर आमरी हॉस्पिटल्स द्वारा सम्मेलन के सदस्यों को 'प्रिविलेज कार्ड' प्रदान किया गया।

३१) २४ सितंबर २०२३ को केंद्रिय सम्मेलन सभागार, कोलकाता में आयोजित वार्षिक साधारण सभा की सत्र २०२२-२३ की बैठक हुई।

३२) २४ सितंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में संविधान उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संविधान उपसमिति के चेयरमैन श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया।

३३) २५ सितंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में पुरस्कार उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुरस्कार उपसमिति के चेयरमैन पद्म श्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने किया।

३४) २६ सितंबर २०२३ को सम्मेलन का ८ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम को पुष्पगुच्छ, ममेंटो और पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी भेंटकर उनका अभिवादन किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने सम्मेलन के विषय में उनको जानकारी दी, इसके साथ ही २५ दिसंबर २०२३ को सम्मेलन अपनी ८९वें स्थापना दिवस समारोह के लिए उन्हें सादर निमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महामंत्री मैं, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया शामिल थे।

३५) ४ अक्तूबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में 'मायड भाषा उपसमिति' की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मायड भाषा उपसमिति के चेयरमैन श्री रतन लाल साह ने किया।

३६) ५ अक्तूबर २०२३ को सम्मेलन की 'सूचना तकनीकी एवं वेबसाइट उपसमिति' की बैठक शाम ५ बजे केंद्रीय कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सूचना तकनीकी एवं वेबसाइट उपसमिति के चेयरमैन श्री अजय कुमार अग्रवाल ने किया।

३७) ६ अक्तूबर २०२३ को श्री गोपी राम धुवालिया के चेयरमैनशिप में नई तदर्थ समिति ने चुनाव संपन्न करवाकर पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ के निर्वाचित अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल के नाम की घोषणा की।

३८) ७ अक्तूबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में 'समाज विकास उपसमिति' की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज विकास उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने किया।

३९) १३ अक्तूबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **'सामाजिक परिवर्तन और आज की चुनौतियाँ'** विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। प्रबुद्ध चिंतक एवं साहित्यकार प्रधान वक्ता डॉ. अलका सरावगी ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

४०) १६ अक्तूबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में 'संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति' की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री संदीप गर्ग ने किया।

४०) ४ नवंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में स्थायी समिति की प्रथम की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने किया।

४०) ४ नवंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन कुमार गोयनका ने किया।

४१) ७ नवंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **विधिक उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधिक उपसमिति के चेयरमैन श्री प्रदीप जीवराजका ने किया।

४१) १८ नवंबर २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में **दीपावली प्रीति मिलन समारोह** का आयोजन बालीगंज के हल्दीराम बैंक्वेट में किया गया।

४०) २५ नवंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक** आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया ने किया।

३९) २ दिसंबर २०२३ को सम्मेलन सभागार में **'बात का चालणां'** विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। साहित्यकार एवं वैचारिका पत्रिका के संपादक प्रधान वक्ता डॉ. बाबूलाल शर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

४६) संगठन विस्तार : १४ मई २०२३ से शुरु हुए राष्ट्रीय सम्मेलन के नए सत्र २०२३-२५ में अब तक ४ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, ५ संरक्षक सदस्य, १०९२ आजीवन सदस्य एवं १ विशिष्ट सदस्य यानी कुल ११०२ नए सदस्य बनें।

४७) रोजगार-सहायता : २९ नवंबर २०२३ को प्राप्त सूचना के अनुसार, अब तक २८५ युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

४८) उच्च शिक्षा कोष : २३ अगस्त २०२३ को प्राप्त सूचना के अनुसार, उच्च शिक्षा कोष से अब तक देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को ३ करोड़ ६१ लाख ९५ हजार रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। मौजूदा वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में अब तक ६ लाख २४ हजार रुपये की राशि आवंटित की जा चुकी है। अब तक १३१ छात्र-छात्राओं ने जिन पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान लिया था, वे अपने पाठ्यक्रम पूरे कर चुके हैं और १४ छात्र-छात्राओं का पाठ्यक्रम अभी चल रहा है।

४९) डिजिटलीकरण पर चर्चा

१) प्रत्येक माह 'समाज विकास' प्रत्येक सदस्य अपने फोन पर प्राप्त कर रहे हैं।
२) सदस्यगण अपने सदस्यता की जानकारी में किसी भी भूल का संशोधन पंजीकृत मोबाइल में आए ओटीपी के माध्यम से स्वयं ही कर पा रहे हैं।
३) वैवाहिक, व्यापारिक एवं नौकरी संबंधी पेज भी वेबसाइट में जुड़ गया है।
४) सम्मेलन में उपलब्ध पुस्तकों का वेबसाइट पर प्रकाशन हो रहा है।
५) सदस्यों को जन्मदिन पर स्वचालित शुभकामना संदेश का संप्रेषण हो रहा है।
६) फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पेज के माध्यम से समाज-बंधुओं तक सम्मेलन की पहुँच।
७) **SMS** के माध्यम से सम्मेलन की सूचनाओं का प्रत्येक सदस्य को त्वरित संप्रेषण।
८) **'AIMF एप्प'** प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

५०) भावी कार्यक्रम

१) मायड भाषा का प्रचार-प्रसार।
२) सभी घटकों के साथ मिलकर 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज' की परिकल्पना को साकार करना।
३) संगठन विस्तार : पंजाब एवं हिमाचल में प्रादेशिक शाखाओं की स्थापना, प्रदेशों में लंबित चुनाव करवाना, निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय करना, नई शाखा खोलना, सदस्यों की संख्या अधिकाधिक बढ़ाना।
४) पर्यावरण संरक्षण : स्वयं के आचरण में पालन करना, पेड़ लगाना।
५) समाज-सुधार : राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित किए गए प्रस्ताव के प्रचार, प्रसार एवं लागू करने के लिए सतत प्रयास करना।
६) संस्कार, संस्कृति चेतना का कार्यक्रम करना।
७) कोलकाता में भवन निर्माण शुरू करने हेतु प्रयास करने को गति प्रदान करना।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

१. सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाडोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाडोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

२. **आमरी हॉस्पिटल्स** (कोलकाता के तीन हॉस्पिटल्स एवं भुवनेश्वर के एक हॉस्पिटल) एवं ए.एम. मेडीकल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर सभी सदस्यों के लिए विविध स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर के लिए साझेदारी की है, इस सुविधा के तहत सभी डे-केयर सर्जरी पर 15% की छूट एवं अन्य सर्जरी रियायती दरों पर होगी। इसके लिए आमरी हॉस्पिटल्स सम्मेलन के सदस्यों को एक 'प्रिविलेज कार्ड' दे रहा है। इसका लाभ पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा प्रांत के सम्मेलन सदस्य ले सकते हैं।

नोट : सदस्यों से निवेदन है कि अपना **'प्रिविलेज कार्ड'** सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से संग्रह कर लें।

With Best Compliments From :

ISO 9001:2015

IAF

REFRAMET

✻ IMPORTERS ✻ EXPORTERS ✻ INDENTORS ✻ STOCKISTS FOR ALL KINDS OF :

Ferro Alloys :

Ferro Silicon, Ferro Manganese (HC, LC, And MC), Silico Manganese (HC, LC), Ferro Chrome. (HC, LC), Ferro Molybdenum, Ferro Vanadium, Ferro Silico Calcium, Ferro Phosphorous, Ferro Boron

Refractories Raw Material :

Silicon Carbide , Brown Fused Alumina, DBM , Graphite Flakes, Calcined Bauxite etc.

Foundry Raw Materials & Minerals :

Lime Stone (Low Silica), Bentonite, Iron Ore, Flourspar, Graphite Electrode (HP/UHP), Graphite Powder, Graphite Granules.

Other Products Offer :

COAL & COKE, CEMENT

OFFICE :

98, CHRISTOPHER ROAD, B-2/6TH FLOOR/U-4, KOLKATA – 700 046

PHONE NO. : +91 – 33 – 4066-8023

MOBILE NO. : 7003817613 / 6289126412

E-MAIL : reframet@yahoo.com

With Best Compliments From :

C. L. Sarawgi

SAVERA SAREES PVT. LTD.

95, Park Street, Kolkata - 700 016

Phone : 2226-2326, 2226-1695

Telefax : +91 33 2226-1695

E-mail : saverasarees@sify.com

With Best Compliments From :

KVQA

NORSK AKKREDITERING MSYS 007

NS-EN ISO 9001:2008/ISO 9001:2008

KEYAL GROUP

M/S HINDUSTAN PRODUCE COMPANY

• IMPORTERS • EXPORTERS • INDENTORS • STOCKISTS FOR ALL KINDS OF:

FERRO ALLOYS	:	Ferro Silicon, Ferro Manganese (H/C, L/C, M/C), Silico Manganese (HC, LC), Ferro Chrome. (HC, LC), Ferro Molybdenum, Ferro Vanadium, Ferro Silico Calcium, Ferro Phosphorous, Ferro Boron & Graphite Electrode.
REFRACTORIES	:	All Kinds of Basic Lining Refractories and Monolithics.
Foundry Raw	:	Lime Stone (Low Silica), Bentonite, Iron Ore, Materials & Minerals Flourspar.
OTHER PRODUCTS	:	Coal & Coke, Hdpe Bags, Cement. Graphite Powder, Graphite Flakes, Calcined Bauxite, and other refractory raw materials.
OFFICE	:	98, Christopher Road , Building No. B-2 3rd Floor , Flat No. 04, Kolkata -700 046
TELEPHONE NO.	:	+91-33-2329-0828
MOBILE NO.	:	+91-94330-46939 (PIYUSH KEYAL) +91-98369-86000 (PUNEET KEYAL)
E-MAIL ADDRESS	:	hindproco@gmail.com
WEB SITE	:	www.hindustanproduceco.com

Best wishes from:

OMAHA FINANCIAL SERVICES PVT. LTD.

One stop Solution for your
Investment and Insurance needs!

MUTUAL FUNDS | EQUITY | INSURANCE | PMS

Suryadeep Building, 1/1E/6, Rani
Harshamukhi Road, Kolkata - 700002

Mob.: 9830916100 | Email: info@omaha.org
Website: www.omaha.org

सम्मेलन के नए सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते हुए श्री शिव कुमार लोहिया जी

१४ मई २०२३ को गुवाहाटी में आयोजित अ.भ.मा.स. के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि श्री अशोक सिंहल जी (आवास और शहरी मामलों एवं सिंचाई मंत्री, असम सरकार) में राष्ट्रीय सम्मेलन की निर्देशिका (२०२०-२३) का विमोचन किया। चित्र में परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री कैलाश चंद काबरा, संतोष सराफ, शिव कुमार लोहिया, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, अशोक धानुका, संजय हरलालका, डॉ. श्याम सुंदर हरलालका एवं कैलाशपति तोदी।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी द्वारा विशिष्ट कार्यकर्ता, सहयोगी, पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी, प्रदेशों के अध्यक्ष तथा महामंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अद्यक्ष एवं महामंत्री का सम्मान किया गया।

पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

MADGUL
antaraa
BHALO-BASHA
From ₹30.42 Lacs*
Conditions apply
2 / 3 / 4 BHK
Steps away from the upcoming Joka Metro on D.H. Road
CLUB PRANA
Exclusive Resident's Club
Gymnasium with Steam Bath
Swimming Pool
Designer Rooftop
Library / Lounge
Landscaped Garden with Waterbody
Cozy Home Theatre
Space for Creche
Double Height Air-conditioned Community Hall
Indoor / Outdoor Games
Low Maintenance
Developed by
RUNGTA GROUP
Creating Infrastructure
Preferred Marketing Agent
NK REALTORS
Member of
CREDAI
Project approved by
HDFC HOME LOANS
AXIS BANK
LICHFL
ICICI Bank
SBI
40401010
66201010
www.antaraa.com
Visit Website
Visit Virtual Walkthrough
adva

अखिल भारतीय समिति के नए सत्र (२०२३-२५) की प्रथम बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया व सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नए सत्र के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी।

७६वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन ने आजादी महोत्सव मनाया।

नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (२०२३-२५) की पहली बैठक बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में हुई।

असम के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट।

BDG GROUP

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
89वा स्थापना दिवस पर BDG की तरफ से
रमेश - आलोक गोयल की हार्दिक शुभकामनाएं

Our Founder

Samaj Bhushan
Late Bishan Dayal Goyal

BDG

LOTUS TMT BAR
MEDICAL BUS

One Year Glorious Journey

Patients : **41600**
Camps : **247**
Travelled : **13000 KMs**
Covered : **4 States**
West Bengal • Assam
Meghalaya • Arunachal Pradesh

MEDICAL FACILITIES IN BUS:

- Eye Testing & Treatment
- Electrocardiogram (E.C.G.)
- Dental Testing & Treatment
- Pathological Laboratory
- General O.P.D
- X-Ray

Ramesh Chand Goyal	Alok Goyal	Sumit Bhatt
Chairman	Managing Director	Honorary Secretary
BDG Group	BDG Group	BDG RGSS

Medical Support by:
Anandalok Hospital

Operated & Supervised by:
BDG Ramesh Goyal Seva Sansthan

बिना मूल्य चिकित्सा
अब आपका दरवाजे पर

Any social society or activitist want to organise **Free Medical Camp**
please contact: **lotusmedicalbus@goyalgroup.net.in | +91 98304 01010**

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट।

वार्षिक साधारण सभा की बैठक शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

TITAGARH
RAIL SYSTEMS LIMITED

#MOBILITYFORBILLIONS

PASSENGER ROLLING STOCK

FREIGHT ROLLING STOCK

Compliments from "Titagarh Rail Systems Limited"

Corporate Office: Titagarh Towers, 756 Anandpur, Kolkata 700107, WB,India
Mail: corp@titagarh.in
P: +91 33 40190800 | F: +91 33 40190826

Registered Office: Poddar Point, 10th Floor, 113 Park Street, Kolkata-700016, India
Mail: regd@titagarh.in

www.titagarh.in

सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुआ।

आमरी हॉस्पिटल्स की सुप्रसिद्ध डॉ. राखी सान्याल का सम्मेलन द्वारा सम्मान।

सम्मेलन सदस्यों के लिए प्रिविलेज कार्ड का शुभारंभ।

प्रबुद्ध चिंतक एवं साहित्यकार प्रधान वक्ता डॉ. अलका सरावगी ने 'सामाजिक परिवर्तन और आज की चुनौतियाँ' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित किया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री राजेश बिंदल से मिले पदाधिकारी।

FLOORMATE®

VINYL LOOP MAT

A Step Ahead...!

PREMIUM QUALITY, ELEGANT AND DURABLE PVC MATS

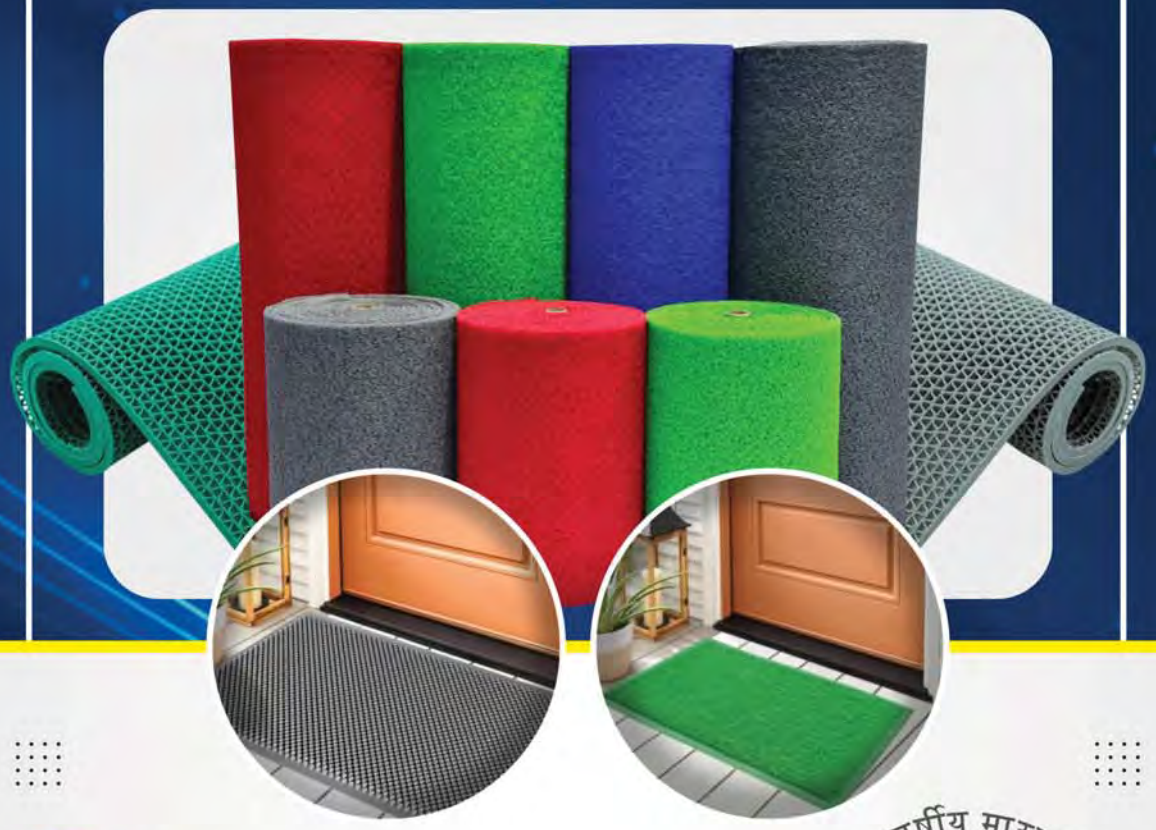

RAINBOW Manufactured by.:

RAINBOW PACKAGING INDUSTRIES

Plot No.-94L, Sector-6A, IIE, SIIDCUL, Haridwar
249403, Utarakhand, (India)

FOR TRADE ENQUIRY

+91-78936 02266, +91-97600 44177

navneet@therainbowcolors.com,
amit@therainbowcolors.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

89वाँ
स्थापना दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं

रंजीत कुमार जालान
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

मारवाड़ी व्यापार सहयोग प्रकोष्ठ की बैठक को सुप्रसिद्ध उद्योगपति व्यवसायी श्री जुगल किशोर जाजोदिया ने संबोधित किया।

वैचारिक पत्रिका के संपादक डॉ. बाबूलाल शर्मा ने 'बात का चालणां' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित किया।

व्यापार सहयोग की दूसरी बैठक को सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री अमित कुमार सरावगी ने संबोधित किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी का जमशेदपुर दौरा।

DTC
COMMIT DELIVER GROW

GROUP

REAL ESTATE

MINING

LOGISTICS

Head Office:
1, Netaji Subhas Road, B.B.D. Bagh,
Kolkata, West Bengal 700001

Real Estate Division
Mallik House, 3rd Floor, 7 Hare Street,
Kolkata – 700001

SATYANARAYAN JALAN

DTC
COMMIT DELIVER GROW

GROUP

REAL ESTATE

MINING

LOGISTICS

Head Office:
1, Netaji Subhas Road, B.B.D. Bagh,
Kolkata, West Bengal 700001

Real Estate Division
Mallik House, 3rd Floor, 7 Hare Street,
Kolkata – 700001

SATYANARAYAN JALAN

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

DOLLAR
THERMALS
ULTRA
THAND KA WEAPON
| www.dollarglobal.in | By Online: www.dollarshoppe.in | Also available at Flipkart snapdeal amazon Myntra AJIO
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBO across india | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

दान या सौदा

– ईश्वर चंद अगरवाला
सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी

मारवाड़ी समाज की अनेकों विशेषताएँ हैं। उनमें से एक प्रमुख है दान देने की प्रवृत्ति। भारत के प्राय: सभी प्रमुख तीर्थ क्षेत्र में समाज द्वारा निर्मित तीर्थयात्रियों के लिए धर्मशालाएँ, विश्राम-स्थल देखने को मिलते हैं। इसके अलावा छोटे-बड़े शहरों में मंदिर, विद्यालय, अस्पताल आदि जन-सुविधा के लिए समाज-बंधुओं ने निर्मित किए हैं।

हिंदू धर्म में दान का बहुत महत्व बताया गया है। मुख्य दान होते हैं – अन्नदान, वस्त्रदान, औषधिदान, ज्ञानदान। वेद एवं पुराणों में दान के महत्व का वर्णन किया गया है। दान से इंद्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियाँ खुलती हैं, जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है।

गीता के अनुसार दान तीन प्रकार का होता है। जो दान कुपात्र व्यसनी को या अनादरपूर्वक या दिखावे के लिए दिया जाय वह अधम। जो बदले में कोई लाभ लेने या यश की आशा से, कष्ट से भी दिया जाय वह दान मध्यम होता है। जो दान कर्तव्य समझकर बिना किसी अहं भाव के नि:स्वार्थ भाव से दिया जाय वही उत्तम श्रेणी का दान होता है। आजकल जीवन व्यस्त एवं सोच संकुचित हो रहा है। मनुष्य स्वकेंद्रित होता जा रहा है। इस कारण हम दूसरों की मदद से कतराते हैं। तुलसीदास जी ने दान पर बहुत ही सुंदर लिखा है :

तुलसी पंछिन के पिये, घटै न सरिता नीर,
दान दिये धन न घटै, जो सहाय रघुवीर।।

दान करना परोपकार है, इससे व्यक्ति का जीवन सार्थक होता है।

आजकल दान देने के नाम पर तरह-तरह की विसंगतियाँ पनप रही हैं। पर हमें याद रखना चाहिए इस विषय में दानवीर कर्ण का उदाहरण अत्यंत ही प्रशंसनीय है। अर्जुन श्रीकृष्ण के चहेते होते हुए भी इस मामले में कर्ण की बराबरी नहीं कर सके, जोकि एक प्रचलित कहानी के माध्यम से समझ सकते हैं। यह कहानी एक आदर्श दान का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

एक बार भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन कहीं जा रहे थे, तभी बातों-बातों में अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। जबकि दान हम भी बहुत करते हैं।

यह सुनकर कुष्ण ने दो पर्वतों को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वे उनका सारा सोना गाँव वालों के बीच बाँट दें। तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास जमा हो जाएँ, क्योंकि वे सोना बाँटने जा रहे हैं। यह सुन गाँव वालों ने अर्जुन की जय-जयकार करनी शुरू कर दी और अर्जुन छाती चौड़ी कर पर्वत की तरफ चल दिए।

दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वत को खोदा और सोना गाँव वालों में बाँटा। पर पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ। इसी बीच बहुत से गाँव वाले फिर से कतार में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे, लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड़ रहे थे।

उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वे थोड़ा आराम करना चाहते हैं और इसके बिना वे खुदाई नहीं कर सकेंगे। तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वतों को इन गाँव वालों के बीच में बाँट दें। कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके ही हैं और वे आकर सोना प्राप्त कर लें। और ऐसा कहकर वह वहाँ से चले गए। अर्जुन भौंचक्के रह गए और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया।

तब कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि "तुम्हें सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालों को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरूरत है। इसलिए, सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे। लेकिन, कर्ण ने इस तरह से नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वहाँ से दूर चले गए। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनकी प्रशंसा करे और ना ही उन्हें इस बात से कोई फर्क पड़ता था कि कोई उनके पीछे उनके बारे में क्या बोलता है।

यह उस व्यक्ति की निशानी है जिसे आत्मज्ञान हासिल हो चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है।

अत: यदि हम किसी को कुछ दान या सहयोग करना चाहते हैं तो हमें ऐसा बिना किसी उम्मीद या आशा के करनी चाहिए, ताकि यह हमारा सत्कर्म हो ना कि हमारा अहंकार..।

साधारणत: यही देखा जाता है कि जब आमदनी बढ़ने लगती है तो व्यक्ति अपने रहन-सहन, खर्च बढ़ा देता है। किंतु, ज्ञानीजन कहते हैं कि आमदनी बढ़ने पर अपनी दान देने की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी करनी चाहिए। कबीरदास जी का दोहा है, जिसमें कहा गया है –

जो जल बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।।

इस दोहे में यह संदेश है कि जिस प्रकार नाव में अत्यधिक जल बढ़ जाने से उसे निकालना पड़ता है, उसी प्रकार घर में आमदनी बढ़ने से उसे दान कर देना चाहिए। यहाँ तक कहा जाता है कि अगर मनुष्य दान देने योग्य न हो तो उसका जीवन निरर्थक हो जाता है।

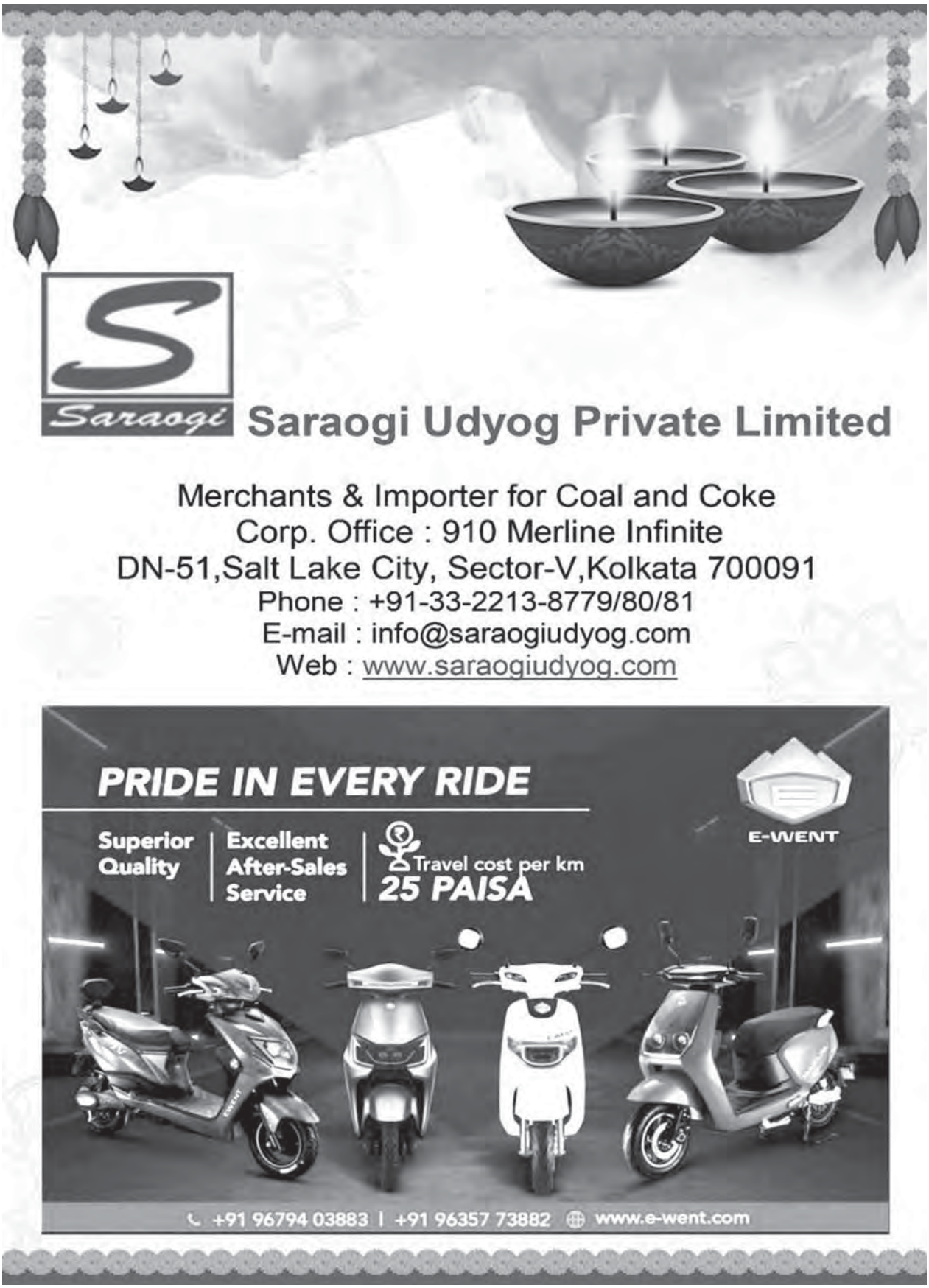

Saraogi Udyog Private Limited

Merchants & Importer for Coal and Coke
Corp. Office : 910 Merline Infinite
DN-51,Salt Lake City, Sector-V,Kolkata 700091
Phone : +91-33-2213-8779/80/81
E-mail : info@saraogiudyog.com
Web : www.saraogiudyog.com

सफलता के लिए मेहनत के साथ विवेक-बुद्धि भी आवश्यक

– शिव रतन अग्रवाल (फोगला)
समाजसेवी

आज तेज रफ्तार से दौड़ती दुनिया में सभी सफल होने के लिए व्यस्त रहते हैं। कारण सब जगह हमें प्रतियोगिता के सम्मुखीन होना पड़ता है। साथ-साथ आज परिवर्तन का दौर है। मेहनत अगर सब अधिक से अधिक करें, किंतु जीवन की प्रतियोगिता में सफल होने के 'हार्डवर्क' के साथ 'स्मार्ट वर्क' भी करना पड़ेगा। अगर, आप अपने मेहनत के साथ चतुराई एवं तकनीकी का तड़का लगा लेते हैं तो आपके सफल होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

इस बात को एक कहानी द्वारा उदाहरण स्वरूप हम समझ सकते हैं–

कुंदन काका एक फैक्ट्री में पेड़ काटने का काम करते थे, फैक्ट्री मालिक उनके काम से बहुत खुश रहता और हर एक नए मजदूर को उनकी तरह कुल्हाड़ी चलाने को कहता। यही कारण था कि ज्यादातर मजदूर उनसे जलते थे।

एक दिन जब मालिक काका के काम की तारीफ कर रहे थे तभी एक नौजवान हट्टा-कट्टा मजदूर सामने आया और बोला, "मालिक! आप हमेशा इन्हीं की तारीफ करते हैं, जबकि मेहनत तो हम सब करते हैं, बल्कि काका तो बीच-बीच में आराम भी करने चले जाते हैं, लेकिन हमलोग तो लगातार कड़ी मेहनत करके पेड़ काटते हैं।

इस पर मालिक बोले, "भाई! मुझे इससे मतलब नहीं है कि कौन कितना आराम करता है, कितना काम करता है, मुझे तो बस इससे मतलब है कि दिन के अंत में किसने सबसे अधिक पेड़ काटे....और इस मामले में काका आप सबसे २-३ पेड़ आगे ही रहते हैं, जबकि उनकी उम्र भी हो चली है।

मजदूर को ये बात अच्छी नहीं लगी।

वह बोला - अगर ऐसा है तो क्यों न कल पेड़ काटने की प्रतियोगिता हो जाए। कल दिन भर में जो सबसे अधिक पेड़ काटेगा वही विजेता बनेगा।

मालिक तैयार हो गए।

अगले दिन प्रतियोगिता शुरू हुई। मजदूर बाकी दिनों की तुलना में इस दिन अधिक जोश में थे और जल्दी-जल्दी हाथ चला रहे थे, लेकिन कुंदन काका को तो मानो कोई जल्दी न हो। वे रोज की तरह आज भी पेड़ काटने में जुट गए। सबने देखा कि शुरू के आधा दिन बीतने तक काका ने ४-५ ही पेड़ काटे थे, जबकि और लोग ६-७ पेड़ काट चुके थे। लगा कि आज काका हार जाएँगे। ऊपर से रोज की तरह वे अपने समय पर एक कमरे में चले गए जहाँ वो रोज आराम करने जाया करते थे। सबने सोचा कि आज काका प्रतियोगिता हार जाएँगे। बाकी मजदूर पेड़ काटते रहे, काका कुछ देर बाद अपने कंधे पर कुल्हाड़ी टाँगे लौटे और वापस अपने काम में जुट गए। तय समय पर प्रतियोगिता खत्म हुई। अब मालिक ने पेड़ों की गिनती शुरू की। बाकी मजदूर तो कुछ खास नहीं कर पाए थे, लेकिन जब मालिक ने उस नौजवान मजदूर के पेड़ों की गिनती शुरू की तो सब बड़े ध्यान से सुनने लगे...।

१...२...३...४...५...६...७...८...९...१०...और ये ११। सब ताली बजाने लगे, क्योंकि बाकी मजदूरों में से कोई १० पेड़ भी नहीं काट पाया था। अब बस काका के काटे पेड़ों की गिनती होनी बाकी थी...।

मालिक ने गिनती शुरू की...१...२...३...४...५..६..७...८...९...१० और ये ११ और आखिरी में ये बारहवाँ पेड़...मालिक ने खुशी से ऐलान किया...।

कुंदन काका प्रतियोगिता जीत चुके थे...उन्हें १००० रुपये इनाम में दिए गए...तभी उस हारे हुए मजदूर ने पूछा, "काका, मैं अपनी हार मानता हूँ, लेकिन कृपया ये तो बताइए कि आपकी शारीरिक ताकत भी कम है और ऊपर से आप काम के बीच आधे घंटे विश्राम भी करते हैं, फिर भी आप सबसे अधिक पेड़ कैसे काट लेते हैं?

इस पर काका बोले- "बेटा बड़ा सीधा सा कारण है इसका, जब मैं आधे दिन काम करके आधे घंटे विश्राम करने जाता हूँ तो उस दौरान मैं अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज कर लेता हूँ, जिससे बाकी समय में मैं कम मेहनत के साथ तुम लोगों से अधिक पेड़ काट पाता हूँ।

सभी मजदूर आश्चर्य में थे कि सिर्फ थोड़ी देर धार तेज करने से कितना फर्क पड़ जाता है।

शिक्षा

दोस्तों, आप जिस क्षेत्र में भी हों....आपकी योग्यता आपकी कुल्हाड़ी है, जिससे आप अपने पेड़ काटते हैं..यानी अपना काम पूरा करते हैं....शुरू में आपकी कुल्हाड़ी जितनी भी तेज हो...समय के साथ उसकी धार मंद पड़ती जाती है...

उदाहरण के लिए - भले ही आप कंप्यूटर विज्ञान के अग्रणी रहे हों, लेकिन अगर आप नई तकनीकी, नई भाषा नहीं सीखेंगे तो कुछ ही सालों में आप पुराने हो जाएँगे आपकी धार मंद पड़ जाएगी।

इसीलिए, हर एक को काका की तरह समय-समय पर अपनी धार तेज करनी चाहिए...अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई बातों को सीखना चाहिए, नई कला को प्राप्त करना चाहिए और तभी सैकड़ों-हाजारों लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना पाएँगे, आप अपने क्षेत्र के विजेता बन पाएँगे।

इसीलिए, आजकल व्यापार एवं पेशागत गतिविधियों में समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि नए-नए बदलाव एवं उन्नत तरीकों का हम प्रयोग कर सकें।

With Best Compliments From :

JAI BHARAT COMMERCIAL CORPORATION

23/24, Radha Bazar Street,
3rd Floor,
Kolkata – 700 001
Phones : 033-2242-5889/7995
Email : jbccsonthalia@yahoo.com / jbccsonthalia@gmail.com

–: Suppliers of :–

M.S. E.R.W. / G.I. / P.V.C. / C.I. Pipes, Specials,
Joints Sluice Valves and Pot Water Filter and
also laying of all pipes.

–: Turnkeys :–

Electro Chlorinator, Water Flow Meter,
Iron Elimination Plant etc.

मारवाड़ी सम्मेलन की शक्ति

– विनोद कुमार लोहिया
महामंत्री
पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी समाज की सबसे पुरानी प्रतिनिधि संस्था है। हम जब संगठन बिस्तार के प्रयास करते हैं तो अक्सर हमारे सामने प्रश्न होते हैं कि सम्मेलन का सदस्य बनकर हमें क्या फायदा। यहाँ लोग अपनी नेतागिरी चमकाने के चक्कर में नए-नए संगठन खोलते रहते हैं। उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि सम्मेलन का जन्म १९३५ में असम के डिब्रूगढ़ शहर में हुआ था। देश भर में इसकी लगभग ३५० शाखाएँ हैं, जिसके माध्यम से हम पूरे देश में किसी विपदा के समय हमें मदद उपलब्ध हो सकती है। यह सर्व मारवाड़ी समाज का संगठन है। हमारे समाज के किसी भी संगठन को हमें अपनी ताकत बनानी चाहिए। अच्छाई-बुराई एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं जहाँ अच्छाई होगी वहाँ कुछ तो बुराई होगी ही। उसे कोई रोक नहीं सकता हमें बुरी चीजों को भूलकर अच्छी चीजों को अपनाते हुए अपने समाज को आगे बढ़ाना चाहिए। संगठन में बहुत बड़ी ताकत होती है, हमारा मारवाड़ी सम्मेलन उसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। वर्ष २०२३ के दौरान सम्मेलन के सदस्यों अथवा शाखाओं की संवेदनशीलता से संबंधित कुछ अनुभव आपलोगों के साथ साँझा कर रहा हूँ :

डिगबोई (असम) २५ जनवरी २०२३, इंडियन आयल कारपोरेशन में उड़ीसा मूल के श्री सज्जन मित्तल वित्त विभाग में अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उनके पिता उनसे मिलने के लिए डिगबोई आए हुए थे और अकस्मात उनका देहांत हो गया था और वे स्थानीय मारवाड़ी समाज के साथ संपर्क में नहीं थे अत: एक अनजाने शहर में अपने को असहाय महसूस कर रहे थे। ओड़िशा प्रांत के तत्कालीन प्रांतीय पदाधिकारियों ने हमारे तत्कालीन प्रांतीय अध्यक्ष से संपर्क स्थापित किया, हमारे तत्कालीन प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल ने तिनसुकिया मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र अग्रवाल को फोन किया और मोरानशाखा से प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री विमल अग्रवाल ने भी उनसे फोन पर बात कर घटना पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया। उन्होंने सम्मेलन की डिगबोई शाखा के श्री मुरारी लोहिया से संपर्क किया। इस गमगीन घटना में भी एक सुखद अनुभव रहा की श्री मुरारी लोहिया ने तुरंत जाकर उनसे मुलाकात की। वर्तमान प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया जो कि डिगबोई के मूल निवासी हैं, उन्होंने डिगबोई के श्री अजय बजाज से संपर्क साधा एवं घटना की जानकरी दी।

स्थानीय डिगबोई शाखा के त्वरित सहयोग से श्री सज्जन मित्तल ने पिता जी के अंतिम संस्कार की समस्त तैयारियाँ करवा दी गई। दाहकरण संस्कार के समय शाखा के गणमान्य पदाधिकारी व सदस्य श्मशानघाट में उपस्थित रहे। श्री सज्जन मित्तल को कही से भी एहसास होने नहीं दिया कि वह एक अनजाने शहर में हैं। यह है हमारे सम्मेलन की ताकत पूरे भारत ही नहीं विश्व में भी हमारे समाज के किसी व्यक्ति पर कोई संकट आता है तो कहीं ना कहीं से संपर्क साधकर हम उसका समाधान कर सकते हैं। हम डिगबोई शाखा का अभिनंदन करते हैं जिन्होंने इतने कम समय में इतनी अच्छी व्यवस्था कर दी और सम्मेलन का नाम रोशन किया।

तेजपुर (असम), १२ नवंबर २०२३, दिनांक ११ नवंबर २०२३ को झुंझनू, राजस्थान मूल के ३८ वर्षीय श्री अमित कुमार, सुपुत्र श्री मोहन सिंह नामक एक कर्मचारी जो कि पिछले कई सालों से गोहपुर (असम) के एक पेट्रोल पंप में कार्यरत थे। उनका स्वास्थ्य खराब होने के कारण वे तेजपुर टाइम्स हॉस्पिटल में चिकित्साधीन थे और उनका अकस्मात निधन तेजपुर के टाइम्स हॉस्पिटल में हो गया था। परिवार के सामने उनके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गाँव तक ले जाने की चुनौती थी। उसके लिए बंदरदेवा शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं सक्रिय कार्यकर्ता श्री ओम प्रकाश पचार ने प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा से विचार-विमर्श किया।

उन्होंने अविलंब प्रांतीय उपाध्यक्ष (मण्डल F) श्री सुशील गोलछा, तेजपुर से विचार-विमर्श किया। उन्होंने प्रांतीय सहायक मंत्री श्री जुगल किशोर डाका एवं तेजपुर शाखा के सचिव श्री राजीव जैन के साथ हॉस्पिटल में पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। उनको पुलिस तथा डॉक्टर सार्टिफिकेट, Embalming एवं Coffin वालों की सर्टिफिकेट चाहिए थी ताकि वो लोग बॉडी को राजस्थान ले जा सकें। उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए न केवल पूर्ण सहयोग किया, बल्कि सभी कार्य बहुत ही सादगी तरीके से निपटाकर, मृतक के पार्थिव शरीर को पहले गुवाहाटी और फिर वहाँ से राजस्थान ले जाने के लिए जरूरी डॉक्युमेंट्स उपलब्ध करवाने में अत्यंत सहयोग किया। मृतक के परिजनों ने सम्मेलन के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन अपने इन सदस्यों की संवेदनशीलता के आगे नतमस्तक है।

गया (बिहार), ६ दिसंबर २०२३, गत ५ दिसंबर २०२३ को बिहार के गया स्टेशन पर एक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारियों के अनुसार कोलकाता के ७१ वर्षीय स्व. विजय कुमार चमड़िया जयपुर से कोलकाता के लिए ट्रेन से रवाना हुए। ५ दिसंबर को दोपहर लगभग १२ बजे से दो बजे के बीच गया स्टेशन पर ट्रेन पहुँची। वे संभवत: पानी लेने स्टेशन पर उतरे होंगे और ट्रेन चल पड़ी। दौड़कर ट्रेन पकड़ने के दौरान उनके साथ यह हादसा हो गया।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा के एक सदस्य श्री रतन कुमार अग्रवाल का फोन प्रांत के संयुक्त मंत्री श्री मनोज काला के पास आया कि उनके एक रिश्तेदार का गया रेलवे स्टेशन पर देहांत हो गया। श्री मनोज काला ने मुझे फोन किया और मैंने राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान से संपर्क साधा। उन्होंने मुझे तुरंत गया के श्री मोहन झुनझुनवाला और श्री राज कुमार अग्रवाल के संपर्क सूत्र प्रेषित किए। मेरी उन दोनों से चर्चा हुई और उनकी सहमति से मैंने श्री रतन अग्रवाल को आगे संपर्क सूत्र प्रेषित किए। उन्होंने भी दोनों महानुभावों से बात की और मृतक स्व. विजय कुमार चमड़िया के पुत्र श्री संजय चमड़िया को संपर्क सूत्र प्रेषित किए।

६ दिसंबर २०२३ को गया में सारी कानूनी औपचारिकता के बाद स्व. विजय कुमार चमड़िया का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गया के श्री मोहन जी झुनझुनवाला और श्री राज कुमार जी अग्रवाल के साथ मारवाड़ी युवा मंच के श्री अभिषेक के सहयोग से सारी व्यवस्था उचित तरीके से हो गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जी जालान सहित सभी के प्रयास के लिए पूर्वोत्तर प्रांत उनका आभारी है।

मैं श्री रतन अग्रवाल से प्राप्त आभार संदेश को ज्यों का त्यों प्रस्तुत कर रहा हूँ, "Thank you for speedy response and co-ordination with Mohan ji and Rajkumar ji from Gaya Sammelan who have extended all-round support along with Abhishek ji of Manch there. Again my heartiest salute to all involved this humanitarian cause".

इन घटनाओं के मूल्यांकन से पता चलता है कि व्यापार वाणिज्य को सर्वस्व समझने की तोहमत झेलता हमारा समाज वाकई में कितना संवेदनशील है। सम्मेलन की समस्त शाखाएँ हमारी ताकत हैं। हमें अपनी ताकत पर भरोसा होना चाहिए। आवश्यकता के अनुसार हमें सहयोग देने और लेने में संकोच करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

प्रिय बंधुवर,

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की ओर से आप सब का स्वागत व अभिनंदन है।

सर्वप्रथम नववर्ष २०२४ की अग्रिम शुभकामनाएँ। यह वर्ष हर तरह से आपकी सामाजिक, व्यवसायिक व सांगठनिक कृतियों को नई उपलब्धियां प्रदान करें, ऐसी हमारी कामना है। नया साल सदा ही हमें स्वयं का पुर्नमूल्यांकन करने को प्रेरित करता है और प्रेरणा देता है कि हम पूरे जोश एवं नए संकल्पों के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़े।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन २५ दिसंबर २०२३ को ८९वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है, हम सब सम्मेलन परिवार के सभी साथियों में उत्साह है, कुछ कर दिखाने की ललक है, इच्छा शक्ति है, समर्पण है और सेवा भाव की पराकाष्ठा प्रदर्शित करने का जज्बा भी, सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों को २५ दिसंबर का बेसब्री से इंतजार हो रहा है, वास्तव में यह अवसर देशभर के नागरिकों के बीच एक ऐसा संदेश देने के लिए सबको प्रेरित कर रहा है जिससे मारवाड़ी समाज के सेवा भाव को सही तस्वीर उजागर हो, सभी वर्ग के लोग इस बात को समझे कि यह समाज स्व विकास के साथ-साथ दूसरों की उन्नति में विश्वास रखता है।

राष्ट्रीय प्रादेशिक टीम के समस्त पदाधिकारीगण इस बात को संज्ञान में अवश्य ले कि कभी-कभी हम इस बात को (नेतृत्य या अन्य जिम्मेदार पदाधिकारी की तरफ से को संदेश या पहल नहीं हो रही हो हमि क्या करें) महत्व देने के चक्कर

– पुरूषोत्तम सिंघानिया
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

में एक बड़ा अंतराल गवां बैठते हैं और फिर बाद में जब उन्हें पता चलता है कि जिस कारण वह हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे, वह तो कोई कारण ही नहीं था, ऐसे किसी पश्चाताप को अपने विचारों में जगह न दें, इस बात का इंतजार ना करें कि कहीं से कोई दस्तक होने वाली है, स्वयं आगे बढ़कर पहल करें और यदि कहीं कोई जिज्ञासा की जरूरत हो तो नेतृत्व वृंद से सीधे संपर्क कर कार्यो को अपने-अपने दायित्व, जिम्मेदारियों के प्रति स्वयं अपने-अपने स्तर पर सजगता से पालन करें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन स्थापना का यह ८९वॉ वर्ष है। संगठन पर चर्चा एवं इसके भविष्य हेतु चिंतन आवश्यक है, यह तभी संभव है जब हम अपने लालसा और शॉर्टकट की संस्कृति को दरकिनार करके चलने का और अधिक से अधिक प्रतिनिधियों से मिलकर आपसी विचारों का आदान-प्रदान कर बहुत कुछ सीखने और उनकी गहराई से मनन मंथन कर अपने जीवन में आत्मसात करने का है।

हम कल भी आगे थे, और आज भी प्रयासरत है।
नई लकीर हम खींचेगें, इसका हम दम भरते हैं।।

चिट्ठी आई है

समाज विकास पत्रिका – अक्तूबर २०२३

अक्तूबर २०२३ का अंक गागर में सागर भरने जैसा लगा। संपादकीय में ठीक बताया गया है कि हमारी संस्कृति श्रेष्ठ है। इसमें कोई संदेह नहीं, परंतु शिक्षा के क्षेत्र में इसको जब तक शामिल नहीं किया जाएगा तब तक युवा पीढ़ी को इससे अवगत कराना मुश्किल कार्य है। अलका जी ने सही कहा कि बच्चों को अपना इतिहास बताना बेहद जरूरी है। यह जानकर अच्छा लगा कि सम्मेलन की विभिन्न उप समितियाँ और शाखाएँ अपने-अपने कार्यों में कमर कसकर लगी है। राजनीति के क्षेत्र में मारवाड़ी समाज की भूमिका को अधिक महत्व देने की जरूरत है। डॉ. दिनेश कुमार जैन का आलेख भी अच्छा है। प्रेरक कहानी अपनी मूल संस्कृति को अपनाने की प्रेरणा देती है।

– राजीव कुमार अग्रवाल
(बिलोटिया)

चिट्ठी आई है

संपादक महोदय, सादर अभिवादन

समाज विकास का अंक ११ प्राप्त हुआ।

श्री हर्ष गोयनका का आलेख क्या "मारवाड़ियों ने अपनी जादुई शक्ति खो दी है", बहुत ही सामयिक एवम् विचारणीय सच्चाई है। हलांकि श्री गोयनका ने पूरी ईमानदारी से मारवाड़ीयों के पक्ष में बातें की हैं। फिर भी उन्होंने एक ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा की शुरुआत की है। बिल्कुल ही इस विषय पर व्यापक चर्चा होनी चाहिये, क्योंकि आज मारवाड़ी औद्योगिक घरानों की संख्या कम हुई है। साथ ही यह भी सही है कि स्टार्टअप में कुछ लोगों ने अपनी बेहतर उपस्थित दर्ज करवाई है, फिर भी आज पहले वाली बात नजर नहीं आती है, समाज के औद्योगिक घरानों के रसूख में कमी फौरी तौर पर नजर आती है। टूट ते संयुक्त परिवार एवम् व्यवसायिक शिक्षा के बाद युवाओं में स्वरोजगार की जगह नौकरी को प्रश्रय देना है। सम्मेलन को औद्योगिक घरानों के प्रमुखों को आमंत्रित कर युवाओं के लिए मोटिवेशनल क्लासेस प्रारंभ करनी चाहिये ताकि युवा वर्ग में स्व व्यवसाय की ओर रुझान बढ़ेगा।

श्री हर्ष गोयनका को साधुवाद, आपने एक ज्वलंत मुद्दे पर अपने विचार रखे है।

आपका
अंजनी सुरेका

ऊँचा लोगां री ऊँची बतळावण

– बंशीधर शर्मा

ऊँची बोली, मिनख रै माजनै री कूंत हुवै। थोड़ी-सी बोल-बतलावण में ही ठिकाणै री ठा पड़ ज्यावै बोली सूं ही सामलै रौ पोत सामनै आ ज्यावै। सासुआं का जी 'क्कारा चाहे बहुआं नै भारीं पड़ै पण बोलचाल री भासा में जी' क्कारो मिनख रौ मान बधावै। आ कैबत चालै है कै मारवाड़ रा लोग कुत्ते नै भी रे'क्कारो कोनी देवै। बीयां राजपूत नै रे'क्कारा री गाळ हुवै। सबद बिरम रौ रूप कहीजै। साथ कर बोलणों मिलाप करवा दै, नहीं तो माथाफोड़ी। ऊंची बोल-बतलावण आपणी सेंसकरति रौ ऊजलो रंग है, घर घराणै री सोभा है। संस्कृत री कैबल है, 'वचनम् किम् दरिद्रता' मतलब बोलणै में बारह आनी क्यूं?

पोतो दादी नै पूच्छयो– दादीसा मैं आबार जी'सा ने पूच्छयो– 'थैं कठै जावो हो?' जणा आप म्हने टोक्यो किंया? दादी समझायो– लाडी, आपां बारै जावंतै आदमी नै कठकारो कोनी देवां। आपां पूछां सिद्धसारू जाओ हो, सिद्ध पधारो हो। कठकारों सुण मन में कचायंत आ ज्यावै। घरां आवणियै आदमी नै 'पधारो सा' अर 'बिराजो सा' कैवणै में कोई पइसा थोड़ा ही लागै है। सामलै रौ मान बधै। थांरी ऊंची कूंत हुवै। आजकालै केई घरां में भोजन परोसणै री जग्यां 'खाणों डालद्यूं कै?' पूछणै रौ रिवाज हुग्यो। खाणों कोई घास–पूस कोनी, ईं वास्ते डालणों सबद अपरोखो लागै।

आपणै सुगणी बोली री रीत है। आपां 'दुकान बंद करणों' नहीं बोल 'मंगळ करणों' बोलां। 'दीयै नै बुझाणों' नहीं कैय'र 'बड़ो करणों' केवै। गणगौर रै विसरजन नै 'भोळावणी' केवै। मंदिर में ठाकुरजी री मूरती रखवाणै नै 'पधराणों' अर सोवण ने 'पोढ़णों' कहीजै। 'सोवण' सारू 'पोढणियै' अर 'मांचै' नै खाट री जगां 'पलंग' बोलणों सोवणों लागै, क्यूं कै खाट तो कदैई खड़ी होय सकै।

मारवाड़ रा लोग आपस में लड़ै-भिड़े तो भी आपरी बोली री मरजाद कोनी छोड़ै। जियां 'बेराजी हुयां आप म्हांरो कंई बिगाड़ लेवोला सा', 'आप नहीं मान्या तो म्हांरो जूता' सा आपरै माथै बिराजैला सा।' इणनै आप चाहे 'लुळताई' कहद्यो, चाहे 'जूत बजाई'। जीमणै नै 'अरोगणों' कहणों आज भी केई घरां में बोलीजै। ब्याव-सावा में हरक लापसी अर खुशी रै मौके पर 'गोठ' को पुराणों रिवाज आज भी चालै है।

बोलचाल में घराणै री मरजाद साफ झलके। लोग केवै है 'करोड़पताई चली जावै पण बोलचाल रौ लहजो केई पीढयां तांई चालै।' मारवाड़ री धरती पर घूमण – फिरण आवण वाळां नै 'पधारो सा' रौ मान मन मोवणों लागै। जी'क्कारै रौ पळोथण आजकाल अंगरेजी सागै भी लागण लागग्यो। गुरु अर मास्टर सरै आम 'सरजी' हुग्या। कलेवो–सिरावणों, नाश्तो ब्रेकफास्ट हुया तो बाणच अर रसाळ 'फ्रूट अर टूटी–फ्रूटी' रौ रूप ले लियो। रसोई बिचारी 'किचन' री किचाळ में फंसगी तो साग बंदारणो, साग सुधारणों–सब्जी काटणै में बदळगो।

रावळां में ऊँची बोल बतळावण रौ चरसौ। मांजी नै मांजी-सा, ठाकुर नै ठाकर-सा, बेटै ने कंवर-सा अर पोतै नै भंवर-सा बोल'र मान देवै। ठाकर कोटड़ी में बिराजै अर बठै ही हजूरियां नै हुकम लगावै। रावळै में बारै रौ आदमी नहीं बड़ सकै, बस काम हवै तो डोडी आगे सूं आवाज देल्यौ। ठाकरां सूं अेक बार मिलण नै कोई ओधैदार आया। अेक चौधरी हाजरी में हो, उण नै हुकर दियौ– जा रावळै में दो कप चाय देवणै रौ बोल। चौधरी रावळै री ड्योडी सारै जा'र आवाज लगाई – ठाकर साहब दो कप चाय मंगावै है। अेकर बोल्या, दुबारा आवाज लगाई, तीसरी आवाज रौ भी जद पडूत्तर नहीं आयौ तो चौधरी ड्योडी लांघ रावळै रै मांय चल्यौ गियौ। चौधरी नै रावळै मांय देख ठुकराणी आप री ऊंचै तबकै री बोली में कयौ–आपनै रावळै रै मांय आवणै रौ कुण फरमायौ। चौधरी बोल्यौ– ड्योडी तांई तो ठाकर साहब फरमायौ अर बीं रै आगै तो मतई फरमीजग्या। आ है ऊंची बोली री खोड़ खुड़ाणी।

जकां मिनखां री ऊंची बोल बताळांवण हुवै उणां रै घर–घराणै रा संस्कार सिरैकार लागै। इण बाबत एक दूहाळौ है –

ज्यांरा मधरा बोलणा, जी'क्कारै री बाण।
थोड़ै सै बतळावणौ, तुरत हुवै पहचाण।।

बीयां ही जकां री ओछी बोली हुवै, बां रौ पोत 'बोल्यो'र बोयो' री तरज पर सामने झट आज्यावै। इण वास्तै अेक दूहो है –

ऊंची बोली बोलणौ, बडै भाव रौ रंग।
मौथा मोटी अकल रा, बोलै अडंग बडंग।।

ऊंची बोली कानां नै फूल सी लागै अर ओछा बोल शूळ सा चुभै। ऊंची बोली सागै जुड़्यौ ऊंचो बौहार मिनख रौ अपणायत भाव परगट करै।

पोतो दादी ने पूछयो– 'दादीसा आप फरमायो, कै आपणी बोली बतलावण में मिठास है। सेंसकरति री महक है। पण काकीसा, मासीसा, भुवासा अर मामीसा रौ सम्बोधन तो 'आंटी' में भेळो हुग्यो। आ आंटी पाछी सीधी कियां हुवै।' दादी लिलाड़ माथै सळ गालती बोली– बात तूं स्याणी कही पण कांई करां– पिच्छम री पून ही कुबायली बैयगी।

आलेख

राजस्थानी की पहली कहानी

सत्तरहवीं शताब्दी से राजस्थानी भाषा में वार्ताओं के रूप में कहानी का आरंभिक रूप मिलता है, जिनकी 'वात' अथवा 'बात' नाम से पहचाना जाता है। यद्यपि आधुनिक राजस्थानी कहानी की शुरुआत बीसवीं सदी के आरंभ में हुई है। बांग्ला, मराठी, हिंदी, अंग्रेजी आदि साहित्य की प्रेरणा से भारतीय भाषाओं में कहानी की जमीन तलाश की गई। राजस्थानी में पहली कहानी का श्रेय अधिकांश विद्वान श्री शिवचंद भरतिया की 'विश्रांत प्रवासी' (१९०४) को देते हैं। यह हिंदी मासिक 'वैश्योपकारक' (कोलकाता) में प्रकाशित हुई थी, जो पूर्ण नहीं है। हिंदी में जैसे भारतेंदु जी को मान-सम्मान मिला वैसा ही मान-सम्मान और स्थान राजस्थानी में राजस्थान के प्रवासी साहित्यकार शिवचंद भरतिया को प्राप्त हुआ है। आपका राजस्थानी उपन्यास और नाटक के क्षेत्र में भी अद्वितीय योगदान रहा है।

आपका जन्म कन्नड़ (हैदराबाद) में चैत्र शुक्ला सप्तमी, विक्रम सम्वत् १९१० (ई.स. १८५३) में हुआ। आपके दादा गंगाराम जोधपुर रियासत के डीडवाणा गाँव के वैश्य अग्रवाल कुल के थे। आपके पिता का नाम बलदेव था।

शिवचन्द भरतिया का निधन १२ फरवरी, १९१५ को इंदौर में हुआ।

राजस्थानी भाषा में आपकी कृतियाँ हैं–

१. कनक सुन्दर (नवल कथा)
२. केसर विलास (नाटक)
३. फाटका जंजाल (नाटक)
४. बोध-दर्पण
५. मोत्यां की कंठी (दूहा-संग्रह)
६. विश्रांत प्रवासी (कहानी)
७. वैष्यप्रबोध, ८. संगीत मानकुंवर (नाटक)

डॉ. नीरज दइया

संपादक: नेगचार (पाक्षिक)
राजस्थानी ई-पत्रिका

डॉ. नीरज दइया (१९६८) हिंदी और राजस्थानी में विगत तीन दशकों से निरंतर सृजनरत हैं। आप कविता, व्यंग्य, आलोचना, अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखते हैं। वर्तमान में आप केंद्रीय विद्यालय संगठन में पी.जी.टी. (हिंदी) के पद पर सेवारत हैं।

विश्रांत प्रवासी

हवा की लहरें ऊपर की ओर आ रही थी। आठ बज रहे थे। धीरे-धीरे लोग बिखरने लगे। आस-पास भीड़ कम हो गई। मेरे प्रवासी शरीर को अब कुछ शक्ति मिली और विचार-शक्ति बढ़ी। प्रेम का उदय होने से हृदय भीतर ही भीतर फड़फड़ाया। मानो नींद से जगकर आदमी आलस्य तोड़ता जम्हाई लेता है। बार-बार जम्हाई लेते हुए मन ही मन कहा– 'हे परमेश्वर, तुम्हारी यह कैसी लीला है, ब्रह्मदिक भी पार नहीं पा सके। तुम्हारी विचित्र माया है। कहाँ मेरी मातृभूमि, कहाँ मेरा देश और घर-संसार? घर छोड़ते समय ऐसा चित्र मेरे हृदय पटल पर अंकित हुआ कि उसका विस्मरण मेरी मृत्यु के साथ ही होगा। प्रिय राधावल्लभ को बार-बार समझाकर नहीं जाने का हठ, क्रोधावेश और प्रेममय संभाषण अब भी मेरे कानों में गूँज रहा है। माता जी की आशीर्वाद युक्त दृष्टि और जल्दी वापसी की आज्ञा मुझे घर की तरफ खींच रही है। हाय मेरी प्रिया के प्रेमिल टप-टप-टप अश्रुपात से मेरा प्रवासी मन अब तक मुग्ध है, भ्रांतियों से घिरा मैं विचार-शून्य होकर बेंच के हत्थे पर सिर रखकर सो गया।

निद्रा नहीं थी। वह मोह भरी भ्रांति ही थी। नहीं, नहीं प्रेम की मूर्छा थी। थोड़ी देर बाद मेरी आँख खुली। आँख खुलते ही अश्रुधारा निकल पड़ी। दिल ने कहा– 'मैं बहुत दिनों से घर छोड़ने का विचार कर रहा था, परंतु कभी प्रणप्रिया से कह नहीं सका। मैं अच्छी तरह जानता था कि अगर पहले बता दूँगा तो परदेश जाना कभी संभव नहीं होगा। प्रेम-बंधन विचित्र होता है। बड़ी-बड़ी लकड़ी बेधने वालों! भ्रमर जरा से कमल में बंधकर अंदर ही अंदर मर जाता है, पर कमल को दाँत नहीं लगा सकता।

माधुर्य बिना अनुभव जाना नहीं जाता। उसकी माधुरी पता मधुपान किए बिना नहीं चलता। जिससे अनिर्वचनीय आनंद प्राप्त होता है, जिससे हृदय खिंचता है, जिसके लिए प्रबल इच्छा उत्पन्न होती है और जिसके लाभ से हृदय स्नेह से परिपूर्ण होता हो, वहीं प्रेम है। यह भाव हृदय को परस्पर खींचता है। बिजली के तार की भांति झटके जैसे एक दूसरे हृदय पर आघात करता है। प्रेम का भाव, प्रेम का भावुक मन और प्रेम की भावना में से किसी का भी लोप हो जाए तो दूसरा नहीं रहता। वह भावमयी मूर्ति पांव से जमीन पर भाव लिखती, अश्रुधारा से लेख बहाती, हृदय को कंपित करती, दृष्टिको तिरोहित करती, सुख को आच्छादित करती, कटाक्ष बाणों से रास्ता रोकती, मन का हरण करती, मधुर आनंदहीन, चंचल, उदास, गलित-वेदना, प्रत्यक्ष करुण रस की नदी मेरे नि:सहाय हृदय को बहा रही है, डूबो रही है और प्राणों को व्याकुल कर रही है।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **कैलाश पति तोदी**, राष्ट्रीय महामंत्री

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office:
1, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700069
Phone: 22103480, 22103485
Fax: 22319221
Email: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam,
Vijaywada, Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin,
Gaziabad (U.P. Border), Indore

Bhaniram Sureka and his family along with Vice President of India Hon'ble SHRI JAGDEEP DHANKHAR

The Academy of United Nation Organisation Geneva awarded Honorary Doctorate Award to Dr. Bhaniram Sureka, in the presence of Famous Personalities at HHI on 6th April, 2019.

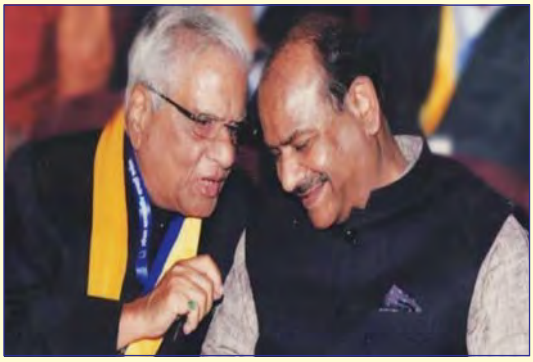

Mr. B.R. Sureka Interacting with Hon'ble Lok Sabha Speaker Sri Om Birla on occasion of Foundation Day of Marwary Sammelan

Shrawan Sureka Offering Bouquet to Hon'ble Shri Arjun Ram Meghwal, Cabinet Central Minister

Dr. Bhaniram Sureka along with Shri Amitabh Bachchan

B. R. Sureka with Sri Arjun Munda Central Cabinet Minister along with Prabhat Mittal & Santosh Saraf

Sri Sanjay Sureka along with Former-Union Finance Minister Sri P. Chidambaram

With the Best Compliments from :

Devotion is a dimension
that will allow you to sail
across even if you do not
know the way.

SADHGURU

isha
FOUNDATION

DINODIA WELFARE TRUST

4A, NEW ROAD, 1ST FLOOR, ALIPORE
KOLKATA - 700 027

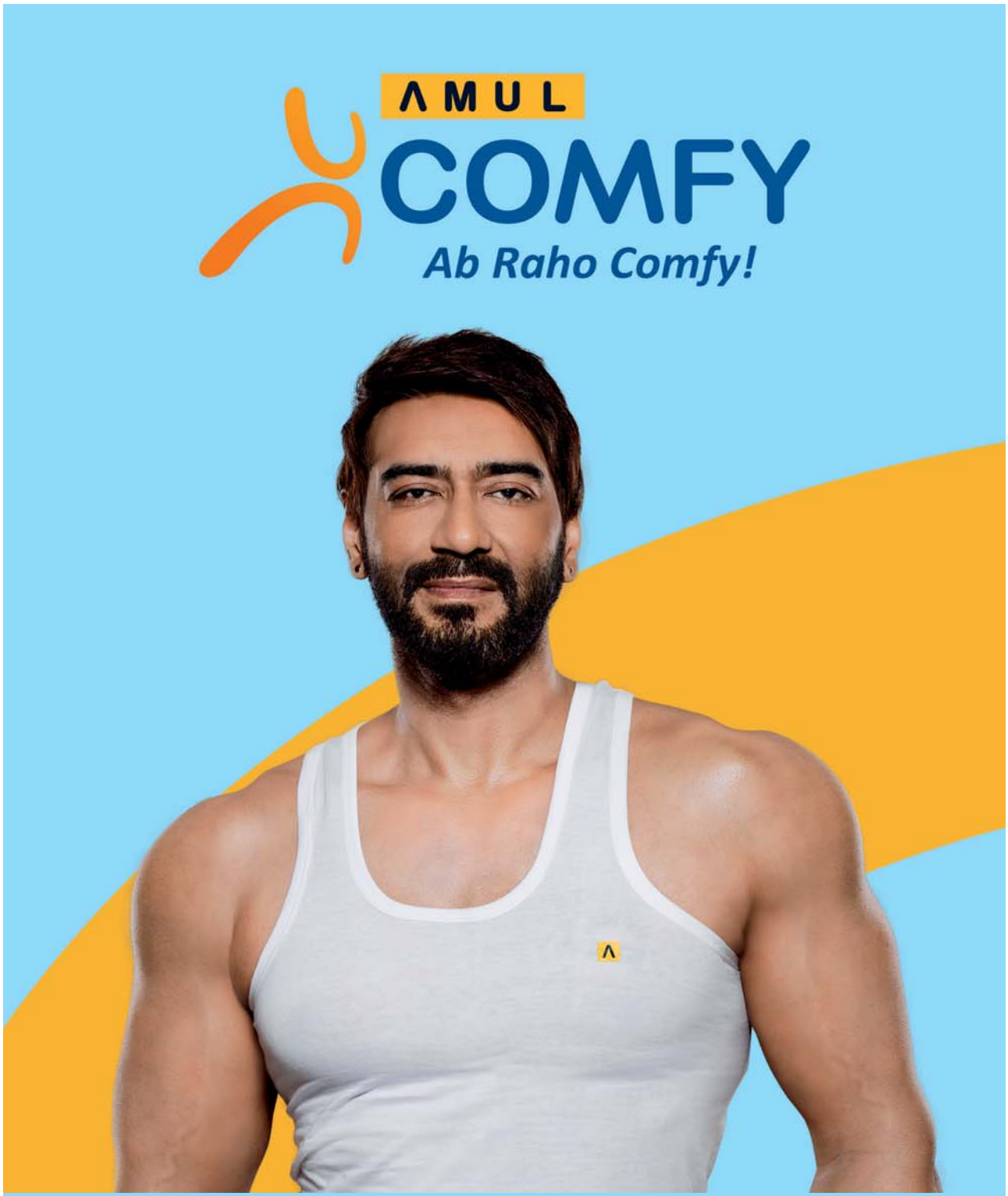

AMUL
COMFY
Ab Raho Comfy!
89वें स्थापना दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

CARING Minds™

Institute of Mental Health

OPD Mental Health Clinic

OUR SERVICES

PSYCHIATRIC DOCTORS

PSYCHOMETRIC ASSESSMENT

I.Q. TESTING

ADULT & GERIATRIC COUNSELLING

CHILD & ADOLESCENT COUNSELLING

CAREER COUNSELLING

SPECIAL EDUCATION

REMEDIAL EDUCATION

PAEDIATRIC PHYSIOTHERAPY

HEARING/SPEECH THERAPY

OCCUPATIONAL THERAPY

033 4950 0900

54A Sarat Bose Road, Kolkata 700025

www.caringminds.co.in info@caringminds.co.in

धनवंतरि फार्मेसी

नकली दवाईयों से सावधान

धनवंतरि के रहते, यहां वहां से दवाईयां क्यों लेना ?

घर बैठे दवाईयों की मुफ्त डिलीवरी, 20% डिस्काउंट के साथ*

*शर्तें लागू

98367 84845, 98305 84845, 98300 48880

ARISE EDUCATION
Challenge Your Limits

SRIHARI GLOBAL IISD FOUNDATION
in collaboration with
BIRATI GLOBE VISION SOCIETY

SRIHARI GLOBAL IISD FOUNDATION
BE A LEADER...

Your Gateway to Careers

Available Courses :

- **Civil Services (WBCS)**
- **Miscellaneous (WBPSC)**
- **Clerkship (WBPSC)**
- **Banking (Clerk and PO for SBI, IBPS & RRB) and various other insurance examination conducted by LIC (ADO & AAO), ESIC, FCI, WBSEDCL, WBSETCL**
- **EPFO (UPSC / NTA)**
- **Rail (NTPC & RRB)**
- **SSC (MTS, CHSC & CGL)**
- **Police (WBPRB-SI & Constable)**

At affordable cost

Hurry!!

+91 9007082702
+91 9038432710

WHAT WE OFFER

- Regular mock tests
- Online/Offline Classes
- Experienced Faculty
- Doubt clearing session
- Extensive Library facility
- Personalised Counselling
- Revised & Updated study materials
- State-of-the-art facilities

OTHER COURSES

- Foundation [Class VII-X]
- NEET (UG)
- JEE (Main & Advanced)
- CLAT
- General English Communication
- Corporate English
- IELTS

CONTACT US FOR MORE INFORMATION

Address : 45 Radhanath Chowdhury Road, Tangra Industrial Estate - II, Kolkata - 700015
Email us at : prabir.nandi@srihariglobaliisd.com WhatsApp or Call us at : +91 9007082702 / +91 9038432710
Web : www.srihariglobaliisd.com

WITH BEST WISHES

FROM

व्यंग्य-ई खातर हां इक्कीस

– पवन पहाड़िया

कोई ने ई किणी तरै रो तमगौ, नंबर अर औळखाण वीं रै कर्‌यौड़े करम लारै मिल्या करै। जिको जियांकलो करम करै वीं नै वीं रै सारू ई उपाधि, गळी–गांव, गनायत अर राज दिया करै। जियां कोई फोजी भाई मायड़ भौम री रूखाळी सारू जै लड़तो–भिड़तो ज्यान निछावर करदै तो वीं नै वीरचक्र, महावीर चक्र अर परमवीर चक्र देय'र वीं रो सनमान कर्‌यो जावै। बियां ई न्यारा न्यारा खेतर मांय न्यारी न्यारी उपाध्यां अर नांव दिरीज्या करै। जै कोई गप्पां हांकतो ई रहवै तो वीं रो नांव गप्पीड़ौ पड़ ज्यावै। कोई दारू पी'र गळ्यां–गुवाड़्यां हांडतौ रहवै तो वीं रो नांव दारूड़्यौ पड़ ज्यावै अर जै कोई जचै जणां जचै जिका नै आंख दिखावतो अर कीं न की नेग लेवतो रहवै तो वीं रो नांव गुंडो का दस्यो पड़ ज्यावै। कोई टीपणां देखे तो वीं नै जोतसी, मौ'रत काढ़ण वाळै रो पंडीतजी, किराणौ बैचण वाळां रौ सेठजी, खेत बावण वाळा रो किसान, धवळा गाबा पेर्‌यां, जचै जठै ई हांडता रैवण वाळा रो नेताजी। केवण रो मतळब जिको जियांकलौ करम करै वीं री औळखाण ई वीं रै करम नै देख'र करी जावै।

इयां ई गावां रा नांव ई गांव बसावण वाळी जात, मिनख अर का पछै गांव खातर कोई कीं कर्‌यो हूवै तो वीं रै नांव सूं ई गावां रा नांव राखी ज्योड़ा है। जियां ईनाणां गांव नै ई लेयल्यौ, बठै सगळां री जात ईनाणियां ई लागै भलांई बाण्यां, बामण, दरजी, नाई, खाती, मेघवाळ अर हरीजन ई हूवौ। इयां ही बाडमेर रै ऊजळां गांव मांय ई सगळां री जात रै आगै उज्जवळ लागै। कैवण रौ मतलब नांव करम रै कारण ई लागै।

म्है कैवणी तो आंपा रै नागौर जिले माथै चावै हो पण पेली दूजा बखाण गावणां सरू कर दिया पण सरू कर'र समझ मांय बीठावणौ ई तो पड़ैक कोई नैं ई नांव अर उपधि क्यूं अर कियां मिलै?

तो सा! आपाणै नागौर खातर कोई कहवै क – कोई ई इण माथै गौर नीं करै, इण खातर इणनै नागौर कहवै। म्हें ई कैवत ने नीं मानूं। क्यूंक आपणै अठै साहित रै खेतर में नागौर नै घणों ऊंचौ तमगो दियोड़ौ है।

आप सुण्यौ ई व्हैला अर गाइजै ई है–
सियाळै खाटू भली उन्हाळै अजमेर।
नागीणौ नित को भलो सावण बीकानेर।।

आपां में घणी खासीयतां है आ आप पिछाणौ कोनी। अीं खातर आपनै खुलासो करद्यूं –आपां रै बूतै नै ओळख'र ई तो राजस्थान सरकार आपाणै नागौर नें नंबर ई RJ 21 दिया है। आपां किस्यां ई खेतर मांय इक्कीस ई पड़ां। कठै ई देखल्यो भलांई? दुनियां कोरोना सूं बचण खातर भीड़ भाड़ सूं बचै पण आपणै आ कद जचै। सगळा समझावै महामारी सूं बचण खातर मास्क लगाऔ पण आपां के'वां ओ पोतड़ो अळगौ बगाऔ। दूजी जाग्यां सगळा जिती बिजळी बाळै वीं रो पूरो बिळ भरै पण आपणै अठै खुल्ले खाळ चोरी करे। अठै उधार लैय'र खा ज्यावै पण आपां मांय केई पाछा मांगता मारण नै आ ज्यावै। नशा पता को कीं तोळ न कोई मोल, मचायोड़ी राखां जचै जठै ई राफटरोळ। जचायर खेलां जुआ–सट्टा, भलांई लागै इज्जत रै बट्टा। मारग बैतां नै जचै जणां लूटल्यां। जै हाकौ हड़बौ करै तो जचाय'र कूटल्यां। हाथ मांय राखां डांव। हू ज्यावौ भलांई कीं ऊपर राखां टांग। हरेक खेतर मांय ई रेवां आगै। कोई कीं कहवौ चीकणा घड़ा रै छांट लागै तो आपणै कीं लागै। मोटरां मांय सोरे सास तो द्यां कोनी भाड़ो। बैगार में कठै ई नीं काढ़ां फाड़ो। पढ़ां न कोई ने पढ़णद्यां। कोई स्याणौ सीधो चकरी चढ़ज्यै तो मर्‌यां ई नीं आगे बढणद्यां।

अतरी खासीयतां री वजै सूं आपां सगळां में इक्कीस हां। दूजै पासै जै जोवां तो कुण आय'र आपां नै कह दैवे क म्हें डावा पड़ां। आपणां बडेरा घणी ऊंड़ी जमायग्या आपणी जड़ां। भक्ति में मीरां बाई, शक्ति में अमरसिंह राठौड़। वचनां में तेजाजी तो, जाम्भोजी मुंडागै कुण खुडा सकै खोड़। ज्हैर हरीरामजी उतारै तो लकवो बुटाटी धाम। पंचायत राज री थरपणा ई नागौर रै नाम। मुलक मोलावै मैथी, तो चौखळै चावी आपणी खेती। मकराणां (मारबल) रो तो कांई कैणो, लुगायां रो लड़ा लूम गैणों। अठै रा छेल अर अठै रा बेल दोनूं जग चावा तो कठै कम है अठै रा मालपूवा अर मावा। सरकार घणी ई रौके क नीं बजाणो डी जे पण आपणां टाबर्‌या तो अीं बीना कद धीजै। टींगर्‌यां अर टींगर ई पंडायद्यां चवड़ै–धाड़ै, बापड़ौ शारदा कानून ऊभौ डोळा फाड़ै।

अबै आप बताओ, दुनियां मांय इस्यो कुण है जिको आपणी बरोबरी करै। आपणै मूंडागै तो बिरमा बिसणु अर शिवजी ई पाणी भरै। तो भायां समझग्या हूळा म्हारी बात, आपां भरां जिस्यो कांई कोई भर सकै भात?

आपां धवळै दौफारां केयद्यां क, रात तो रात कुण है जिको करावणी चावै आपां मुंडागै आपरी खात। कुख्यात अर विख्यात दोनां मांय ई हां आगै, आपणी जोड़ मांय कुण आपणै बिरोबर लागै।

अीं खातर आपां हां आर जे इक्कीस, जै कोई करै तो करतो र्‌यो रीस। आपणौ नीं तो कदै ई कीं बिगड़्यौ अर नीं ई बिगड़ेला। कोई कर ई नीं सकै आपणी होड आपां, जचै जणां जचै जिका री कराय सकां खेती रोड।

महत्वाकांक्षी होना, बेहतर होना है

– राजेश कुमार सोंथलिया

महत्वाकांक्षी होना बेहतर होना है। जर्मनी विचारक गोएथे ने कहा है कि **"छोटे सपने मत देखो, क्योंकि उनमें दिलों को हिलाने की शक्ति नहीं होती।"** अगर, हमें सच्ची उन्नति के प्रति महत्वाकांक्षी होना है तब तो हम प्रगति करेंगे। किसी ने क्या खूब लिखा है **"हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले/ बहुत निकले मेरे अरमां लेकिन फिर भी कम निकले।"** वैसे जिंदगी तो हर कोई जीता है जिसे पता ही नहीं क्या करें, क्या पाए, वह कैसी जिंदगी जियेगा। हर किसी के पास कोई ना कोई ख्वाहिश जरूर होती है। कोई जिंदगी भर की कमाई एक दिन में कमाना चाहता है तो कोई जिंदगी भर कमाए गए धन से पीछा छुड़ाना चाहता है। जिंदगी भर की कमाई एक दिन में कमाना अतिमहत्वाकांक्षा की श्रेणी में आता है जो गलत ही नहीं, भयानक परिणाम वाला है। महत्वाकांक्षी होने में कोई बुराई नहीं है, मगर अतिमहत्वाकांक्षी होना सर्वथा अनुचित है। महत्वाकांक्षी तो हर व्यक्ति को होना चाहिए, वरना जीवन का उत्थान नहीं होता। आकांक्षा ही व्यक्ति को लगातार श्रम करने की प्रेरणा देती है। इसे दूसरे शब्दों में कहूँ तो कहूँगा कि सपने हमेशा ऊँचे देखने चाहिए, तभी हम मेहनत करेंगे और उन्हें पूरा करेंगे। लेकिन, अतिमहत्वाकांक्षी होने से बचना भी अति आवश्क है।

महत्वाकांक्षी होना यानी जीवन, इच्छाओं, परिणामों का होना है, जो जीवटता की निशानी है। हमारी वह इच्छाएँ जिनको हम महत्व देते हैं, वही महत्वाकांक्षा है। और हर मानव में यह महत्वाकांक्षा अपने आप विकसित होती है। किसी का परिवार को लेकर, किसी का समाज को लेकर, किसी का देश को लेकर, किसी का कई अन्य विषयों को लेकर। सभी महत्वाकांक्षाएँ अच्छी हैं। किसी ने कहा है कि **"महत्वाकांक्षा, सफलता की ओर ले जाने वाला रास्ता है, हठ वह वाहन है जिससे आप इस रास्ते पर चलकर अपनी मंजिल तक पहुँचते हैं।"**

महत्वाकांक्षा कई तरह के हो सकते हैं, सबके अपने-अपने, अलग-अलग। जीवन में बड़ी समस्याओं का समाधान करने की इच्छा होना, बड़े काम करने की इच्छा होना, बड़े बदलाव करने की इच्छा होना इत्यादि। महत्वाकांक्षा में जब व्यक्ति स्वयं कोई बड़ा कार्य करता हुआ अपने को देखता है तो छोटी-मोटी बातें उसको आकर्षित नहीं करतीं। बड़े कार्य करने वाले लोगों के चरित्र उसके लिए प्रेरक हो जाते हैं। अधिक श्रम उसको अपने उद्देश्य के निकट ले जाता है, इसलिए उसको श्रम में कठिनाई नहीं महसूस होती। वह उद्देश्य के अनुसार अपने स्वभाव में बदलाव करता रहता है, जिसके कारण उसका चरित्र भी बेहतर होता जाता है। अधिक प्रयास के कारण असफलताएँ भी अधिक मिलती हैं, वह व्यक्ति असफलताओं का गहन अध्ययन करते हुए उसके मूल तक पहुँचकर उन कारणों का स्वयं ही समाधान निकालने में सफल हो जाता है। मूल कारण का समाधान होने पर न केवल उस समस्या का ही नहीं, बल्कि उस कारण से जुड़ी भविष्य की अन्य सभी समस्याओं का समाधान उसके पास होता है। और धीरे-धीरे उसे कुछ सफलताएँ मिलने लगती हैं। सौ असफलता के बाद भी सफलता तो सफलता ही है। यह व्यक्ति उचित शिक्षण और मार्गदर्शन की भी तलाश में रहता है। उसका रास्ता जो पहले तय कर चुके हैं वहाँ से अनुभव और मार्गदर्शन प्राप्त करता है। इस प्रकार सतत प्रयास, आत्मावलोकन, सही मार्गदर्शन प्राप्त करता हुआ व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

बड़े लक्ष्य प्राप्त करने वाले लोग कितना श्रम करते हैं। मॅलकम ग्लॅडवॅल की पुस्तक आउटलायर के अनुसार, "सफलता से पूर्व ऐसे लोग अपने विषय पर १० हजार घंटे का श्रम कर चुके होते हैं। इसे हम समझें तो यदि हम अपने विषय पर प्रतिदिन ४ घंटे काम करें तो आपको करीब ८ वर्ष लगेगा। इसे हम एक खिलाड़ी के उदाहरण से समझें तो कोई खिलाड़ी सही मार्गदर्शन में अपने खेल पर चार हजार घंटे देता है तो उसमें उस खेल का बेहतर कोच बनने की योग्यता आती है। यदि आठ हजार घंटे का समय देता है तो वह देश का श्रेष्ठ खिलाड़ी बन जाएगा। यह उदाहरण केवल यह स्पष्ट करने के लिए दिया गया है कि अल्प समय का कठोर श्रम कोई खास श्रम नहीं होता, लंबे समय तक श्रम से ही बड़े काम होते हैं। उद्देश्य प्राप्ति के लिए केवल अधिक श्रम पर्याप्त नहीं होता, ऊपर की अन्य बातें भी होनी चाहिए जिनमें उचित मार्गदर्शन प्राप्त करना और आत्मावलोकन करके उसमें सुधार करते रहना प्रमुख है। महत्वाकांक्षा का बल यह सब करा देता है।

जिसने कुछ बड़ा करने का विचार ही नहीं किया तो क्या वह इतना श्रम कर सकता है, नहीं। बिना महत्वाकांक्षा के श्रम असंभव है। जैसी महत्वाकांक्षा वैसा श्रम। इसलिए कहा जा सकता है कि सभी बड़े कार्यों के केंद्र में कोई न कोई महत्वाकांक्षा ही रही है। बिना श्रम के पाने की इच्छा को मुंगेरीलाल का सपना कहा जाता है। यह महत्वाकांक्षा नहीं है, बल्कि यदा-कदा देखा गया सपना है। इन सपनो में इतना बल ही नहीं होता कि व्यक्ति को कोई प्रेरणा दे पाएँ।

इसके विपरीत छोटी या क्षुद्र आकांक्षाओं वाले व्यक्ति को बड़ा खतरनाक बताया गया है, क्योंकि उसकी आकांक्षाएँ ऐसी नहीं होती कि किसी प्रकार का श्रम करने को प्रेरित करे। ऐसा व्यक्ति अक्सर छोटे-छोटे लाभ की तलाश में रहता है और छोटे-मोटे नुकसान लाभ पर उसका मन बदलता रहता है। ऐसा व्यक्ति सरलता से भ्रष्टाचार में लिप्त हो सकता है। छोटे-छोटे लाभ मिलाकर बड़े लाभ नहीं बनते। चोरी से भी तात्कालिक लाभ प्राप्त हो सकता है, यह महत्वाकांक्षा नहीं है। इससे तो नुकसान ही होगा। बड़े लाभ बड़े काम करने से और छोटे-छोटे लाभ-हानि के विचार को छोड़ने से मिलते हैं।

यदि महत्वाकांक्षी व्यक्ति के उद्देश्य असामाजिक हो तो वह व्यक्ति बड़ा खतरनाक भी हो जाता है।

सोने के अण्डे देने वाली मुर्गी की कहानी हम सबने सुन रखी है, एक दिन में सभी अण्डे प्राप्त करने की इच्छा महत्वाकांक्षा नहीं है। हर लेन-देन में अधिक पाने की इच्छा भी महत्वाकांक्षा नहीं, लालच है।

जीवन जटिल है और हर बात के बहुत से पक्ष हैं। इस प्रकार महत्वाकांक्षी व्यक्ति का उद्देश्य भी लंबा सफर है, संभव है बीच में बहुत बार क्षति उठानी पड़े। लेकिन, सतत प्रयास और श्रम चलता रहता है। यह महत्वाकांक्षा की शक्ति है। अंततः सफलता मिल ही जाती है।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

कार्यकारिणी और राज्य परिषद की बैठक संपन्न

२ नवंबर को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का कालाहांडी जिले के भवानीपटना स्थित अग्रसेन भवन में प्रांतीय कार्यकारिणी और राज्य परिषद की बैठक हुई, जिसमें ३०० से अधिक मारवाड़ी सम्मेलन सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में ओडिशा के विभिन्न हिस्सों से आए कार्यकर्ताओं ने मारवाड़ी समाज की विभिन्न समस्याओं जैसे शिक्षा कोष, वैवाहिक समस्या, समाजसेवा, सामाजिक कुरीतियों, पंचायत आदि पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के अवसर पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं सफलता हासिल करने वाले व्यक्तियों को पुरस्कृत किया गया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल ने की। इस सभा में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार अग्रवाल, भवानीपटना मंडल के उपाध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, संपादक श्री दीपक गुप्ता, भवानीपटना शाखा अध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल, जूनागढ़ के मेयर श्री मुकेश अग्रवाल मंचासीन थे। श्रीमती कुसुम अग्रवाल के नेतृत्व में महिला सम्मेलन की सदस्याएँ, श्री सौरभ गुप्ता के नेतृत्व में युवा मंच के सदस्य एवं सुश्री श्वेता अग्रवाल के नेतृत्व में जागृति शाखा की सदस्यायों ने उ पस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। इस अवसर पर कई समाज उपयोगी प्रस्ताव पारित किया गया। जिला सचिव श्री शंकर अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शाखा समाचार

दुमदुमा, पूर्वोत्तर

मिलन समारोह में बुजुर्गों ने गाए गीत और किया नृत्य

मारवाड़ी सम्मेलन की दुमदुमा शाखा के सौजन्य एवं मारवाड़ी पंचायती भवन समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवड़ी युवा मंच एवं दुमदुमा प्रगति शाखा के सहयोग से २८ नवंबर को दीपावली मिलन समारोह का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व शाखाध्यक्ष वयोवृद्ध समाजसेवी श्री राजकुमार अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर दीपावली मिलन समारोह का उद्घाटन किया गया। मारवाड़ी पंचायती भवन में आयोजित मलिन समारोह के अवसर पर वृहत्तर दुमदुमा अंचल से काफी संख्या में मारवाड़ी समाज-बंधु एवं बड़े बुजुर्गो ने भाग लिया। समाज के बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित एक बहुत ही आकर्षक जीवंत नाटक प्रस्तुत किया गया। वहीं योगिता पूर्वा, हिमांशी महेश्वरी, दिशीता गोयल, नैना पेड़ीवाल धानुका, नेहा जैन, मनीशा अग्रवाल इत्यादि ने बहुत ही मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर खुब तालियां बटोरी। समारोह में प्रायः सत्तर बसंत देख चुके विशिष्ट व्यवसायी श्री ज्ञान प्रकाश अग्रवाल द्वारा अपनी धर्मपत्नी श्रीमती बिमला देवी के साथ सत्तर के दशक के एक बहुचर्चित गाने के बोल पर अपनी मंच प्रस्तुती से समारोह में चार चांद लगा दिया। समारोह का संचालन मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यवाह अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल ने किया। इस अवसर पर नाटक मंचन, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, लिखित प्रश्नोत्तरी, हाऊजी खेल इत्यादि प्रतियोगिता आयोजित हुई। समारोह को सफल बनाने में सम्मेलन के शाखाध्यक्ष श्री महावीर मोदी, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल, सचिव श्री अर्जुन लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री भंवरलाल गिनोड़िया, श्री विजय धानुका सक्रिय रहे।

शाखा समाचार

साहिबगंज, झारखंड

मारवाड़ी संगठन एक फायर ब्रिगेड जैसा : श्री मित्तल

मारवाड़ी सम्मेलन एक फायर ब्रिगेड के जैसे लोगों के हित के लिए काम करती है। यह बातें मारवाड़ी संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत कुमार मित्तल ने साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित अमख पंचायत भवन में २८ नवंबर की देर शाम आयोजित बैठक के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा कि आगामी १७ दिसंबर को दुमका में होने वाले प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक में हम अधिक से अधिक संख्या में जुटें और इसको सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएँ। श्री मित्तल ने सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की। श्री मित्तल ने सम्मेलन के कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी को किसी प्रकार की परेशानी किसी राज्य में हो जाए तो हम राज्य सम्मेलन के माध्यम से उसे संबंधित राज्य के सम्मेलन को अवगत कराते हैं और उस समस्या का निराकरण समय रहते हम करवाते हैं, इससे बड़ी और क्या बात हो सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के बच्चे-बच्चियाँ पढ़ाई करने के लिए राँची जाते हैं। इसलिए इसके लिए भी संगठन अपना एक भवन बनाने पर विचार कर रहा है, जमीन तलाश कर लिया गया है। उम्मीद है कि इस योजना पर हमलोगों को सफलता प्राप्त होगी। मैं आप सबसे आग्रह पूर्वक कहूँगा कि आप लोग सम्मेलन को मजबूत बनाने की दिशा में अधिक से अधिक सदस्य बनाएँ। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत कुमार मित्तल, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री शिवकुमार सराफ, परामर्शदात्री समिति सदस्य श्री सांवरलाल शर्मा, क्रांतिकारी समिति सदस्य श्री सचिन सुल्तानिया, साहिबगंज जिला अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, महामंत्री श्री अंकित केजरीवाल आदि मौजूद थे।

With Best Compliments From :

JAL PRAVAHIKA PVT. LTD.

Unit No. 905, 9th Floor, Plot No. A1-4, Block EP & GP,
Sector - V, Salt Lake, Kolkata - 700 091
Phone : +91 33 4066-4533
Email : jppl@jalpravahika.com
Beyond Office Hours :
Mobile : +91 94330-38682 to 89
www.jalpravahika.com

Suppliers of
Engineering Goods for Water Supply &
Water Treatment Plants

Marketing Service Provider for West Bengal PHED

- **Utkarsh India Ltd.**
  Manufacturers of MS ERW, Black & Galvanized, Fin Cut Pipes, High-Mast & Steel Tubular Poles, UPVC Pipes & Casing
- **Tata Metaliks Ltd.**
  Ductile Iron Pipes as per IS: 8329, ISO: 2531 & BS: EN: 545

उद्‌गार

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान

धन और संपत्ति को गरीबों के उत्थान में लगा सकें, और देश की आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में सहायक बन सकें तो यह समाज न केवल जनता का आदर और सम्मान ही प्राप्त कर सकता है, बल्कि देश का नेतृत्व ग्रहण कर सकता है। भामाशाह ने यदि राणाप्रताप को उनकी विपत्तियों में सहायता नहीं पहुँचाई होती तो भामाशाह का नाम आज कौन याद करता। हजारों ही अमीर आए और चले गए, किंतु भामाशाह को हम आज भी याद करते हैं।... मारवाड़ी समाज आज भारत के जिस अंचल में है, उसका अपना बनकर उसे अपना बनाए, यही उसका परम पुरुषार्थ है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हमलोग यहाँ उपस्थित हुए हैं, वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करने वाला हो, उसके कार्यकर्ताओं में उल्लास, सजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरने वाला हो और जिसमें समाज की विभिन्न शाखाएँ संबद्ध हों, अपने जातीय हित और उससे भी वृहत्तर संपूर्ण देश के स्वार्थ से संबंध रखने वाले समस्त प्रश्नों पर विचार करे और अपना कर्तव्य स्थिर करे।

– स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी,
१९३५-१९३८

समाज के सुधार की समस्या वर्षों से हमारे सामने है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। किंतु यह विषय इतना विवादास्पद है कि हमने आपस में कहीं तर्क-वितर्क किया भी है, पर खास ध्यान आकर्षित करना उचित नहीं प्रतीत होता। मैं उसे भविष्य के लिए छोड़ देता हूँ किंतु यह चेतावनी दे देना भी जरूरी समझता हूँ कि हम चाहें अथवा नहीं, सामाजिक समस्या का निकट भविष्य में सामना करना ही पड़ेगा। आज नहीं तो कल हमको एकत्र होकर अपने समाज के संपूर्ण संगठन की योजना और सामाजिक पहेलियों का निदान करना ही पड़ेगा।

– स्व. पद्मपत सिंघानिया,
१९३८-१९४०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

आज आए दिन सामाजिक त्योहारों और उत्सवों में फिजूलखर्ची देखने में आती है। मैं समाज के सभी लोगों से यह अनुरोध करता हूँ कि ऐसे सामाजिक अवसरों पर वे अपने खर्च को उचित सीमा के बाहर न जाने दें। मेरा यह अनुरोध केवल उन्हीं से नहीं जिनके पास धन का अभाव है वरन् मैं उन लोगों से भी अनुरोध करता हूँ जिनके पास प्रचूर धन है, क्योंकि यह मानव स्वभाव है कि दूसरी श्रेणी की देखा-देखी पहली श्रेणी के लोग अपनी परिमित आर्थिक अवस्था के बावजूद दिखावे और आडंबर में उनकी नकल करने को आतुर दिखाई देते हैं।

– स्व. बद्रीदास गोयनका,
१९४०-१९४१

हमारा राजनीतिक स्वार्थ और भारत का राजनीतिक स्वार्थ एक है। मैं जातीयता का पक्षपाती नहीं हूँ इसलिए अपनी जाति के लिए विशेष अधिकार प्राप्त करने की अभिलाषा नहीं रखता। जिस कार्य में भारत का हित है उसी कार्य में भारत की प्रत्येक जाति का हित है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का आदर्श राष्ट्रीय है। जिन देशी रियासतों के हम निवासी या प्रवासी हैं उनकी शासन प्रणाली में परिवर्तन करना तथा प्रतिनिधित्व प्राप्त करना और उस प्रणाली को विधानयुक्त बनाना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

– स्व. रामदेव पोद्दार,
१९४१-१९४३

आपस की हमारी फूट पर हमने धर्म की छाप लगा ली है और इस तरह के धार्मिक अंध-विश्वासों ने हमको स्वतंत्रता से विचार करने के योग्य भी नहीं रखा है। धर्मभीरु होना हम अपने लिए गौरव की बात समझते हैं। धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों और रुढ़ियों एवं नाना प्रकार के बंधनों ने हमें मनुष्यता से गिरा दिया है।

– स्व. रामगोपाल जी मोहता,
१९४३-१९४७

किसी भी समूह को अपना भावी कर्तव्य निश्चित करने के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी प्राचीन अवस्था को समझे, वर्तमान का अवलोकन करे और भविष्य की ओर देख अपने कर्तव्य का निश्चय करे। मारवाड़ी सम्मेलन को और उसके सारे कार्य को उसी निगाह से देखना चाहता हूँ। गुणों को देखने के साथ ही अवगुणों का अवलोकन भी जीवन में उपयोगी होता है, इस तत्व का भी मुझे स्मरण है।

– स्व. बृजलाल बियाणी,
१९४७-१९५४

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

हमें बदलते हुए समय के साथ चलना होगा। आज के युग में पर्दा और दहेज जैसी कुप्रथाएँ सहन नहीं की जा सकतीं। युवकों पर तो इस मानसिक और व्यवस्थात्मक क्रांति को लाने का मुख्य भार होगा ही। उन्हीं को तो आज की विरासत संभालनी है और उस विरासत में उनको मिलेगी आज की संपत्ति और आज की समस्याएँ। यदि वे केवल आज की संपत्ति की ही ओर टकटकी लगाए रहें, तो वे न तो उसे बचा पाएंगे और न अपने को। उन्हें समस्याओं को भी अच्छी तरह से देखना तथा समझना है और उनको सुलझाने के लिए कटिबद्ध हो जाना है।

– स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी,
१९५४-१९६२

सम्मेलन ने समाज को सदैव यह परामर्श दिया है कि जो भाई बहन भिन्न-भिन्न प्रांतों या राज्यों में बसे हैं, उन्हें वहाँ का नागरिक माना जाय, उन्हें वहाँ के सामाजिक जीवन में पूरी तरह समरस हो जाना चाहिए। दहेज ही बढ़ती हुई बीमारी की समस्या के बारे में कहा कि 'क्षय रोग की तरह यह हमारे गृहस्थ जीवन का विनाश कर रही है और महिलाओं की प्रतिष्ठा के तो यह सर्वथा प्रतिकूल है।' विवाहों में आज भी हम अपने वैभव का इतना प्रदर्शन करते हैं कि दूसरों की दृष्टि में हम खटकने लगते हैं। हमें उतना ही प्रदर्शन करना उचित है जो दूसरों के लिए सिरदर्द न बने।

– स्व. गजाधर सोमानी,
१९६२-१९६६

सामाजिक सुधारों के अलावा देश-व्यापी राष्ट्रीय प्रवृत्तियों में हिस्सा लेना भी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहा है। हमारे समाज का विस्तार देश के कोने-कोने में हुआ है और हमें संतोष है कि इस समाज के लोग जिस भी राज्य या प्रांत में जा बसे हैं, वहाँ के नागरिक और सामाजिक जीवन में पूरी तरह हिस्सा ले रहे हैं तथा स्थानीय प्रवृत्तियों में पूरा सहयोग दे रहे हैं जो कि सम्मेलन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रतीक है। मारवाड़ी समाज की किसी भी संस्था ने अपने लिए विशेष संरक्षण या अधिकार की मांग नहीं की, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के साथ तन्मय होकर चलने का प्रयत्न किया।

– स्व. रामेश्वरलाल टांटिया,
१९६६-१९७४

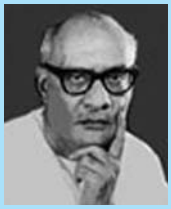

समाज के भावी कर्णधारों को अपने-अपने प्रांतवासियों के साथ समरस होकर एक लक्ष्य बनाकर, स्वस्थ सार्वजनिक जीवन में अधिकाधिक भाग लेना चाहिए। इसके पीछे हमारी जातिगत स्वार्थ की नहीं, राष्ट्रीय संभावनाओं के प्रतिफलन की ओर उत्तरदायित्वपूर्ण सहयोग की भावना होनी चाहिए।... दहेज की वर्तमान स्थिति के विरुद्ध दृढ़प्रतिज्ञ आदर्शवान युवकों को प्रतिज्ञापूर्वक अपने आचरण का उदाहरण रखते हुए सक्रिय आंदोलन करना चाहिए। जब ऐसा होने लगेगा, तभी संभवतः इस राक्षसी प्रथा का समूल नाश होगा।

– स्व. भंवरमल सिंघी,
१९७४-१९७६ एवं १९७६-१९७९

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

वधुओं को दहेज के अभाव में जलाना, तलाक, भोंडा दिखावा तथा आचरणहीनता बराबर बढ़ रही है। वधुओं और बेटियों में फर्क समझने वाला मनुष्य कहलाने के योग्य नहीं।.... समाज में व्यक्तिवाद घर किए हुए है। समष्टिवाद बहुत कम दिखलाई पड़ता है। समाज के संगठन की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। मैं चाहता हूँ कि इस दिशा में सम्मेलन की ओर से ठोस कदम उठाए जाएँ जिससे संगठन की भावना जोर पकड़े और सारे भारत के मारवाड़ी बंधु सम्मेलन के द्वारा अपनी आवाज बुलंद कर सकें।

– स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार,
१९७९-१९८२

यदि हमें अपने युवकों की उर्जा का लाभ लेना है तो हमें अपनी सार्वजनिक संस्थाओं और उनके क्रिया-कलापों को आधुनिकता का जामा पहनाना होगा, जिनसे हमारा युवक उनसे जुड़ सके, अपना वर्चस्व दिखा सके और पिछले बीते युग से कहीं शक्तिशाली व प्रभावोत्पादक रूप से नवनिर्माण व सामाजिक सुधारों की गंगा बहा सके।... दहेज-रुपी विष का जितना इलाज किया गया, यह विष उतनी ही तेजी से बढ़ता गया। अब हमें यह नारा देना होगा कि हर शादी मंदिरों में, धर्म-स्थानों में हों और केवल नजदीकी रिश्तेदारों की उपस्थिति में हो।

– स्व. नन्दकिशोर जालान,
१९८२-१९८६, १९९३-१९९७ एवं १९९७-२००१

सम्मेलन के मंच से बराबर सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के विरुद्ध प्रस्ताव पास किए जाते रहे हैं, लेकिन समस्याएँ कहीं कम हुई हैं तो कहीं और बढ़ गई हैं। फिजूलखर्ची और दहेज की समस्या विवाह-संस्कार आदि के कार्यक्रमों में दानवी रूप लेती जा रही हैं। हमें स्वयं आत्म-चिंतन करके इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए एवं अन्य समाजों के समक्ष उदाहरण रखना चाहिए, तभी निम्न और मध्यवर्ग का मारवाड़ी भाई अपनी प्रतिष्ठा बचा सकेगा।

– स्व. हरिशंकर सिंघानिया,
१९८६-१९८९

जिस दिन समाज का कार्यकर्ता, समाज के सभी वर्गों के भाई-बहन स्थान-स्थान पर सैकड़ों-हजारों की संख्या में सामाजिक बुराइयों और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध, प्रांतीयता और संकीर्णता के विरुद्ध, शोषण और दुर्नीति के विरुद्ध अनवरत आंदोलन प्रारंभ करेंगे, उस दिन वे अकेले नहीं रहेंगे। समस्त भारतीय समाज के लोग उनके साथ आ मिलेंगे और उस दिन समाज अपनी सही छवि स्थापित कर सकेगा, समाज की सर्वांगीण उन्नति का, सम्मेलन का सपना साकार होगा। एक बड़ा दायित्व समाज के कार्यकर्ता पर है और इस सम्मेलन को इसी भावना को शहर-शहर और गाँव-गाँव पहुँचाना है।

– स्व. रामकृष्ण सरावगी,
१९८९-१९८९

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

मातृभूमि भारतवर्ष के प्रति मारवाड़ी समाज के अवदान की ४०० वर्षों से चली आ रही एक गौरवमयी अटूट परंपरा है। इससे विश्व मानव ने सतत प्रेरणा ग्रहण की है। इस परंपरा के आलोक में आज की परिस्थिति में मारवाड़ी समाज का क्या कर्तव्य है और इसकी क्या प्राथमिकताएँ हों, यह एक विचारणीय प्रश्न है। इसका उत्तर हमें अपने समाज के संदर्भ में ही ढूँढना होगा। प्रत्येक समाज का यह कर्तव्य ही नहीं, धर्म भी है कि वह अपने मूल स्वरूप का संरक्षण करे।

– स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी (का.),
१९८९-१९९३

विगत वर्षों में सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र में नैतिकता का पतन बड़ी तेजी से हुआ है। नेतृत्व का उद्देश्य समाज और राष्ट्र के उत्थान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना न होकर सिर्फ अपनी जेब भरना एवं अपने को स्थापित करना हो गया है। स्वार्थ की अंधी गली में दौड़ लगाते हुए नेतृत्व को इस बात का ख्याल रहा ही नहीं कि उनके इस आचरण का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ेगा। .... अतएव यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि समाज के नेतृत्व में आमूल परिवर्तन हो और कमियों-खामियों की व्याख्या के साथ-साथ सामाजिक आधार को दृढ़ से दृढ़तर बनाने की कोशिशें तेज से तेजतर हों। नई पीढ़ी को, नई सोच के लोगों को भी इस मुहिम में अग्रिम पंक्ति में रखा जाना चाहिए ताकि समाज की सभी कड़ियों में सामंजस्य बनाने में सहूलियत हो।

– स्व. मोहनलाल तुलस्यान,
२००१-२००४ एवं २००४-२००६

मेरी मान्यता है कि मारवाड़ी सम्मेलन को विचार मंच से आगे बढ़कर एक सक्रिय वैचारिक आंदोलन का रूप लेना चाहिए। समाज-सुधार एवं समरसता हमारा नारा हो। हमें दहेज-दिखावा, नारी-प्रताड़ना, आडंबर, फिजूलखर्ची का सक्रिय विरोध करना है। मारवाड़ी सम्मेलन की केंद्रीय, प्रांतीय एवं जिला स्तर पर सांगठनिक क्षमता का विकास कर इसे सही मायने में मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था के रूप में स्थापित करना है। सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए मारवाड़ी सम्मेलन में नई चेतना जागृत करनी है। मारवाड़ी समाज की नई, आधुनिक प्रतिभा को देश के सम्मुख प्रस्तुत करना है। साहित्य, संस्कृति, कला, राजनीति, ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं की परिचिति के साथ-साथ उन्हें मान्यता एवं सम्मान प्रदान कर समाज को नया स्वरूप एवं नया व्यक्तित्व देना है।

– श्री सीताराम शर्मा,
२००६-२००८

आज समाज शिक्षित हुआ है। शिक्षित समाज का सपना हम भी देख रहे हैं, परंतु साथ ही हमें यह देखना होगा कि इस शिक्षा से समाज में व्याप्त कुरीतियों को न सिर्फ समाप्त किया जा सके, इसके साथ-साथ हम हमारी सामाजिक धरोहर जैसे शाकाहारी, धार्मिक-सामाजिक प्रवृति में किस तरह विकास ला सकें।... धन के फिजूलखर्ची ने समाज के एक वर्ग को अंधा बना दिया है। हम एक दूसरे से कम नहीं होकर एक दूसरे से आगे निकलने के प्रयास में समाज की संस्कारों की संपदा कहीं समाप्त न कर दें। इस पर हमें सोचने की जरूरत है कि इस प्रकार की प्रवृत्ति को किस तरह बढ़ने से रोका जा सके। सम्मेलन इस दिशा में पहल करने के लिए सदा तत्पर रहेगा।

– श्री नंदलाल रुँगटा,
२००८-२०१०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से युवा वर्ग की सोच कि 'मुझे क्या लेना-देना?' या 'मुझे इससे क्या लाभ?' में बदलाव आवश्यक है। मारवाड़ी समाज के नवसृजन एवं विकासोन्मुखी कार्यक्रमों में युवाशक्ति को और अधिक दायित्व लेना जरूरी है। अवांछित एवं अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के कारण न केवल फिजूलखर्ची को बढ़ावा मिल रहा है, अपितु आडंबर एवं मिथ्या-प्रदर्शन से हमारा समाज इतर समाजों की आलोचना का हास्यास्पद पात्र बन गया है। देश की प्रगति के लिए हमें राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करते हुए सही नेता का चयन करना चाहिए।

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया,
२०१०-२०१३

सम्मेलन प्रांतों में बसता है। सम्मेलन के संगठन को अपेक्षित विस्तार देने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी प्रांतीय मुख्यालयों के साथ-साथ, नगर-ग्राम शाखाओं तक का यथासंभव दौरा करें, हर स्तर पर विचारों का परस्पर आदान-प्रदान हो, स्थानीय स्तर पर समाज की समस्याओं के विषय में जानकारी हो, और समाज के जन-जन को सम्मेलन के साथ जोड़ने का हर प्रयत्न हो। यह सम्मेलन के संगठन-विस्तार, सिद्धांतों एवं विचारों के प्रसार तथा हमारे उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए रामबाण सिद्ध होगा। हमारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिला एवं युवा अनिवार्य कड़ियाँ हैं। इनकी सहभागिता से ही हम अपने कार्यक्रमों को गति दे पाएँगे और इच्छित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन के कार्यक्रमों में इनकी सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा कर्तव्य।

– श्री राम अवतार पोद्दार,
२०१३-२०१६

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारी युवा पीढ़ी अत्यंत मेधावी एवं परिश्रमी है और अपने पारंपरिक उद्योग-व्यापार से आगे बढ़कर शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल, मनोरंजन सहित हरेक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से समाज का मान बढ़ा रही है। तथापि, संस्कारों का ह्रास, बुजुर्गों का घट ता सम्मान, फिजूलखर्ची-आडंबर, दाम्पत्य संबंधों में असहिष्णुता, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, राजनीतिक सक्रियता एवं चेतना की कमी जैसे विषयों पर हमारे युवक-युवतियों, तरुण-तरुणियों को सचेत रहने की आवश्यकता है। सामाजिक संगठन की अनिवार्यता को भी समझना है, क्योंकि संगठित समाज की आवाज ही सशक्त हो सकती है।

– श्री प्रह्लाद राय अगरवाला,
२०१६-२०१८

बदलते हुए सामाजिक पृष्ठभूमि में सम्मेलन के कार्य-कलापों में भी बदलाव आ रहा है। सम्मेलन की भूमिका नित-निरंतर महत्वपूर्ण होती जा रही है। ज्यों–ज्यों समाज में आर्थिक सफलता आती है, साथ–साथ विसंगतियाँ भी पनपती है। सभी बंधुओं को सम्मेलन से आशा है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आपसी सामंजस्य के साथ समाज में अच्छाइयों को बरकरार रखते हुए, नए विसंगतियों को दूर करना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। सम्मेलन के पास समाज के लिए कार्य करने के लिए अनेकों अवसर हैं। समस्याओं को संभावनाओं में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा और हमारे समाज के लोगों का कर्तव्य है।

– श्री संतोष सराफ,
२०१८-२०२०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

समाज की प्रतिनिधि संस्था के रूप में आज सम्मेलन समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। समाज पर आए हर कष्ट के समय निवारण हेतु सम्मेलन ने उचित एवं सामयिक भूमिका निभाई है। समाज को संगठित करने के लिए संगठन का विस्तार आवश्यक है। आज देश के प्रायः हर प्रांत में सम्मेलन की शाखा कार्यरत हैं। संगठन में ही शक्ति है। संगठन की आवाज में पूरी ताकत रहती है। 'संगठित समाज सशक्त आवाज' हमारा लक्ष्य है कि जहाँ भी मारवाड़ी बंधु रहते हो वहाँ सम्मेलन की शाखा हो, ताकि एक कड़ी की तरह हम जुड़ सकें। निष्कर्ष यही निकलता है कि सम्मेलन समाज के लिए सदा प्रासंगिक और स्वीकार्य रहा है और रहेगा।

– श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया,
२०२०-२०२३

व्यवसायिक निर्देशिका में नामांकन दर्ज करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर व्यवसाय निर्देशिका का पेज जुड़ गया है। सभी व्यवसायी-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि निर्देशिका में नामांकन के लिए अपने व्यवसाय का विवरण प्रविष्ट करें, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर '**एनरोल बिजनस डाटा**' का सेक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर '**क्रिएट ए न्यू एनलिस्टमेंट रिक्वेस्ट**' का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपने व्यवसाय से जुड़े सभी विवरण प्रविष्ट कर '**सबमिट**' पर क्लिक करने से आपका व्यवसाय निर्देशिका के लिए नामांकित हो जाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएँ। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

मायड़भासा खातर घणी चिंत्याळी बात

– चेतन स्वामी

राजस्थान आखै संसार रो इकोवड़ो इयांकलो प्रांत है, जिणरो बच्चो-बच्चो आपरी बोली– भासा नै बिसार दूजै प्रांतां री, दूजै देसां री भासा नै अपणा रैयो है। जिण भांत राजस्थानी भासा सांवकीज रैई है, इणनै सिमटतां फगत एक दसक और लागसी। पछै राजस्थानी रो कोई नांव लेवणवाळो कोनी रैय जासी।

कोई भी भासा दोय जग्यां सूं जीवती रैवै। एक तो बा पैली क्लास सूं टाबरां नै पढाई जावै। दूजी, बा घर में धड़ल्लै सूं बरतीजै। आं दोवूं ई जग्यां टाबर नै आपरी मायड़भासा कोनी मिलण लाग रैयी। अंग्रेजी माध्यम रा स्कूल नैना टाबरां नै बां री मायड़भासा में बोलण ई कोनी देवै। थोड़ी भोत छूट हिंदी बोलण री देवै। घरवाळा रो भी जोर रैवै कै टाबर हिंदी अथवा अंग्रेजी बोलै। राजस्थानी मिनख रै आ जामणूं हीण सोच होयगी कै राजस्थानी बोलणवाळो मिनख अणपढ़ लागै। घणां बरस कोनी लागै, आवणवाळा दसेक बरस में आपणी मुधरी भासा लगैटगै लोप होय जासी।

आपां सगळा जाणां, भासा लिखणी अर बांचणी तो आपणै अठै सूं उठ ई गई। राजस्थानी री पोथी बांचण री ललक सिरै सूं खतम होवती जाय रैयी है।

आपां नै तो अबै इयांकली बातां री कोई घणी-सी चिंत्या भी कोनी होवै। कैबत है– कपूत री भासा अर माता रुळै।

इक्यावन हजार राजस्थानी भासी कड़ूंबा त्यार करो

लोप हुंवती राजस्थानी भासा नै बचावण सारू सरूपोत में इक्यावन हजार राजस्थानी भासी कड़ूंबा नै संकळप धारण कराणो चाइजै। संकळप फगत इत्तो ई धारण करणो है कै म्हें म्हारै घर मांय म्हारी मायड़भासा नै मरण कोनी देवूं। म्हारी संतति नै राजस्थानी भासा बोलण, बांचण री सीख देस्यूं।

सागळा बांचो अर बिचार करो...

राजस्थानी री मान्यता में एक मोटी अचन इण बात री हैकदै राजस्थान रो आम मिनख भासा रो गौरव जाणै कोनी। भासा रो आपरो अभिमान होवै। बंगाल में तीन मिनख आपरी भासा रै खातर आपरा प्राण होम दिया। कळकतै रै एक तिकुणै पार्क मांय बां री मूरत लाग्योड़ी है।

राजस्थान रै आम मिनख मांय भासा रो बोध जागै, जणां काम सोरो होवै. नींतर भारी अवहेलना रै कारण दिन-दिन भासा मरती जासी।

इण भासा नै जीवती राखण सारू बिरै-बिरै रा जतन करण री दरकार है।

नार्थ लखिमपुर, पूर्वोत्तर

चूड़ी तोड़ने की परंपरा पर लगे रोकः श्री मधुसूदन सीकरिया

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की मंडल 'ग' समिति, नार्थ लखीमपुर द्वारा १०, दिसंबर २०२३ को जूम प्लेटफर्म पर ऑनलाइन वार्तालाप का पहला भाग आयोजित किया गया। 'ओम मंत्र' पाठ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री छत्तरसिंह गिड़िया ने की। उन्होंने अपने संबोधन में सभी उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए मंडल की गतिविधियों व आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक श्री उमेश खंडेलिया ने वार्तालाप कार्यक्रम के पहले भाग के विषय में सम्मेलन के गठन के पीछे की परिस्थितियों, उद्देश्य व उपलब्धियों पर चर्चा की आवश्यकता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि संगठन के विषय में विस्तार से जाने बगैर उसकी (संगठन) अपेक्षानुसार सहभागिता नहीं निभाई जा सकती। ८८ वर्षीय सम्मेलन को आज के सम्मेलन के कार्यकर्ताओं से रू-ब-रू कराने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। मंडल के वरिष्ठ सदस्य श्री दुर्गा दत्त राठी ने मुख्य वक्ता डॉ. श्यामसुंदर हरलालका जी का परिचय प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, लेखक डॉ. श्यामसुंदर जी हरलालका ने बहुत विस्तृत रूप से अपना वक्तव्य रखा। मारवाड़ी समाज के मारवाड़ से निष्क्रमण की परिस्थितियों व कारणों, उनका बंगाल में आना, उत्तर पूर्वांचल में आना, अंग्रेजों के साथ व्यापार आदि विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ सम्मेलन के गठन की आवश्यकताओं पर बहुमूल्य व रोचक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मूलतः १९३५ में अपने मूल प्रदेश से असम आकर बसे मारवाड़ीयों को नागरिकता व मताधिकार दिलाने के उद्देश्य से सम्मेलन का गठन किया गया था। सम्मेलन की बदौलत ही जमनालाल जी बजाज के जरिये महात्मा गांधी के हस्तक्षेप से यह संभव हो पाया था। डॉ. हरलालका जी के वक्तव्य के बाद सदस्यों ने उनकी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए डॉ. महेश कुमार जैन ने डिब्रूगढ़ में १९३५ में स्थापित बालिका विद्यालय, श्री रूपचंद करनानी ने शिवसागर में १९३५ में मारवाड़ी समाज द्वारा स्थापित स्कूल व राज कुमार सराफ ने १९३५ में डिब्रूगढ़ में सम्मेलन के स्थापना के एक महीने बाद कलकत्ता में अखिल भारतीय स्तर पर सम्मेलन के स्थापना पर चर्चा की। डॉ. हरलालका जी ने जानकारी दी कि उनकी पुस्तक 'असम के मारवाड़ी समाज' में डिब्रूगढ़ व शिवसागर की इन स्कूलों का उल्लेख है। उमेश जी खंडेलिया ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सहवक्ता पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकारिया से सम्मेलन के उद्देश्य व उपलब्धियों पर वक्तव्य रखने का निवेदन किया। इससे पूर्व मंडल की सबसे युवा शाखा बंदरदेवा महिला शाखाध्यक्षा श्रीमती माया सराफ ने श्री मधुसुदन जी सीकारिया का परिचय प्रस्तुत किया। तत्पश्चात श्री सीकारिया ने बहुत विस्तृत रूप से अपना वक्तव्य रखा। सम्मेलन के गठन के उद्देश्यों व उपलब्धियों पर उनका वक्तव्य भी काफी मनोग्राही रहा। करोना के विकट काल में जनसाधारण को सम्मेलन द्वारा पहुँचाई गई विभिन्न सेवा-कार्यों का उन्होंने उल्लेख किया। विशेष कर प्रांत में फँसे हुए बहुत से यात्रियों को बस के द्वारा उनके गंतव्य स्थल पर पहुँचाना। उन्होंने असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) अद्यतन कार्य के दौरान समाज के लोगों का नाम उसमें समाहित करवाने में सम्मेलन द्वारा प्रदान किए गए सहयोग तथा CAA आंदोलन के समय स्थानीय समाज के साथ सामंजस्य बनाए रखने में सम्मेलन की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। मारवाड़ी समाज पर हो रही टिप्पणियों पर चर्चा करते समय उन्होंने लखीमपुर में घटी घटना का वर्णन किया जिसमें पुलिस केस होने के बाद अंतोगत्वा टि प्पणी करने वाले ने माफी माँग कर फेसबुक से अपनी टिप्पणी हटा ली थी। उन्होंने समाज में व्याप्त एक कुरीति की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि "पति की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी द्वारा चूड़ी तोड़ने के रिवाज को बंद करने के बारे में सम्मेलन व समाज को चिंतन करने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी में भी भारत के कुछ हिस्सों में यह कुरीति देखी जा सकती है, जिसकी रोकथाम हेतु सम्मेलन को आगे आना चाहिए।" सीकारिया जी के वक्तव्य के बाद उपस्थित सदस्य श्री महेश अग्रवाल, श्री राजेंद्र हरलालका, श्री ओम प्रकाश पचार, डॉ. महेश जैन आदि ने चर्चा में भाग लेकर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी काबरा ने सभी को संबोधित कर मंडल 'ग' के द्वारा आयोजित कार्यक्रम वार्तालाप के लिए मंडल के कार्यकर्ताओं की प्रसंशा की। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष के अलावा निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश जी खंडेलवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश जी चांडक, प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद जी लोहिया व प्रांतीय संगठन मंत्री विमल अग्रवाल, शोध समिति के सदस्य श्री बाबूलाल मोर, पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री राज कुमार तिवारी आदि की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। पूर्वोत्तर की विभिन्न शाखाओं से करीब ४६ सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर चर्चा में अपने अपने विचार रखे। अंत में संयोजक श्री खंडेलिया जी ने अपने मंतव्य में कार्यक्रम वार्तालाप का सारांश सभासदों के सामने रखा। प्रांतीय सहायक सचिव राजकुमार सराफ ने आज के कार्यक्रम के वक्ताओं, मुख्य अतिथि व उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया। मंडलीय समिति अध्यक्ष श्री गिड़ियाजी ने सभा समाप्ति की घोषणा की। मंडलीय सहायक सचिव राज कुमार सराफ ने जूम प्लेटफार्म पर इस ऑनलाईन सभा का कुशलता के साथ संचालन किया।

सम्मेलन – एक विहंगम परिचय

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में कोलकाता में हुई थी। प्रथम अधिवेशन में सम्मेलन का लक्ष्य समाज का सर्वांगीण विकास निर्धारित किया गया। प्रथम अधिवेशन में संस्थापक अध्यक्ष रायबहादुर रामदेव चोखानी ने कहा था, "जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हमलोग आज यहां उपस्थित हुए हैं वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करने वाला हो, उसके कार्यकर्ताओं मे उल्लास, सजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरने वाला हो और जिसमें समाज की विभिन्न शाखाएं संबद्ध हो, जो अपने राष्ट्रीय-हित और उससे भी बृहत्तर संपूर्ण देश के स्वार्थ संबंध रखने वाले समस्त प्रश्नों पर विचार करे और अपना कर्तव्य स्थिर करें"। उन्होंने यह भी कहा कि "अभी तक समाज की विभिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है, शृंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक जीवन पर अपना प्रभाव रखने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्यान्य समाजों के साथ अपनी एकता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं। आज देश के वृद्ध एवं युवक दल, सनातनी एवं सुधारक में जो इतना पार्थक्य दिख रहा है और दोनों एक-दूसरे को जो दूर समझते हैं उसका कारण भ्रम ही है। यह हम दोनों का ही एक समान शत्रु है"। इस वक्तव्य से हम समझ सकते हैं कि नए व्यापक सोच के साथ पूरे समाज को एक दिशा देने का सशक्त प्रयास आरंभ होने वाला था। प्रथम अधिवेशन में पास किए गए महत्वपूर्ण प्रस्ताव इस प्रकार हैं "यह सम्मेलन मारवाड़ी भाइयों से अनुरोध करता है कि वह नागरिक एवं राजनीतिक सभी देशोन्नति के कार्यों में दिलचस्पी लें और उनके चुनाव में सम्मिलित होकर उनमें प्रवेश करके देशवासियों का सेवा करने का अवसर प्राप्त करे। दूसरा प्रस्ताव कहता है "यह सम्मेलन भिन्न-भिन्न प्रांतों में बसने वाले मारवाड़ी बंधुओं से अनुरोध करता है कि वह जिस प्रांत के निवासी हों, वहाँ के अन्यान्य समुदायों के साथ मिलकर वहाँ के सार्वजनिक कार्यों में अधिकाधिक भाग लें, जिससे पारस्परिक प्रेम और सद्भावना को दृढ़ता प्राप्त हो।" प्रस्तावों से यह स्पष्ट होता है कि मारवाड़ी समाज को देश की उन्नति में एक ठोस भूमिका देने के लिए सम्मेलन अग्रसर हो रहा था। स्थापना वर्ष में ही ब्रिटिश सरकार ने 'भारत विधायक' की एक रूपरेखा तैयार की जिसमें ऐसे प्रावधान लाने की आशंका मिल रही थी, जिससे मारवाड़ी समाज के व्यक्ति को जो विभिन्न प्रदेशों में बसे हुए थे, उन्हें देसी राज्यों की प्रजा मानकर यदि नागरिक अधिकार प्राप्त नहीं हुए तो उन्हें देश में ही विदेशियों की तरह समझा जाएगा। न तो उनको मतदान का अधिकार प्राप्त होगा और ना ही कोई नागरिक अधिकार। ईश्वरदास जालान ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष रायबहादुर रामदेव चोखानी, घनश्याम दास बिरला, बद्रीदास गोयनका, देवी प्रसाद जालान, मदन मोहन मालवीय से विचार-विमर्श किया और सुप्रसिद्ध बैरिस्टर सर एन एम सरकार को विलायत भेजकर आवश्यक संशोधन का प्रयास किया। भारत के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा मारवाड़ी समाज की कठिनाइयों को दूर करने के लिए यह संशोधन किया जा रहा है। स्थापना वर्ष १९३५ में ही यह सम्मेलन की पहली और बड़ी उपलब्धि थी जिसके अंतर्गत मारवाड़ी समाज को मतदान करने और नागरिक अधिकारों से वंचित होने से बचाया जा सका। १९३८ में पद्मपत सिंघानिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का भार ग्रहण किया। १९४० में कानपुर में आयोजित तीसरे अधिवेशन में बद्रीदास गोयनका ने समाज-सुधार के मुद्दे का पहली बार उल्लेख करते हुए कहा "मैं समाज के लोगों से अनुरोध करता हूँ कि सामाजिक अवसर पर वे अपने खर्चे को वांछित सीमा के बाहर न जाने दें। मेरा अनुरोध केवल उन्हीं से नहीं है जिनके पास धन का अभाव है वरन मैं उन लोगों से भी अनुरोध करता हूँ कि जिनके पास प्रचुर धन है, क्योंकि यह मानव स्वभाव है कि दूसरी श्रेणी की देखा-देखी पहली श्रेणी के लोग अपने परिमित आर्थिक अव्यवस्था के बाबजूद दिखावे और आडंबर में उनकी नकल करने को आतुर दिखाई देते हैं।"

१९४१ मे रामदेव पोद्दार ने अध्यक्षता ग्रहण की और उन्होंने अपने संदेश में कहा "हमारे समाज में गमी, विवाह और छोटे-छोटे प्रसंगों में धन का अपव्यय करने की प्रक्रिया है। इससे सभी भाइयों को कष्ट तथा धनराशि और समय नष्ट होता है। अब युग परिवर्तन आ गया है। इसलिए इन अवसरों पर फिजुलखर्ची नहीं करना चाहिए। आशा है यह प्रक्रिया शीघ्र ही बंद हो जाएगी।" १९४३ में राम गोपाल मोहता ने अध्यक्ष का भार ग्रहण किया। अपने अध्यक्षीय संदेश में उन्होंने कहा कि "पृथक पृथक फिरकों के जातीय समाजों के सम्मेलनों का जमाना अब खत्म हो चुका है। आपस की हमारी फूट पर हमने धर्म की छाप लगा रखी है और इस तरह के धार्मिक अंधविश्वास ने हमको स्वतंत्र विचार करने योग्य भी नहीं रखा है। धर्म भीरू होना हम अपने लिए गौरव की बात समझते हैं। धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों और रूढ़ियों एवं नाना प्रकार के वंचना ने हमें मनुष्यता से गिरा दिया है।

१९४७ में आयोजित छठे अधिवेशन में सम्मेलन ने अपने उद्देश्यों में संशोधन कर समाज-सुधार के प्रस्ताव भी पास किए। इनमें पर्दा-प्रथा निवारक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। अखिल भारतीय समिति की बैठक में पर्दा-प्रथा के विरोध में किए जा रहे आंदोलन को जोर करने, दहेज-प्रथा, सजावट एवं रोशनी को प्रतिबंधित करने जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही साथ नई चेतना के फलस्वरूप समाज में नारी शिक्षा, विधवा-विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति भी सोच में बदलाव आया। इन सब सफलताओं के पीछे सम्मेलन एवं समाज के कार्यकर्ताओं की लगन, निष्ठा एवं मेहनत थी। बृजलाल बियानी के सभापतित्व में सर्वप्रथम सामाजिक सुधार की दिशा में कटिबद्ध होकर कार्य करने का सम्मेलन में निर्णय के तहत सम्मेलन में समाज-सुधार समिति बनी एवं पर्दा-प्रथा के विरुद्ध एक तीव्र आंदोलन चलाया गया। काफी युवक-युवतियों ने इस आंदोलन में भाग लिया। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने सारे देश में पर्दा-प्रथा एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध प्रचार करने की दृष्टि से दौरे किए। पहले लोग कहते थे कि हजारों वर्षों से चली आ रही प्रथा बंद नहीं हो सकती। बाद में यह कहते सुने गए कि आंधी को कौन रोक सकता है? समाज-सुधार कार्यक्रमों में विलायत यात्रा पर समाज से बहिष्कृत करने की परंपरा, सीठनों पर प्रतिबंध, बाल-विवाह, मृतक बिरादरी भोज, पर्दा-प्रथा के विरुद्ध किए गए आंदोलन उल्लेखनीय हैं। साथ ही विधवा-विवाह और कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम में उल्लेखनीय सफलता मिली। पर्दा-प्रथा में सुशीला सिंघी, सुशीला देवी भंडारी,

विजय कुमारी मेहता, मांग कुमारी भुतोड़िया, इंदुमती गोयनका, चंपा देवी गंगवाल, रतन देवी जैन, रमा देवी मुरारका, पुष्पा लाठ, भगवती देवी पोद्दार, अनुसुइया कानोरिया, शकुंतला चिंतामणि, गंगा देवी चांडक की भूमिका उल्लेखनीय रही। स्वतंत्रता से पहले विषम परिस्थितियों के कारण असम, उड़ीसा एवं अन्य प्रांतों से लोग भयभीत होकर पलायन करने लगे। राजस्थान जाने से रोकने के लिए सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति में विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में तत्कालीन सम्मेलन सभापति बृजलाल बियानी ने कहा जो परिस्थितियाँ हैं उनमें हमें यह देखना चाहिए कि सम्मेलन हमारे समाज को क्या सहायता एवं सलाह दे सकता है, यह तो ठीक नहीं कि संकट की आशंका से ही भागकर हम राजस्थान पहुँच जाएँ, क्योंकि जिन राज्यों में हम निवास करते हैं वहाँ न रहने से हमारे आर्थिक हितों को हानि पहुँचेगी। जिन प्रांतों में हमने परिश्रम एवं अध्यवसाय से व्यापार स्थापित किया है उनको इस समय छोड़ना ना तो लौकिक दृष्टि से ठीक है और ना ही नैतिक दृष्टि से। यदि ऐसा हुआ तो हमारे समाज को सदा के लिए क्षति पहुँचेगी। बियानी जी ने कहा कि इस समय राजस्थान में भी कर्म क्षेत्र का अभाव है। सम्मेलन को इस दिशा में तत्पर होना चाहिए। आम सहमति के फलस्वरूप प्रभु दयाल हिम्मतसिंहका, रावत मल मालपानी, भंवर मल सिंघी ने तत्काल उन प्रदेशों का दौरा किया एवं अलग-अलग स्थानों में जाकर लोगों को धैर्य दिलाया एवं उत्साह बढ़ाया, स्थानीय समाज-बंधुओं से अपने स्थान एवं व्यापार ना छोड़ने के लिए आग्रह किया। उसका असर भी हुआ। भंवरमल सिंघी ने उड़ीसा का दौरा भी किया। जगह-जगह उन्होंने सम्मेलन का संदेश पहुँचाया। इसके बाद भी जहाँ-जहाँ समाज-बंधुओं पर संकट के बादल मंडराए, सम्मेलन ने जाकर अपनी महती भूमिका निभाई। इसी कारण आज हम देखते हैं कि सम्मेलन अपनी शाखाओं के माध्यम से उन राज्यों में गाँव तक सक्रिय है। समाज-सुधार के कार्यों में भी सम्मेलन की उल्लेखनीय भूमिका रही।

१९५४ में सेठ गोविंद दास मालपानी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। समाज में धन का बोलबाला के विषय में उन्होंने कहा – "ऐसा लगता है कि आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दीवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे जल्दी धनी बना जाए। हमें टका धर्म को अलविदा करना होगा।" समाज के सामने आज यह विकट समस्या है। इसी दौरान सम्मेलन के लक्ष्य को और भी व्यापक बनाते हुए नया लक्ष्य स्वीकृत हुआ – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'।

तत्पश्चात गजाधर सोमानी १९६२ में अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने भी दहेज एवं पर्दा प्रथा के विरुद्ध में कार्यक्रम चलाए। रामेश्वर लाल टाटिया, भंवरमल सिंघी, मेजर राम प्रसाद पोद्दार, नंदकिशोर जालान एवं हरि शंकर सिंघानिया के सभापतित्व काल में भी समाज-सुधार कार्यक्रम चलता रहा। सम्मेलन ने अपने जीवनकाल में कई उतार-चढ़ाव देखे। इसके बाद हनुमान प्रसाद सरावगी एवं मोहनलाल जी तुलस्यान के सभापतित्व में भी सम्मेलन अपनी कार्यवाही को गति देता रहा। सीताराम शर्मा ने २००६ में सम्मेलन के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद धन का बोलबाला के विरोध और समरसता पर काफी जोर दिया। सीताराम शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि समाज में धन के प्रति बढ़ते प्रभुत्व ने अनेकों बुराइयों को जन्म दिया है। हमें सामाजिक व्यवस्था को सुधारना पड़ेगा। वैचारिक परिवर्तन लाना पड़ेगा। बिखरते रिश्ते, तलाक और फिजूलखर्ची, सामाजिक समारोह में मद्यपान, गिरते नैतिक एवं सामाजिक मूल्य, आडंबर-दिखावा, अभी समाज की मुख्य कुरीतियाँ हो गई हैं जिन पर हमें ध्यान देना होगा। इसके बाद से सम्मेलन में संगठन विस्तार का दौर आया। नंदलाल रूंगटा की अध्यक्षता मे विशिष्ट संरक्षक सदस्यता प्रारंभ हुई। सम्मेलन के विभिन्न पहलुओं पर उनके विचार थे – "आज हमारे समाज में चिंता है टूटते परिवारों की, बिखरते रिश्तो की, तलाक और फिजूलखर्ची की, सामाजिक समारोह में मद्यपान की, गिरते नैतिक और सामाजिक मूल्यों की, बढ़ते आडंबर, दिखावों की। सम्मेलन इस पर समाज में जागृति लाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। संगठन को सांगठनिक रूप से और मजबूती प्रदान करने हेतु प्रत्येक मारवाड़ी परिवार से एक व्यक्ति को सम्मेलन से जुड़ना चाहिए।" डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, संतोष सराफ के सभापतित्व काल में सदस्यों की संख्या एवं संगठन पर जोर दिया गया। नए राज्यों में शाखाएँ खोलने को प्रमुखता दी गई। कोविड काल में सम्मेलन की शाखाओं ने व्यापक रूप से 'अन्नपूर्णा की रसोई' कार्यक्रम के तहत एक वर्ष से भी अधिक निशुल्क भोजन वितरित किया। साथ ही साथ मास्क आदि निशुल्क वितरण के व्यापक कार्यक्रम लिए गए। गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सम्मेलन को सांगठनिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रांतों और शाखाओं का दौरा कर संगठन का विस्तार किया। वर्तमान में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया हैं। संगठन को और विस्तार देने के लिए १०० नई शाखाएँ खोलने के अपने लक्ष्य पर अहर्निश कार्य कर रहे हैं। साथ ही साथ समाज में जागरूकता लाने के लिए संगोष्ठीयों का आयोजन, स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल, व्यापार सहयोग जैसे कई प्रकल्पों के माध्यमों से समाज को सुदृढ़, संस्कारित, संगठित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने इस सत्र के लिए 'आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज' का नारा दिया है।

सम्मेलन की स्थापना में ईश्वर दास जी जालान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी एवं १९३८ से ४० तक उन्होंने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में भी सम्मेलन को अपनी सेवाएँ दीं थी। सम्मेलन के संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री भूरामल अग्रवाल थे। इसके बाद रामेश्वर लाल नोपानी (१९४०-४१), बजरंग लाल लाठ (१९४३-४७), रामेश्वर लाल केजरीवाल (१९४७-१९४९) ने महामंत्री के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की थी। १९५० से १९६२ एवं तत्पश्चात १९७४ से १९७९ तक नंदकिशोर जालान ने दीर्घकालिक राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की। रघुनाथ प्रसाद खेतान (१९६२-६६), रामकृष्ण सरावगी (१९६६-७०), दीपचंद नाहटा (१९७०-७४, १९९३-९७), बजरंगलाल जाजू (१९७९-८६), रतन शाह (१९८२-८९), दुलीचंद आग्रवाल ने (१९८९-९३) तक राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। सीताराम शर्मा १९९७ से २००४ तक, भानीराम सुरेका २००४ से २००८ तक, राम अवतार पोद्दार २००६ से २०१० तक, संतोष सराफ २०१० से २०१२, शिव कुमार लोहिया २०१३ से २०१७ तक, श्री गोपाल झुनझुनवाला २०१८ से २०२० तक राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर सम्मेलन को गति प्रदान किया। २०२० से २०२३ तक संजय हरलालका राष्ट्रीय महामंत्री रहे। मई २०२३ से कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री हैं।

सम्मेलन पूरे देश में समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। सम्मेलन स्थापना के प्रारंभ से ही अपने उद्देश्य में लगी हुई है। राजस्थान, हरियाणा, मालवा एवं उनके निकटवर्ती भागों के रहन-सहन, भाषा-संस्कृति वाले सभी व्यक्ति जो स्वयं अथवा उनके पूर्वज देश या विदेश के किसी भाग में भी बसे हो सम्मेलन के सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है समाज के विरुद्ध दुराग्रह फैलाने वालों के खिलाफ सशक्त एवं सामूहिक आवाज उठाना, दहेज, दिखावा, प्रदर्शन, आडंबर,

वधू-उत्पीड़न, पर्दा-प्रथा, वैवाहिक कार्यक्रम में मद्यपान अन्य सामाजिक कुरीतियों का विरोध, साहित्यिक-सांस्कृतिक विकास, सामाजिक समरसता, उच्च-शिक्षा छात्रवृत्ति, सेवा प्रकल्पों का संचालन, राजनीतिक चेतना एवं भागीदारी व सामाजिक योगदान। १९८३ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की स्थापना हुई एवं १९८५ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी युवा मंच की स्थापना की गई जो आज भी अपने-अपने क्षेत्रों में गतिशील है एवं समाजहित मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सम्मेलन राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए भी प्रयत्नशील है। सम्मेलन अपने मासिक पत्रिका 'समाज विकास' के माध्यम से अपने कार्यक्रमों एवं समाज के सूचनाओं को सभी सदस्यों तक पहुँचाने का काम करती है।

रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से प्रत्येक वर्ष राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान राजस्थानी मूल के व्यक्ति को दिया जाता है, जिन्होंने देश में किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। यह सम्मान २०१४ से प्रारंभ हुआ था। अब तक यह सम्मान शिक्षाविद डॉ. अनुराधा लोहिया, सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस रमेशचंद्र लोहोटी, पद्म भूषण सुश्री राजश्री बिरला, उद्योगपति श्री अनिल अग्रवाल, राजनीतिज्ञ श्री ओम बिरला, राजनीतिज्ञ श्री अरविंद केजरीवाल एवं जस्टिस आदर्श कुमार गोयल, समाजसेविका श्रीमती अमला अशोक रुईया जी को दिया जा चुका है। आगामी २५ दिसंबर को सम्मेलन के स्थापना दिवस पर समाजसेवी पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता जी को इस सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

सीताराम रूंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान एवं केदारनाथ भागीरथी देवी कनोड़िया राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान प्रत्येक वर्ष राजस्थानी भाषा के साहित्यकार को प्रदान किया जाता है। समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रत्येक २ वर्ष में भंवर मल सिंघी सेवा सम्मान प्रदान किया जाता है। सम्मेलन की रजत जयंती वर्ष के समारोह में पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय, सम्मेलन के ५०वें वर्ष के समारोह में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह एवं ६०वें वर्ष के समारोह में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा एवं ७५वें वर्ष के समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति सुश्री प्रतिभा देवी पाटिल ने शिरकत की थी।

वर्ष २०१०-११ से सम्मेलन ने युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता देने का कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अभी तक १३७ छात्रों में लगभग ३ करोड़, ६१ लाख से भी अधिक की धनराशि का आवंटन किया गया है। इन कार्यक्रमों के अलावा भी सम्मेलन के सभी प्रांतों में अलग-अलग और भी अनेक कार्यक्रम संचालित होते हैं। वर्तमान में सम्मेलन की १८ प्रांतों में शाखाएँ हैं और इन प्रांतों के जिलों में, कस्बों में, गाँवों में शाखाएँ फैली हुई हैं।

सम्मेलन का गौरवशाली इतिहास रहा है। समाज को संगठित करने में सम्मेलन ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कश्मीर से कन्याकुमारी, गुजरात से पूर्वोत्तर चारों तरफ फैले हुए मारवाड़ी समाज-बंधुओं की सम्मेलन एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है। सम्मेलन पूरे समाज के विषय में सोचता है और प्रत्येक समाज-बंधु सम्मेलन का अंग है। हमारे पूर्वजों ने लक्ष्य निर्धारित की थी **'म्हारों लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'**। मारवाड़ी समाज का राष्ट्र की प्रगति में योगदान सर्वविदित है। आज सम्मेलन **'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'** का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहा है।

स्वतः अपनी सदस्यता से जुड़े विवरण का संशोधन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर जाकर सदस्यगण अपने सदस्यता के विवरण की जानकारी में किसी भी प्रकार का संशोधन स्वयं ही कर सकते हैं, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **मेंबर्स** मेनू पर कर्सर ले जाने पर **'एडिट मेंबर डाटा'** का सेक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर **'अपडेट योर डाटा'** का एक नया विंडो खुलेगा; उसमें अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर प्रविष्ट कर **'सेंड ओ.टी.पी.'** पर क्लिक करने से आपके मोबाइल में एक 'OTP' जाएगा ज्योंही आप वह 'OTP' प्रविष्ट कर **'वेरीफाईड & डाटा'** पर क्लिक करेंगे तो आपके सदस्यता का पूर्ण विवरण नए विंडो में खुल जाएगा, वहाँ पर आप अपने मौजूदा जानकारी को स्वतः अद्यतन/विवरण की पुष्टि कर सकते हैं। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं। यदि आपका मोबाइल नंबर वेबसाइट पर **'मोबाइल हमारे डेटाबेस में नहीं है'** दिखाता है तो कृपया आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर अपने मोबाइल को अपडेट करवाने के उपरांत आगे की प्रक्रिया पर जाएँ। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

परिचय सम्मेलन हेतु नामांकन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर वैवाहिक संबंध का पेज जुड़ गया है, समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि अपना बायोडाटा प्रविष्ट कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर **'एनरोल मैरिज बायोडाटा'** का सेक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर **'क्रिएट न्यू मैट्रिमोनी रिक्वेस्ट'** का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपना पूर्ण विवरण प्रविष्ट कर **'सबमिट'** पर क्लिक करने से आप हमारे **'परिचय सम्मेलन'** प्रकल्प में नामांकित हो जाएंगे। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

With Best Compliments From :

S J PLAZA PVT LTD

SHARAT JHUNJHUNWALA

Regd. Office :

5, Clive Row, 3rd Floor
Kolkata 700001

Admin Office:

Jhunjhunwala Niket
6/D, Short Street
Kolkata 700016

Warehouse:

33, WBIDC, Birshipur Uluberia, NH – 6
Howrah (WB)
Email: Sales@sjplaza.net

Manaksia Aluminium Company Limited

- LARGEST EXPORTER OF ALUMINIUM SHEETS AND COILS TO THE USA
- SECOND LARGEST EXPORTER OF ALUMINIUM SHEETS AND COILS

WE RECYCLE

MANUFACTURERS OF

- Aluminium Coils
- Aluminium Plain Sheets
- Aluminium Roofing Sheets
- Aluminium Pre- Painted/Colour Coated Coils
- Aluminium Flooring Sheets(5 Bar & Diamond Pattern)

Pre-Painted Aluminium Coils

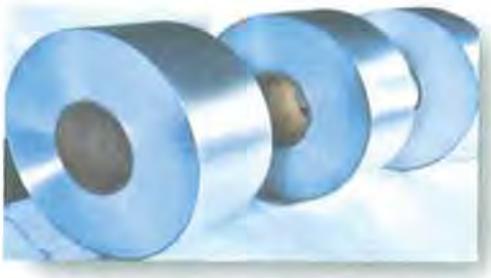

Aluminium Plain Coils

Roofing Sheets

5 Bar Flooring Sheet

Registered Office:
8/1, Lal Bazaar Street, Bikaner Building, Kolkata - 700 001
Phone: 033 – 2243 5053 / 5054 / 6055
E-mail: info@malcoindia.co.in
www.manaksiaaluminium.com

ARC
ON
SCHEDULE
- a unique Parcel Service

ALL ROUND CARE

On time...Every time...Safe & Secure!

A R C Edge

- One of the Largest ISO 9001:2015 accredited Surface Transport Organisations.
- Large Fleet of Own Trucks with GPS facility in all major routes.
- On Road 3500+ Vehicles, covering nearly a million km daily, carrying over 3 million tonnes of Cargo annually.
- Approx. 2400 Trained, Skilled and Highly Motivated Professionals.
- Over 1.5 million Sq.ft of covered godowns with Modern Handling & Safety Equipment.
- Latest Communication & Information Technology System with 24 x 7 Online Track & Trace facility.
- 50,000+ Satisfied Customers.
- Actively involved in various CSR Activities.

ARC

Associated Road Carriers Limited

THE PEOPLE WITH A WILL TO SERVE

(An ISO 9001 : 2015 Company)

REGISTERED OFFICE
"Om Towers", 9th Floor,
32, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata - 700071, Ph: 033-40253535
E-mail: cal@arclimited.com

CORPORATE OFFICE
"Surya Towers", 3rd Floor,
105, Sardar Patel Road,
Secunderabad - 500003, Ph: 040-27845400
E-mail: sbd@arclimited.com

REGIONAL OFFICES
Ahmedabad - Bengaluru -
Chennai - Delhi - Hyderabad -
Kolkata - Mumbai.

Visit us at: www.arclimited.com

✦ 580+ Booking & Delivery Centres ✦ 400+ Cities ✦ 5000+ Destinations ✦ 22 States ✦ 5 Union Territories

KALIKA 550
MORE STRENGTH. MORE POWER.

KALIKA STEEL

प्रगति की गति
भारत की शक्ति

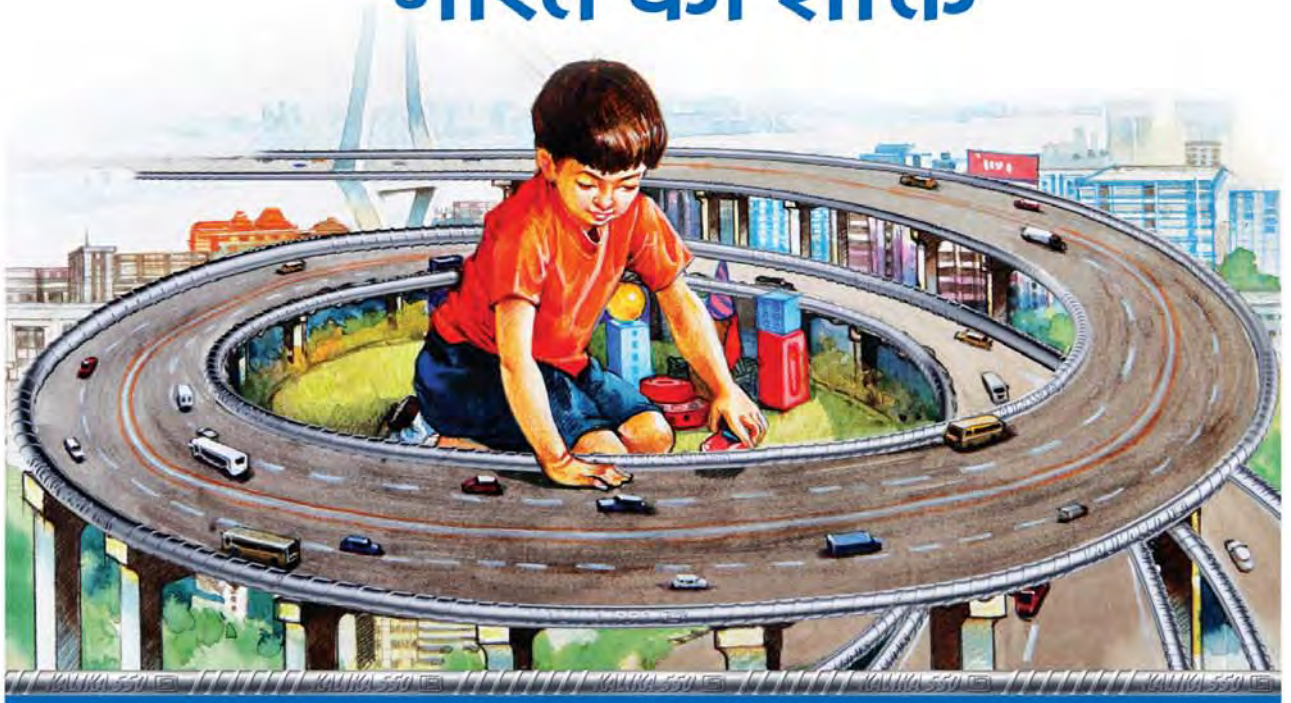

GREENPRO CERTIFICATION
DEFINES OUR PRODUCTS
ARE ENVIORMENTAL FRIENDLY

KALIKA KAVACH
THE MOST TRUSTWORTHY
PROTECTION SHIELD
FOR EVERY STRUCTURE

TC - 11702
NABL ACCREDITATION
PROVES THAT OUR LAB IS
TRUSTWORTHY FOR QUALITY

KALIKA STEEL ALLOYS PVT. LTD.

follow us on

C 7-11, Additional MIDC, Phase I, Jalna 431 213, Maharashtra.
Tel: +91 - 2482 - 258 151/52/53.
Toll Free No.: 1800 233 9898
sales@kalikasteels.com | www.kalikasteels.com

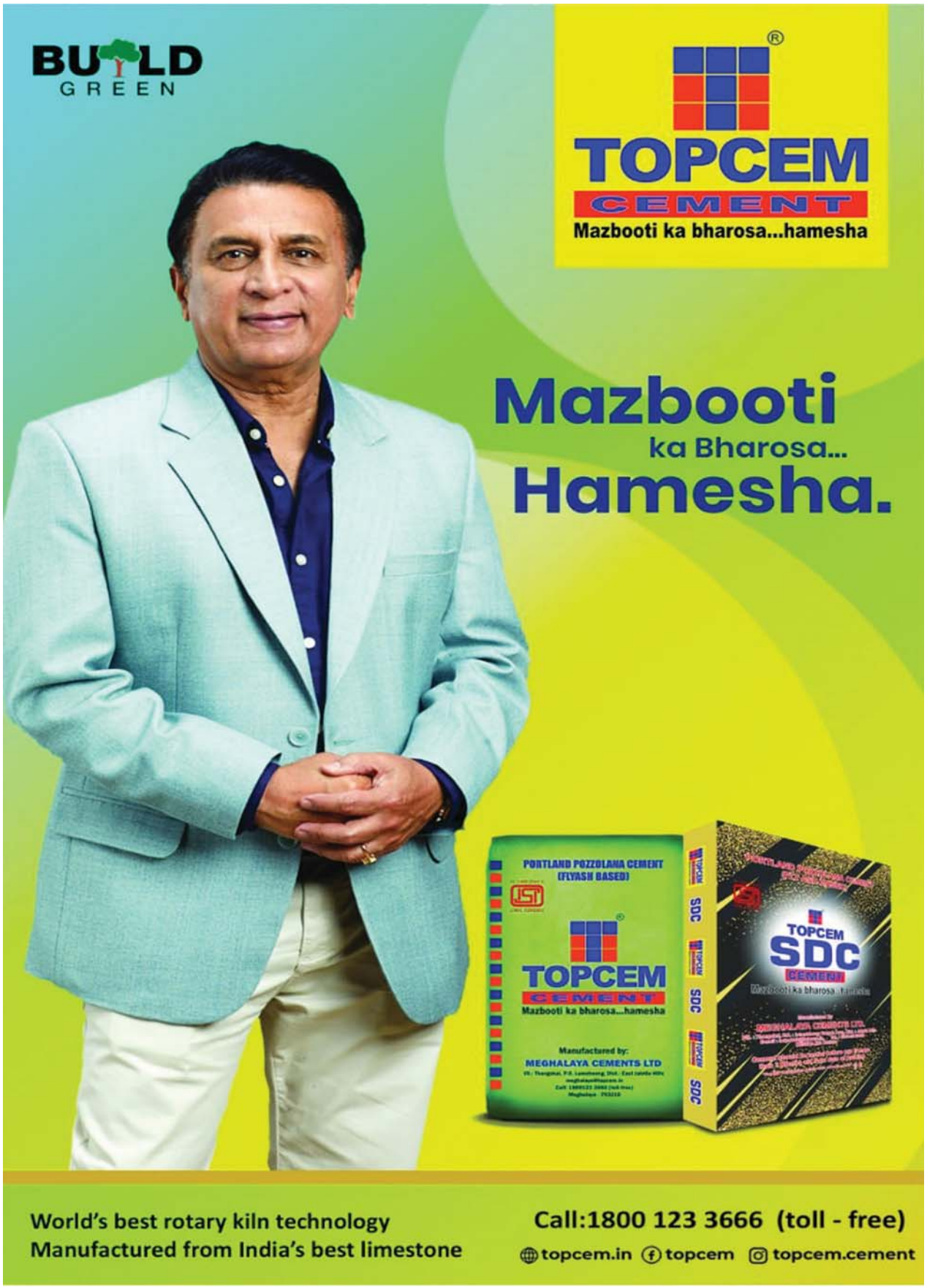
BUILD GREEN
TOPCEM
CEMENT
Mazbooti ka bharosa...hamesha
Mazbooti
ka Bharosa...
Hamesha.
PORTLAND POZZOLANA CEMENT
(FLYASH BASED)
TOPCEM
CEMENT
Mazbooti ka bharosa...hamesha
Manufactured by:
MEGHALAYA CEMENTS LTD
SDC
TOPCEM
SDC
CEMENT
World's best rotary kiln technology
Manufactured from India's best limestone
Call:1800 123 3666 (toll - free)
topcem.in topcem topcem.cement

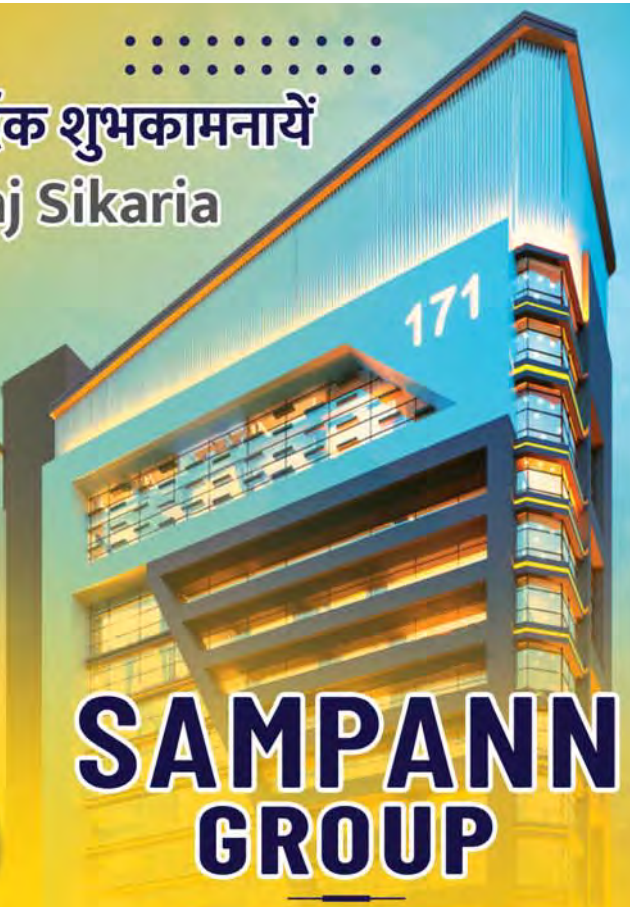

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें
Vicky Raj Sikaria
sampann
TRUST • FUTURE • PROSPERITY
Sampann Gloria
Jackson Lane
Old China Bazaar
171
SAMPANN GROUP
Previously Known As
SIKARIA GROUP
Ongoing Projects
43 Completed Projects
34 Ongoing Projects
21 Upcoming Projects
www.sampanngroup.com
sales@sampanngroup.com
For Details Contact
70449 47777

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

RUPA®
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
TORRIDO
सर्दियों में
only
TORRIDO
EXTRA WARM | STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 23rd December 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com